Vol.23, Issue 5 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

मार्च 2024

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

Rotary

ADVT.

Rotary

CREATE HOPE in the WORLD

Yadhumanaval

A Project by Rotary Club of Virudhunagar Dist-3212

Goes Global Now

Yadhumanaval at Sri Lanka 19.02.2024 to 28.02.2024

She is Everything

We are proud to declare that the main speaker of the program Yadhumanaval **Dr Jayanthasri Balakrishnan has touched the lives of 100,000 girls in India and Srilanka. A journey of 25 months.. 79 Sessions.**

Dr Jayanthasri Balakrishnan is determined to reach out and inspire many others to become stronger version of themselves.

She helps all young girls to realise their potential and makes them to understand that they can do anything they put their mind to.

Girl students of various institutions are at the heart of the Yadhumanaval program - which aims to empower them across the Universe.

Do you wish to organize Yadhumanaval for the girl students of a school in your town/city/district ?
We are waiting to partner with you.

Yadhumanaval Project Chairman
Rtn D. Vijayakumari
+91 94887 66388
Get in Touch

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

LEKHA ads/Mar 24/Rotary-1

विषयसूची

12
श्रीलंकाई रोटेरियन ने कैंसर का सामना किया

18
रोटरी-रोटरेक्ट संबंध धीरे-धीरे विकसित हो रहे हैं

22
रोटरी की चेक डैम पहल ने किसानों का जीवन बदल दिया

28
केरल और पुणे ने एक जर्मन एक्सचेंज छात्र का मन मोह लिया

34
वंदे भारत के जनक ने इसकी कहानी सुनाई

38
प्रोजेक्ट क्रिएट होप ने 835 लाभार्थियों को छुआ

40
रोटरी पीस फ़ेलोशिप के लिए आवेदन करें

46
ट्रांसजेंडरों को चेन्नई में सम्मानित किया गया

49
एक भव्य गुजराती प्रदर्शनी

52
फली नरीमन की ऊर्जा और जोश को उम्र छू नहीं पाई

54
एक अग्रणी रेडियो जॉकी की शानदार आवाज़ खामोश हो गई

60
ओपेनहाइमर की विरासत

64
नींद की सुंदरता का स्वाद चखें

68
घर बदलते समय पर्यावरण चेतना

आपके पत्र

बाढ़ पीड़ितों के लिए रोटरी राहत

फरवरी अंक की कवर फोटो में दक्षिण तमिलनाडु के बाढ़ पीड़ितों की विकट स्थिति को दर्शाने के साथ ही इसमें रोटेरियनों को राहत सहायता प्रदान करते हुए भी दिखाया गया है जिसे देखकर बहुत खुशी हुई। जहाँ रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मैकनली अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने वाले रोटेरियनों के महत्व पर जोर देते हैं वहीं संपादक का संदेश मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वालों का समर्थन करने की आवश्यकता पर बल देता है। रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन क्लबों को नए सदस्यों को रोके रखने के लिए अपनी गतिविधियों को और अधिक आकर्षक बनाने हेतु प्रोत्साहित करते हैं। टीआरएफ न्यासी अध्यक्ष बैरी रेसिन रोटरी शांति केंद्रों के महत्व को रेखांकित करते हैं। कुल मिलाकर जीवंत और रंगीन चित्रों के साथ लेख विचारोत्तेजक

और पठनीय हैं। फरवरी अंक को उत्कृष्ट बनाने के लिए संपादकीय टीम प्रशंसा की हकदार है।

फिलिप मुलप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
मंडल 3211

LBW: एक रमणीय पाठ

जब भी मुझे *रोटरी न्यूज* प्राप्त होती है तो मैं सबसे पहले आखिरी पेज पर टीसीए श्रीनिवास राघवन के LBW कॉलम को पढ़ता हूँ। उनकी अनूठी लेखन शैली हमेशा सुखद होती है जिसमें वह रोजमर्रा की स्थितियों को जीवन की बड़ी वास्तविकताओं से संबंधित करते हैं। जनवरी अंक में उन्होंने अपने और अपने तीन उपद्रवी स्कूली साथियों से जुड़ी बचपन की शरारत साझा की। उनमें से एक जेल में था और अन्य दो? राघवन चतुराई से सुझाव देते हैं, वे शायद राजनेता बन गए। इस मजाकिया टिप्पणी पर मुझे जोर से हँसी आई और अब मुझे प्रत्येक नए अंक में सबसे पहले उनके लेख को पढ़ने का बेसब्री से इंतजार रहता है ।

शशिधरन के
रोटरी क्लब मवेलीकारा - मंडल 3211

मैं बेपरवाही से गाड़ी चलाने पर जनवरी अंक में श्रीनिवास राघवन के LBW लेख में व्यक्त विचारों से सहमत हूँ। मेरे गृहनगर इरोड में स्कूल वैन, वाणिज्यिक ट्रक, ऑटोरिक्शा और यहाँ तक कि दोपहिया वाहनों के चालक अक्सर लापरवाही, आक्रामकता और यातायात कानूनों की अवहेलना करते हैं। वे कानून का पालन करने वाले ड्राइवरों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं और यातायात नियमों का पालन नहीं करते। हाल ही में एक स्कूल वैन चालक ने एक चौराहे पर मेरे द्वारा नियमों का पालन किए जाने के बावजूद भी मुझसे आक्रामक व्यवहार किया। उसके लापरवाह बर्ताव ने मेरी कार में बैठे अन्य यात्रियों को भयभीत कर दिया कि वे अपनी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करने लगे। ''मूल सिद्धांत जिम्मेदारी से गाड़ी चलाना और दूसरों को नुकसान पहुंचाने से बचना होना चाहिए। आखिरकार प्रेम से हमारे कार्य नियंत्रित होते है क्योंकि नियमों का हमेशा पालन नहीं किया जाता।''

वी पशुपति
रोटरी क्लब इरोड - मंडल 3203

इसमें उइथ कॉलम का संदर्भ है। हमारा देश धन-संपदा, शक्ति और शिक्षा में अपनी असमानताओं के लिए जाना जाता है। यहाँ लेखक ने उदारता से स्वीकार किया है कि उन्होंने परिवार में उम्मीद से कम सफलता पाई है। उनके अधिकांश लेखों को पढ़ने और अतीत की उनकी कुछ गतिविधियों को जानने के बाद, मैं यह दावा कर सकता हूँ कि परिवार में कोई भी लेखन में उनकी बराबरी नहीं कर सकता। बधाइयाँ

ए पी एम गोपालकृष्णन
रोटरी क्लब कोट्टायम - मंडल 3211

संपादक के संदेश में, आप रोटेरियनों से अपनी आँखें खुली रखने और अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों की मदद करने के लिए आगे बढ़ने का आग्रह कर रही हैं। साथ ही हमारा ध्यान सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन पर होना चाहिए जिसके परिणामस्वरूप मानसिक बीमारी होती है जिसके दुष्कर परिणाम हो सकते हैं। चूंकि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद की दर अधिक होती है इसलिए रोटेरियनों को महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परियोजनाएं करनी चाहिए। यह संपादकीय एकदम उचित समय पर लिखा गया है जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से जूझ रही है।

अरुण कुमार दाश
रोटरी क्लब बारीपदा - मंडल 3262

एक अनोखा वॉकथॉन

यह देखना दिल छू लेने वाला है कि रोटरी क्लब भरूच और आर के अस्पताल ने बड़े पैमाने पर 300 लोगों के एक समूह जिसमें बुजुर्ग और विकलांग व्यक्ति शामिल है, के लिए एक वॉकथॉन का आयोजन किया।

चूंकि मानसिक स्वास्थ्य रो ई अध्यक्ष का मुख्य कार्यक्रम है इसलिए क्लब अध्यक्ष रिजवाना तकीन जमींदार ने विशेष लोगों के लिए यह पहल की। विकलांगों के लिए इस अद्भुत अवसर को लाने के लिए उन्हें और उनकी टीम को सलाम, यह उनके जीवन की एक यादगार घटना होगी।

एन जगतीसन
रोटरी क्लब एलुरु - मंडल 3020

आपके पत्र

रो ई अध्यक्ष मैकनली के मानसिक स्वास्थ्य के ध्यानाकर्षण क्षेत्र से जुड़ी परियोजना तैयार करने के लिए रोटरी क्लब भरूच ने आर के अस्पताल और अन्य सेवा संगठनों के साथ मिलकर दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए एक वॉकथॉन आयोजित किया।

क्लब अध्यक्ष रिजवाना तकीन जमींदार को विकलांगों के साथ और उनके लिए काम करना, लोगों को सम्मिलित करना, सकारात्मक वातावरण तैयार करना, समावेशिता, सहानुभूति और मानसिक कल्याण के लिए काम करना पसंद है। रोटेरियनों, अन्य साझेदारों के स्वयंसेवकों, बुजुर्गों के साथियों और अपने सहयोगियों के साथ आए नेत्रहीनों सहित लगभग 300 व्यक्तियों ने भाग लिया। पदक प्राप्त करते समय सभी प्रतिभागियों के चेहरे पर मुस्कान झलक रही थी। आयोजकों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। पानी के साथ हाइड्रेशन पॉइंट पर एक एम्बुलेंस वैन तैयार खड़ी थी। एक अनुकरणीय परियोजना ।

वी आर टी दोरईराजा
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

भरत और शालन सावुर का लेख मअच्छे तनाव के बारे में जानें पढ़ना दिलचस्प है। यह उचित रूप से बताता है कि तनाव किसी की मानसिक और भावनात्मक स्थिति का परिणाम है।

एंडोक्रिनोलॉजिस्ट हंस सेली द्वारा पेश किए गए एक पूर्णतया नए शब्द मयूस्ट्रेसफ को तनाव के प्रकार के रूप में समझाया गया है जो सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यूस्ट्रेस हमें नई और कठिन परियोजनाओं से निपटने के लिए अपने दिमाग को तैयार करने में मदद करता है। अंतिम पैराग्राफ यूस्ट्रेस को अपनाने के लिए कई सुझाव देता है जैसे नई चीजें सीखना, अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने की कोशिश करना आदि। लेखकों को मेरी बधाई।

एम पालनिअप्पन
रोटरी क्लब मदुरई वेस्ट - मंडल 3000

आर एन एक संगीत चिकित्सा की तरह है

मैं हमेशा रोटरी न्यूज की हार्ड कॉपी पसंद करता हूँ। तस्वीरें केवल मुझे ही आकर्षित नहीं करती बल्कि उन अधिकांश लोगों को भी आकर्षित करती है जो इसे पढ़ने से पहले संगीत सुनना पसंद करते है। एकता और विविधता से भरी कवर तस्वीरें अद्वितीय हैं।

प्रोजेक्ट अस्मिता के माध्यम से सशक्त लड़कियाँ, गाज़ा में रोटरी की विशिष्ट अनुपस्थिति, हमारे सैनिकों के लिए एक रोटरी मिठाई मिशन और *सरहदों से परे दोस्ती* जैसे सभी लेख दिलचस्प और प्रभावशाली हैं।

कोई फ़र्ज़ी क्लब नहीं, कोई नकली सदस्य नहीं, कोई मिथ्या आँकड़े नहीं में आरआईपीएन के विचार सत्य हैं और उनका पालन किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने स्वस्थ सदस्यता के बारे में बात की।

सौमित्र चक्रवर्ती
रोटरी क्लब कलकत्ता यूनिवर्स - मंडल 32921

एक आत्म-पराजय कार रैली?

परियोजना झलकियाँ में *कार रैली ने जलवायु परिवर्तन के लिए किया जागरूक संक्षिप्त* लेख ने मेरा ध्यान आकर्षित किया। इसमें 14 दिनों में 5,905 किमी की दूरी तय करने वाली एक रैली का उल्लेख है, जिसमें संभवतः अनेक कारें शामिल हैं। प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देने वाली इन कारों से उत्सर्जित पदार्थों को ध्यान में रखते हुए जलवायु परिवर्तन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (एती) का उपयोग न करने वाली यह रैली विरोधाभासी लगती है। दुनिया भर में एीं की ओर झुकाव पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने की तात्कालिकता को दर्शाता है। वर्षों पहले ग्रुप स्टडी एक्सचेंज कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसी व्यक्ति के रूप में, मैं रोटेरियन नहीं हूँ लेकिन मैंने आपकी पत्रिका के माध्यम से रोटरी के काम का सकारात्मक प्रभाव देखा है।

सी गोपीनाथ, गैर-रोटेरियन

हम पाठक की प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं मगर यह हमारी यात्रा के उत्सर्जन और कार्बन प्रभाव से उत्पन्न होने वाली जागरूकता को दर्शाता है। हमारी एकल कार रैली प्लास्टिक विरोधी जागरूकता, वनों की कटाई रोकने और पारिस्थितिक संरक्षण को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी। हालांकि हम इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लाभों को स्वीकार करते हैं मगर हमारा मानना है कि वे बैटरी खनिजों के लिए व्यापक खनन और खराब बैटरियों के लिए अपर्याप्त रीसाइक्लिंग सिस्टम जैसे मुद्दों के कारण ईंधन से चलने वाले ऑटोमोबाइल के लिए एक आदर्श प्रतिस्थापन नहीं हैं। अपने कार्बन फुटप्रिंट के समायोजन के लिए हमने अपनी यात्रा से पहले 32,320 पौधों की एक नर्सरी की स्थापना की जिसे हम इस साल लगाने की योजना बना रहे हैं। जहाँ शुद्ध शून्य उत्सर्जन की प्राप्ति चुनौतीपूर्ण हो सकती है वहीं हमारा प्राथमिक लक्ष्य जागरूकता बढ़ाना और दूसरों के अनुसरण के लिए एक उदाहरण स्थापित करना था।

शिवबाला राजेन्द्रन
रोटरी क्लब चेन्नई मेराकी, रो ई मंडल 3232

कवर पर: रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन, रो ई मंडल 3220 डीजी जेरोम के राजेंद्रम, डीआईआर अमीर अक्रम, डीआरआर सथमा जयसिंघे, श्रीलंका में रोटेरेक्टर्स और इंटेरेक्टर्स के साथ।

चित्रः रशीदा भगत

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए। आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए। WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

रोटरी पीस फेलो की तरह सोचें

शांति के अनेक मार्ग हैं और रोटरी में हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास रोटरी पीस फेलो हैं जो इस सच्चाई को बार-बार प्रदर्शित करते हैं।

हर साल, रोटरी शांति और विकास का अध्ययन करने हेतु दुनिया भर के नेताओं के लिए 130 फैलोशिप का पुरस्कार देता है और ये शांति निर्माता जो सीखते हैं वह उन्हें संघर्ष की रोकथाम और समाधान के लिए काम करने और सकारात्मक शांति को बढ़ावा देने के लिए तैयार करता है। यहाँ कुछ रचनात्मक तरीके दिए गए है जिससे शांति निर्माता शांति को बढ़ावा दे सकते है:

स्थिरता को बढ़ावा देना

अलेजांद्रा रुएडा-ज़राटे ने कोलंबियाई ग्रामीण इलाकों की रक्षा के अपने सपने को पूरा करने के लिए ऊर्जा और संसाधनों में अपनी मास्टर डिग्री के साथ शांति और संघर्ष समाधान में अपनी रोटरी पीस फैलोशिप को जोड़ा।

उन्होंने 2011 में कोलंबिया और ग्रामीण लैटिन अमेरिका के किसानों को स्थायी कृषि मानकों को बनाए रखने के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करने में मदद करने के लिए एन ई एस नेचुरलेज़ा नामक एक संगठन की स्थापना की। उस समर्थन ने लगभग 4,500 किसानों के जीवन में सुधार किया, उनमें से कई को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। और इसने पूरे लैटिन अमेरिका में प्राकृतिक और सामाजिक स्थिरता दोनों को बढ़ावा देने में मदद की है।

जातिवाद की समाप्ति

शांति अध्येताओं जेफ्री डीजल और कैथी डोहर्टी ने उत्तरी अमेरिका में रोटरी पॉजिटिव पीस एक्टिवेटर्स की एक उपसमिति, रेशियल इक्विटी प्रोजेक्ट जो नस्लवाद विरोधी प्रयासों के माध्यम से एक अधिक शांतिपूर्ण समाज का निर्माण करने के तरीकों का अध्ययन करने के लिए प्रतिबद्ध है, के सह-संस्थापन की दिशा में शांति और विकास अध्ययन में अपनी फैलोशिप के लिए आवेदन दिया है।

रेशियल इक्विटी प्रोजेक्ट इस बात पर गहराई से विचार करती है कि कैसे सकारात्मक शांति के आठ स्तंभ नस्लवाद को संबोधित करने के प्रयासों का समर्थन कर सकते हैं और यह इस संदेश को उत्तरी अमेरिका के समुदायों तक प्रसारित करने के लिए काम करता है। यह संगठन शुरू में सकारात्मक शांति को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक वैश्विक विचार मंच, इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस के साथ रोटरी की रणनीतिक साझेदारी से विकसित हुआ।

डेटा के उपयोग से आपदा प्रबंधन

रोटरी पीस फैलोशिप के माध्यम से, जेमी लेसुर ने शांति और संघर्ष अनुसंधान के भीतर सामाजिक विज्ञान में मास्टर डिग्री अर्जित की। अब वह इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के लिए आपातकालीन संचालन का नेतृत्व करते है जिससे आपातकालीन प्रतिक्रिया स्थितियों में एजेंसी सहयोग के लिए एक प्रबंधन और परिचालन ढांचा तैयार होता है।

जेमी ने पाया कि आपदा प्रतिक्रिया की जटिलता को सरल बनाने के लिए अनुसंधान डेटा एक शक्तिशाली उपकरण है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी संगठन के प्रोटोकॉल में क्या शामिल है, अनुसंधान को निर्णय लेने की नींव बनाने से सबसे जटिल आपात स्थितियों को भी स्पष्ट करने में मदद मिलती है।

ये कहानियां - और इनके जैसी सैकड़ों कहानियाँ यह दिखाती हैं कि कैसे रोटरी दुनिया भर में शांति लाने के लिए सक्रिय और सक्षम नेताओं की एक पीढ़ी तैयार कर रही है। लगभग 1,800 शांति अध्येताओं ने रोटरी शांति केंद्रों से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और वे 140 से अधिक देशों में अपना कौशल दिखा रहे हैं।

शांति अध्येताओं और उनका समर्थन करने वाले रोटरी सदस्यों का निरंतर कार्य आपको सेवा, धन संचयन और रचनात्मक सोच के माध्यम से *विश्व में उम्मीद जगाने के* लिए प्रेरित करता रहें।

गॉर्डन मेकिनली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

भारत के दो सौम्य दिग्गजों की मृत्यु पर शोक...

फरवरी 20/21 भारत के लिए दुखद दिन थे क्योंकि हमने अपने दो प्रतिष्ठित नागरिकों को खो दिया, जिनकी हम नायकों के रूप में पूजा करते हुए बड़े हुए थे। दोनों ही कद्दावर शख्सियत थे, एक थे शानदार कानूनविद् फाली नरीमन, जो सच बोलने से कभी नहीं हिचकिचाए और निडर थे। जैसा कि वरिष्ठ वकील श्रीराम पंचू द्वारा लिखी गई श्रद्धांजलि में उल्लेख किया गया है, ''वह सर्वोत्कृष्ट बुद्धिजीवी थे, जिन्होंने ईमानदारी के मानकों को सबसे ऊपर रखा। सत्ता के प्रति उनका दृष्टिकोण सर्वोपरि था। उन्होंने सत्ता की ताकत और इसे गलत तरीके से इस्तेमाल करने वालों की कोई परवाह नहीं की।'' आपातकाल की घोषणा के तुरंत बाद, उन्होंने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के पद से इस्तीफा दे दिया, और ईसाइयों पर हमले के बाद गुजरात सरकार का विवरण वापस कर दिया। ''वह देश के सबसे बड़े वकील थे, लेकिन कभी अटॉर्नी जनरल नहीं बने, इसकी वजह जानने के लिए कोई पुरस्कार नहीं है।''

जो दूसरा शख्स हमने खो दिया, वह थे बहुचर्चित अमीन सयानी, जिन्होंने रेडियो सीलोन पर अपने रिकॉर्ड रेडियो शो *बिनाका गीतमाला* के माध्यम से मधुर उच्चारण और अपनी मखमली आवाज के ज़रिये हमें मंत्रमुग्ध किया और सरल हिंदुस्तानी भाषा में मनोरंजन किया जिसे सम्पूर्ण भारत के लोग आसानी से समझ सकते थे। हर बुधवार की शाम, सप्ताह के सर्वश्रेष्ठ और सबसे लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गीतों के बारे में उनकी आनंददायक टिप्पणी सुनने के लिए लाखों भारतीय उनके रेडियो को घेर कर बैठ जाते थे। बस गीत के बारे में उनकी संक्षिप्त टिप्पणियाँ सुनीं और हम एक दूसरी दुनिया में पहुंच गए, जहां हमारे सबसे अच्छे संगीतकारों द्वारा बनाया गया और लता, रफी, मुकेश, किशोर, आशा, मन्ना डे, हेमंत और अन्य लोगों द्वारा गाया गया सबसे मधुर संगीत हमारे दिलों और घरों में गूँज गया। आज की पीढ़ी जो अपने मोबाइल फोन के एक स्पर्श मात्र से लाखों धुनों के साथ बड़ी हुई है, वह कभी कल्पना भी नहीं कर सकती कि टेलीविजन, मोबाइल और अन्य संगीत प्रणालियों की अनुपस्थिति के युग में हम बुधवार का इंतजार कितनी बेताबी से किया करते थे। 1950 के दशक की शुरुआत में जब शो शुरू हुआ था तो केवल अमीर लोग ही ग्रामोफोन खरीद सकते थे।

यह विचारणीय है कि इन दोनों सज्जनों ने हममें से उन लोगों पर इतनी अमिट छाप क्यों छोड़ी है जिन्हें उनके काम और सार्वजनिक क्षेत्र में उनकी मौजूदगी के ज़रिये उन्हें जानने का सौभाग्य मिला है। दोनों न केवल दूसरों के साथ व्यवहार में पूर्ण सज्जन व्यक्ति थे, बल्कि उनके व्यवहार और वाणी में सौम्यता और सरलता थी, साथ ही उनके व्यक्तित्व में पुरानी दुनिया का आकर्षण भी था। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में भारतीयों पर अपनी प्रसिद्धि और प्रभाव को अपने व्यक्तित्व में कभी झलकने नहीं दिया बहुत सहजता से लिया। ये वास्तव में आज दुर्लभ गुण हैं, जब हम अपने चारों ओर इतनी अधिक अशिष्टता और शक्ति का दिखावा, बड़बोलापन और अहंकार देखते हैं और उसके लिए खड़े होने और बोलने के साहस का लगभग पूर्ण अभाव है, जो सही है...बोलने के लिए दलितों के लिए बोलें, भेदभाव के खिलाफ लड़ें, और सत्ता में बैठे लोगों के स्तुति गान से बचें ... चाहे वह राजनीति, व्यापार और उद्योग या विभिन्न व्यवसायों कोई भी हों।

बस एक ही उदाहरण काफी है; इन दिनों हमारे मुख्यधारा के राजनेताओं में से एक द्वारा एक प्रमुख बॉलीवुड अभिनेत्री पर अपर्याप्त, अनुचित, अप्रासंगिक और संदर्भ टिप्पणी की जा रही हैं जिनसे हमें बेहतर की उम्मीद थी। इसकी तुलना अमीन सयानी से करें जिन्होंने हमेशा अपने *गीतमाला* शो की शुरुआत 'बहनों और भाईयों' से की थी। पहले हमेशा महिला हुआ करती थी; हमारे कितने राजनेता अपने भाषणों में ऐसा करते हैं? और ध्यान रखें, उन दिनों लैंगिक समानता पर चर्चा भी नहीं हुआ करती थी, DEI मंत्र तो दूर की बात है!

Rashida Bhagat

रशीदा भगत

अपने सम्मेलन को अनुकूलित करें

सिंगापुर में रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन इतने सारे विशेष कार्यक्रम और विशिष्ट अनुभव प्रदान करेगा कि आप अपने समय का अधिकतम लाभ उठाने के लिए एक योजना बनाना चाहेंगे।

जल्दी आएं या 25-29 मई के सम्मेलन के बाद रोटरी सदस्यों के लिए आयोजित दौरे पर रुकें या इतने सारे बड़े निगमों वाले इस आर्थिक महाशक्ति घर में संभावित व्यावसायिक भागीदारों से मिलें। और साथी सदस्यों के साथ घुलने-मिलने के लिए एक अतिरिक्त कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।

मेज़बान संगठन समिति आपके लिए सिंगापुर और क्षेत्र में दौरे की व्यवस्था करती है। *rotarysingapore2024.org* पर बुक करें। पड़ोसी मलेशिया में एक सुविधाजनक तीन दिवसीय दौरे में कुआलालंपुर हेरिटेज वॉक और एक बाटिक फैब्रिक डाइंग वर्कशॉप शामिल है।

शहर के अप्रवासियों और फेरीवाला केंद्र संस्कृति के बारे में जानने के लिए एक निजी दौरे में चीनी, भारतीय और मलय पड़ोस के खाद्य बाजारों का स्वाद लेना शामिल है।

क्षेत्र के रोटेरियन आपको शहर के मध्य में उत्कृष्ट स्थानों पर सांस्कृतिक और भोजन कार्यक्रमों के साथ हॉस्पिटैलिटी नाइट की मेजबानी के लिए आमंत्रित करते हैं। रोटरी फाउंडेशन डोनर समिट में, एक सामान्य सत्र-शैली का कार्यक्रम, सदस्य अपने समर्थन के प्रभाव के बारे में कहानियाँ सुनेंगे। प्रमुख दानदाता और आर्क क्लम्फ़, लिगेसी, पॉल हैरिस और बेक्वेस्ट सोसायटी के सदस्य सम्मेलन स्थल पर पंजीकरण करा सकते हैं।

रोटरी यूथ एक्सचेंज के पूर्व छात्र 24-25 मई को यूथ एक्सचेंज ऑफिसर्स प्रीकन्वेंशन में जुड़ सकते हैं और विचार साझा कर सकते हैं।

और सम्मेलन के बाद 1-4 जून को एशिया प्रशांत क्षेत्रीय रोटारैक्ट सम्मेलन के लिए रुकें। आप अपनी यात्रा के लिए जो भी रोटरी-केवल अनुभव चुनते हैं, आप *विश्व के साथ आशा साझा* करेंगे।

अधिक जानें और
convention.rotary.org
पर रजिस्टर करें।

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981 सेनगुट्टुवन जी
RID 2982 राघवन एस
RID 3000 आनंदता जोती आर
RID 3011 जीतेन्द्र गुप्ता
RID 3012 प्रियतोष गुप्ता
RID 3020 सुब्बाराव रावुरी
RID 3030 आशा वेणुगोपाल
RID 3040 रितु ग्रोवर
RID 3053 पवन खंडेलवाल
RID 3055 मेहुल राठौड़
RID 3056 निर्मल जैन कुणावत
RID 3060 निहिर दवे
RID 3070 विपन भसीन
RID 3080 अरुण कुमार मोंगिया
RID 3090 घनश्याम कंसल
RID 3100 अशोक कुमार गुप्ता
RID 3110 विवेक गर्ग
RID 3120 सुनील बंसल
RID 3131 मंजू फड़के
RID 3132 स्वाति हर्कल
RID 3141 अरुण भार्गवा
RID 3142 मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी
RID 3150 शंकर रेड्डी बुसिरेड्डी
RID 3160 माणिक एस पवार
RID 3170 नासिर एच बोरसाडवाला
RID 3181 केशव एच आर
RID 3182 गीता बी सी
RID 3191 उदयकुमार के भास्करा
RID 3192 श्रीनिवास मूर्ति वी
RID 3201 विजयकुमार टी आर
RID 3203 डॉ सुंदरराजन एस
RID 3204 डॉ सेतु शिव शंकर
RID 3211 डॉ सुमित्रन जी
RID 3212 मुत्तैय्या पिल्लई आर
RID 3231 भरणीधरन पी
RID 3232 रवि रामन
RID 3240 नीलेश कुमार अग्रवाल
RID 3250 बगारिया एस पी
RID 3261 मनजीत सिंह अरोड़ा
RID 3262 जयश्री मोहंती
RID 3291 हीरा लाल यादव

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित।
संपादक: **रशीदा भगत**

योगदान का स्वागत है लेकिन संपादित किया जाएगा। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

अनिरुध्धा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3291
राजु सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक**	RID 3141
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2023-24)

स्वाति हेर्कल **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3132
हीरा लाल यादव **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3291
मुत्तैय्या पिल्लई आर **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3212
मिलिंद कुलकर्णी **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3142

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

एक स्वस्थ दुनिया के लिए वैश्विक प्रयास

जैसे-जैसे मार्च करीब आ रहा है रोटरी पानी, स्वच्छता और सफाई (WASH) के महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता का जश्न मनाने सामने आ जाती है। दुनिया भर में रोटरी क्लब सक्रिय रूप से प्रभावशाली पहलों में लिप्त हैं और आवश्यक क्षेत्रों में काफी प्रगति कर रहे हैं।

वर्ल्ड विजन, यूनिसेफ, रेड क्रॉस और क्लीन वाटर टू स्कूल्स जैसे साझेदारों के साथ सहयोग करते हुए, रोटरी क्लब अपने समुदायों में WASH परियोजनाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लिंग-विशिष्ट शौचालयों के विकास से लेकर सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों की स्थापना और मासिक धर्म स्वच्छता पर प्रशिक्षण सत्रों तक ये स्थानीय प्रयास स्वच्छ वातावरण तैयार करने, स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और शिक्षा के लिए बाधाओं को दूर करने में योगदान देते हैं।

WASH इन स्कूल्स कार्यक्रम से परे रोटरी क्लब स्थानीय संगठनों के सहयोग से विविध परियोजनाएं शुरू करते हैं। वर्षा जल संचयन, नदी कायाकल्प और तालाब की खुदाई उन पहलों के उदाहरण हैं जो न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि सतत विकास को भी बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही गांवों में सफाई और स्वच्छता प्रशिक्षण यह सुनिश्चित करता है कि बेहतर थ-डक प्रथाओं का लाभ हर कोने तक पहुंचे जिससे स्थायी परिवर्तन आ सकें।

2013 के बाद से TRF के साथ साझेदारी में रोटरी क्लबों ने वैश्विक स्तर पर 2,000 से अधिक WASH परियोजनाओं में 130 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। यह सामूहिक प्रयास समुदायों, स्कूलों एवं स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में सुरक्षित एवं बुनियादी WASH सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने में स्वयंसेवकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने के साथ ही भावी पीढ़ियों के लिये जल संसाधनों का संरक्षण भी करता है।

यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के सहयोग से रोटरी सक्रिय रूप से समुदायों और सरकारों को योजना, वित्तपोषण और सुरक्षित जल, सफाई और स्वच्छता सेवाएं प्रदान करने में सहायता करता है। यह समग्र दृष्टिकोण जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के साथ ही समुदायों में लचीलेपन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है।

चूंकि हम वैश्विक स्तर पर रोटरी क्लबों द्वारा किए गए प्रभावशाली कार्यों को प्रतिबिंबित करते हैं तो मार्च को एक ऐसी दुनिया बनाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता के लिए मान्यता और उत्सव का महीना होना चाहिए जहाँ पर हर किसी के पास स्वच्छ जल, सफाई और स्वच्छता तक पहुंच हो। प्रत्येक स्थानीय पहल वैश्विक स्तर पर रोटरी की वृहद सेवा यात्रा और परिवर्तनकारी बदलाव लाने में योगदान देती है जो एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ दुनिया की हमारी सामूहिक खोज में एक और मील का पत्थर है।

अनिरुद्धा रॉयचौधरी
रो ई निदेशक, 2023-25

एक बुनियादी आवश्यकता से अधिक

इस माह रोटरी का ध्यान दो विषयों पर। मार्च जल, स्वच्छता और सफाई (WASH) का महीना है और हम 11-17 मार्च को विश्व रोटरेक्ट सप्ताह मनाते हैं।

स्वच्छ जल, बुनियादी स्वच्छता और उचित सफाई मौलिक मानवाधिकार हैं फिर भी 2.2 बिलियन लोगों के पास अभी भी सुरक्षित पेयजल तक पहुंच नहीं है।

हम कार्यवाही कर रहे हैं। पिछले एक दशक में आपके रोटरी फाउंडेशन ने दुनिया भर में 2,500 से अधिक जल और स्वच्छता परियोजनाओं पर 180 मिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। फाउंडेशन में आपके योगदान द्वारा वित्त पोषित वैश्विक अनुदान-समर्थित परियोजनाओं के माध्यम से रोटरी वास्तव में परिवर्तन ला रही है।

हमने बड़े पैमाने पर समाधान प्रदान करने के लिए USAID जैसे संगठनों के साथ साझेदारी की है। रोटरी-USAID की साझेदारी ने डोमिनिकन गणराज्य, घाना, फिलीपींस और युगांडा में हजारों लोगों को पानी और स्वच्छता सेवाओं तक पहुंचने में मदद की है।

हमारा फाउंडेशन अन्य जल साझेदारी के लिए भी कनेक्टर है। यह बात तब की है जब मैंने हैती राष्ट्रीय जल, स्वच्छता और सफाई पहल, जिसे HANWASH के नाम से जाना जाता है, की स्थापना के लिए रोटरी मंडल 7020 के नेताओं के साथ काम किया।

जब हम साझेदारी की बात करते हैं, तो हम अपने रोटरी परिवार में मौजूद अपने निकटतम सहयोगी को नहीं भूल सकते: रोटरेक्ट। रोटरेक्ट की सक्रियता, ऊर्जा और विचार रोटरी क्लबों के अनुभव के पूरक हैं और हमारे सामूहिक प्रभाव को बढ़ाते हैं।

फिर भी कई रोटरी सदस्य अभी भी नहीं जानते कि 2022 से रोटरेक्ट क्लब की गतिविधियों को मंडल अनुदान में शामिल किया जा सकता है और वे वैश्विक अनुदान के लिए पात्र हैं इससे सहयोग के अवसरों का विस्तार हुआ हैं। मैं सभी रोटरी और रोटरेक्ट क्लबों को हमारे फाउंडेशन में घनिष्ठ सहयोग और जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ फिर चाहे वह किसी परियोजना को शुरू करने के बारे में हो या योगदान करने के बारे में हो। हम सभी जानते हैं कि रोटरी में महान अवसर हमेशा मौजूद होते हैं। जब आप जल और स्वच्छता परियोजनाओं को जोड़ते है तो रोटरेक्ट और फाउंडेशन सभी आपके जीवन का एक बड़ा हिस्सा बन जाते है, जैसा कि ये मेरे लिए है - और न केवल इस महीने के लिए बल्कि हमेशा के लिए।

बेरी रेसिन

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

भविष्य के लिए निवेश

फिलीपींस के मनीला में डी लॉस सैंटोस मेडिकल सेंटर की हाल ही की यात्रा के दौरान मैंने एक जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा देखी, जो रोटरी क्लब मकाती वेस्ट द्वारा शुरू की गई एक परियोजना थी। पिछले 19 वर्षों से यह क्लब टीआरएफ अनुदान के समर्थन से बाल हृदय चिकित्सा सर्जरी कर रहा है। प्री-ऑपरेटिव वार्ड में मैंने 10 बच्चों को अपनी माताओं के साथ अपनी सर्जरी का इंतजार करते देखा। माताओं की आंखों में चिंता और आशा दोनों दिखाई दे रही थी - सर्जरी के परिणाम और उनके बच्चों की भलाई को लेकर चिंता और रोटरी के प्रयासों के माध्यम से उनके बच्चों को सामान्य जीवन जीने का मौका मिलने की उम्मीद। दरअसल टीआरएफ आशा का प्रतीक है - बीमार, जरूरतमंद, अशिक्षित और बेघर लोगों के लिए आशा; एक बेहतर दुनिया की उम्मीद है।

एक बात निश्चित है कि फाउंडेशन के कार्यक्रम तभी होते हैं जब हम टीआरएफ का समर्थन करते हैं। रोटरी फाउंडेशन उस मुस्कान, अपनेपन के स्पर्श, मीठी वाणी से परे है। वैश्विक अनुदान और अन्य प्रभावशाली टीआरएफ कार्यक्रमों के माध्यम से हम जीवन को छूते हैं और समुदायों को परिवर्तित करते हैं।

टीआरएफ अनुदान रोटरी को एक महत्वपूर्ण तरीके से नया आकार दे रहे हैं। उनका प्रभाव केवल लाभार्थियों की सहायता करने से परे है। वे सदस्यों को भी शामिल करते हैं, रोटरी को जनता के लिए सकारात्मक रूप से चित्रित करते हैं और सदस्य अवरोधन के लिए एक मूल्यवान उपकरण के रूप में काम करते हैं।

चूंकि हम रोटरी की 119वीं वर्षगांठ मना रहे हैं तो यह हमारे अतीत के आधार पर भविष्य में कदम रखने का समय है। एक ऐसा भविष्य जहाँ रोटरी का सम्मान किया जाता हो और यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो। टीआरएफ को धन्यवाद।

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम हर साल जितना हो सकें उतना देकर टीआरएफ को मजबूत करें। याद रखें कि देने का आनंद पाने की खुशी से अधिक समय तक रहता है। अध्ययनों से पता चलता है कि जब प्रतिभागी दिल से निस्वार्थ भाव से देते है तो उनकी खुशी में कमी नहीं आती।

टीआरएफ भविष्य के लिए हमारा निवेश है- हमारे बच्चों और उनके बच्चों का भविष्य; हमारी दुनिया का भविष्य। टीआरएफ को देने का मार्ग प्रशस्त करें। रोटरी का आनंद लें।

भरत पांड्या

टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	36,851
रोटरेक्ट क्लब	:	10,732
इंटरेक्ट क्लब	:	15,291
आरसीसी	:	13,319
रोटरी सदस्य	:	1,172,671
रोटरेक्ट सदस्य	:	161,606
इंटरेक्ट सदस्य	:	351,785

20 फ़रवरी, 2024 तक

सदस्यता सारांश

1 फ़रवरी 2024 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	140	6,011	6.08	73	503	34	254
2982	84	3,777	6.15	42	885	95	181
3000	140	5,970	11.92	120	1,782	250	216
3011	135	5,066	29.50	88	2,387	153	37
3012	167	4,168	24.52	77	1,147	100	61
3020	80	4,705	7.53	46	845	121	351
3030	100	5,699	16.58	50	814	521	384
3040	111	2,405	14.28	41	800	79	213
3053	72	2,893	16.60	27	408	42	131
3055	76	3,013	12.39	69	1,076	74	377
3056	87	3,751	24.37	34	461	105	201
3060	103	5,149	15.86	68	2,241	63	144
3070	119	3,260	15.86	49	594	52	63
3080	108	4,266	12.58	63	1,854	172	124
3090	125	2,675	6.13	20	367	194	166
3100	110	2,206	10.83	13	58	36	151
3110	138	3,782	11.30	18	127	48	108
3120	89	3,645	15.64	45	573	28	55
3131	141	5,650	30.94	122	2,886	264	149
3132	91	3,687	13.77	44	638	125	207
3141	115	6,299	27.58	140	5,865	172	226
3142	105	3,792	21.44	64	2,283	116	96
3150	109	4,312	13.49	156	2,018	113	130
3160	79	2,583	8.79	32	257	95	82
3170	151	6,662	15.16	123	1,914	199	180
3181	87	3,660	10.57	44	479	94	121
3182	86	3,687	10.45	47	235	106	103
3191	93	3,500	18.22	90	3,113	148	35
3192	83	3,442	21.38	85	2,376	136	40
3201	175	6,770	9.93	139	2,612	102	93
3203	95	4,866	7.22	83	1,191	189	39
3204	76	2,452	6.97	24	237	17	13
3211	160	5,122	8.42	9	97	20	135
3212	124	4,642	11.36	96	3,715	167	153
3231	95	3,394	6.95	39	515	46	417
3232	188	6,215	19.89	130	5,134	158	100
3240	103	3,524	16.84	47	785	69	230
3250	106	4,076	22.20	71	983	65	191
3261	98	3,313	22.09	25	252	32	45
3262	115	3,773	15.62	78	759	645	286
3291	144	3,817	25.89			73	742
India Total	**4,603**	**171,679**		**2,631**	**55,266**	**5,318**	**7,030**
3220	69	1,961	16.52	97	4,093	80	77
3271	108	1,512	21.05	194	2,075	333	28
0063 (3272)	126	1,300	18.57	97	1,281	26	47
0064 (3281)	332	7,437	17.54	249	1,764	143	213
0065 (3282)	179	3,530	9.58	179	1,352	27	45
3292	154	5,450	18.67	185	5,373	124	135
S Asia Total	**5,571**	**192,869**	**15.69**	**3,632**	**71,204**	**6,051**	**7,575**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

श्रीलंकाई रोटेरियन ने कैंसर का सामना किया

रशीदा भगत

कल्पना करें एक ऐसी दुनिया की जहां फुसफुसाहट अब चीख और क्रंदन में नहीं बदलती, जहां छोटी-छोटी खामियों को राक्षस सा विकराल रूप धरने से पहले ही पकड़ लिया जाता है। यह है विशेषकर स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का शीघ्र पता लगाने की परिवर्तनकारी शक्ति। सिर्फ एक मैमोग्राम आपकी किस्मत फिर से लिखने की ताक़त रखता है। एक परीक्षण किट सर्वाइकल कैंसर के शुरुआती चरण का पता लगा सकती है और एक स्वस्थ भविष्य की कुंजी है,'' पीआरआईपी रवींद्रन कहते हैं।

कैंसर बहुत सी माँओं, बेटियों और दोस्तों को काल के गर्त में भेज चुका था। इस भयावह सच्चाई का सामना हर साल लाखों लोग करते हैं, खासकर जब वे स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से लड़ रही थीं।

रोटरी क्लब रो ई कोलंबो, श्रीलंका, रो ई मंडल 3220 और रोटरी क्लब ऑफ बर्मिंघम, अलबामा ने रोटरी फाउंडेशन के साथ मिलकर इस स्थिति को नियति मानने से इनकार कर दिया। परियोजना के प्रमुख प्रवर्तकों में से एक, रोटरी क्लब कोलंबो के निर्मली समरतुंगा कहते हैं, ''हमारे रोटेरियनों ने निश्चित किया कि अब डर की वजह से किसी की जान नहीं जायेगी। और इसलिए हम चल पड़े मिशन पर, कैंसर का प्रारम्भिक स्थिति में शीघ्र पता लग सके और आशा का संचार होता है।''

क्लब के पूर्व अध्यक्ष रह चुके डेरेक विजेयारत्ने कहते हैं: ''हम न केवल एक प्रारंभिक जांच केंद्र का निर्माण करने निकले हैं, बल्कि भविष्य के लिए एक पुल का निर्माण करने जा रहे हैं, जहां प्रारम्भिक हस्तक्षेप जीवन बचाता है, भय की अपेक्षा सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करता है, और उम्मीद मार्गदर्शक सितारा बन जाती है।''

रोटरी, सरकार, टीआरएफ की सहभागिता

उन्होंने कैंसर की शीघ्र पहचान और रोकथाम की स्क्रीनिंग के लिए उपकरणों से सुसज्जित एक पूर्ण समर्पित भवन में इसकी स्थापना की है और ये सेवाएं बिना किसी लागत के मुफ्त प्रदान की जाती हैं। ये केंद्र, स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मौखिक कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए स्क्रीनिंग सुविधा प्रदान करता है।

श्रीलंका में सभी प्रकार के कैंसरों में स्तन कैंसर का अनुपात सबसे अधिक पाया गया; इस रोटरी सेंटर ने पहले एक आधुनिक डिजिटल मैमोग्राफी मशीन और बाद में एक अल्ट्रासाउंड मशीन के साथ एक स्तन कैंसर की पूर्ण स्क्रीनिंग सेवाकी उपलब्ध करवाई, जो निदान का पता लगाने और उसकी पुष्टि के लिए महत्वपूर्ण हो गई। अब तक इस केंद्र से 95,000 से अधिक महिलाएं जांच करवा चुकी हैं, जिनमें से 25,000 से अधिक में असामान्यताओं का पता चलने पर आगे की जांच की आवश्यकता हुई। और ये सब निःशुल्क है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर: (बाएं से बैठे हुए) दिलमाह के अध्यक्ष दिलहान फर्नांडो, श्रीलंका के स्वास्थ्य सचिव डॉ पीबी महिपाला, रोटरी क्लब कोलंबो के अध्यक्ष मिगारा अलविस, और रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली। (बाएं से खड़े) पीडीजी पुबुडु डी ज़ोयसा, डीजीएन कुमार सुंदरराज, पीआरआईपी के आर रवींद्रन, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और रो ई मंडल 3220 के डीजी जेरोम राजेंद्रम।

यह केंद्र इतना बढ़िया काम कर रहा था कि इसे देश के राष्ट्रीय स्तन कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम के साथ एकीकृत कर दिया गया - और सरकार द्वारा दी गई यह मान्यता रोटरी के प्रयासों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

समरतुंगा ने बताया, ''हमने रोटरी कोलंबो परियोजना के बारे में जब भी बात की, तो सिर्फ आंकड़ों के केवल दो सेटों का उपयोग किया; कितनी महिलाओं की जांच की गई थी और कितनी में असामान्यताएं नज़र आई थीं जिन्हें आगे की जांच की आवश्यकता थी। वे संख्याएँ हमारे क्लबों की सफलता का पैमाना थीं। सकारात्मक स्क्रीन वाली महिलाओं की संख्या, उन महिलाओं की संख्या थी जिन्हें हमने कम से कम बेहतर इलाज का मौका दिया था। लेकिन हमें जल्द ही एहसास हुआ कि हमें अपने मूल्यांकन में और अधिक जानकारी की आवश्यकता है।''

पूर्व अध्यक्ष टोनी एलेस ने कहा, ''कैंसर की यात्रा में स्क्रीनिंग प्रक्रिया केवल पहला कदम है। आखिरकार, प्रत्येक सकारात्मक स्क्रीन वास्तव में सफल नहीं हुई थी, बल्कि उस रास्ते पर केवल पहला कदम था, वास्तव में जिस पर कोई भी नहीं चलता है।''

सर्वाइकल कैंसर को पूर्णतः खत्म किया जा सकता है

स्तन कैंसर के अलावा, श्रीलंका में हर साल लगभग 1500 महिलाएं सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित पाई गईं; जबकि सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या हर साल 700 से ज़्यादा है।

बर्मिंघम क्लब के एक कैंसर विशेषज्ञ डॉ एडवर्ड पार्ट्रिज ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर से होने वाले लगभग हर तरह के दर्द से बचा जा सकता था, क्योंकि सर्वाइकल कैंसर हमेशा ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की वजह से होता है जिसे एचपीवी के रूप में जाना जाता है और इससे भी अधिक यह एकमात्र ऐसा कैंसर है जिसका टीका उपलब्ध है। इसलिए यही एकमात्र कैंसर है जिसे पूरी तरह से रोका जा सकता है, जिससे पूर्ण उन्मूलन की संभावना खुल जाती है।

उन्होंने बताया कि युवा लड़कियों को एचपीवी टीकाकरण उन्हें इस बीमारी से बचाएगा और स्क्रीनिंग में एचपीवी का पता चलने से उन महिलाओं की पहचान होती है जिनमें पूर्व-कैंसर के लक्षण हो सकते हैं, ताकि समय रहते इलाज किया जा सकता है और इसे पूर्ण कैंसर में विकसित होने से रोका जा सकता है।

और जैसे ही कोलंबो रोटरी के सदस्यों को यह मालूम चला तो उनमें उत्साह का संचार होना स्वाभाविक था। हमें एहसास हुआ कि हम अपने देश से सर्वाइकल कैंसर का वास्तव में सफाया कर सकते हैं, एलेस ने कहा।

इसलिए सैद्धांतिक रूप से ज़रूरत थी वह 10-14 आयु वर्ग की सभी लड़कियों का टीकाकरण करने की और 35 से 45 वर्ष की महिलाओं की एचपीवी वायरस स्क्रीनिंग की। टीका जीवन पर्यन्त प्रतिरक्षा प्रदान करता है और साथ-साथ महत्वपूर्ण परीक्षण किसी अन्य वायरस का पता लगाने में भी सहायक होता जो संभवतः पहले से ही महिलाओं को संक्रमित कर चुका हो। परीक्षण की गई लगभग 7 प्रतिशत महिलाओं में वायरस मिला।

टीकों की पूरी लागत वित्त पोषित

सरकार ने टीकों की पूरी लागत के लिए धन की व्यवस्था, वित्त पोषण के रोटरी के अनुरोध को अपनी सहमति दे करके अपनी प्रतिबद्धता दिखाई; रोटरी के लिए एक और बड़ी जीत! और इस वजह से आज देश ने टीकाकरण का स्तर 90 प्रतिशत से अधिक

मैमोग्राफी उपकरण सौंपने के समय: पीआरआईपी के आर रवींद्रन, पीडीजी पुबुडु डी ज़ोयसा और कैंसर मुकाबला परियोजना के अन्य प्रमुख सदस्य।

हासिल कर लिया। एड पार्ट्रिज ने पुष्टि की कि इस तरह की संख्याएँ दुनिया में आपने शायद कहीं भी नहीं सुनी होंगी।

रोटरी ने एक आधुनिक व उन्नत तकनीक वाली कोबास 4800 एचपीवी डीएनए मशीन उपहार में दी है जो बड़ी संख्या में परीक्षण कर सकती है और साथ ही सर्वाइकल कैंसर का कारण बनने वाले उच्च जोखिम वाले वायरस स्ट्रेन की पहचान भी करती है। सर्वाइकल कैंसर पैदा करने वाले वायरस की पहचान करने वाला यह परीक्षण पैप स्मीयर परिक्षण में होने वाली जटिलता की तुलना में बहुत सरल और व्यवहार्य था। पैप स्मीयर कार्यक्रमों को अक्सर प्रतिरोध का सामना करना पड़ता था और टेस्ट का परिणाम प्राप्त करने में काफी लंबा समय लगता था।

क्लब ने स्क्रीनिंग की आवश्यकता और सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र पता लगाने की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करने और व्यापक जन जागरूकता पैदा करने के लिए राष्ट्रव्यापी व्यापक प्रचार कार्यक्रम भी चलाया है ।

रोटरी क्लब बर्मिंघम ने अलबामा विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध ओफ्नील कैंसर केंद्र से अपने विशेषज्ञों को सार्वजनिक स्वास्थ्य कर्मियों के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने में सहायता करने के लिए बुलाया था, विशेषकर (मिडवाइफ) दाइयों के लिए। श्रीलंका में दाई प्रणाली बहुत प्रभावी है। दाइयाँ उस लक्ष्य समूह की प्रमुख संचारक थीं जिन्हें स्क्रीनिंग की आवश्यकता थी।

इस बीच, सरकार ने टीके उपलब्ध करवा कर अपना दायित्व भी निभाया।

कॉर्पोरेट भागीदारी

हालाँकि, आर्थिक आपदा सामने आई, सरकार के पतन के रूप में और रोटरी द्वारा उपलब्ध कराया गया स्टॉक ख़त्म होने के बाद प्रतिज्ञा के अनुसार परीक्षण किटों की आपूर्ति करने के लिए उसके पास संसाधन नहीं थे।

जैसा कि समरतुंगा बताते हैं, ''टीकाकरण ही अपने आप में काफी नहीं है। महत्वपूर्ण और गंभीर असर डालने के लिए इसे स्क्रीनिंग और परीक्षण प्रक्रिया के समानांतर चलते रहना चाहिए।''

यह बड़ा और गंभीर झटका था, लेकिन कोलंबो के रोटेरियन निराश नहीं हुए। उन्होंने सरकार द्वारा रिक्त हुए स्थान को भरने के लिए एक कॉर्पोरेट दानदाता को खोज निकाला और उसे प्रोत्साहित किया। दिलमाह चैरिटेबल फाउंडेशन आगे आया। रोटरी और सरकार के साथ मिलकर वे 2030 तक श्रीलंका को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाने के साझा

दिल्माह को बोर्ड पर कैसे लाया गया?

अपने पारिवारिक फाउंडेशन द्वारा श्रीलंका से सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए पहले वर्ष के लिए 75 मिलियन एसएलआर की इतनी भारी प्रतिबद्धता पर *रोटरी न्यूज़* से बात करते हुए, शांत और मिलनसार डिल्मा टी के अध्यक्ष और सीईओ, दिलहान फर्नांडो ने कहा: ''मेरे दिवंगत पिता का व्यापार दर्शन था कि हमारे कर-पूर्व लाभ का कम से कम 15 प्रतिशत परोपकारी कार्यों में में व्यय होना चाहिए।''

हाल ही में जब वह पीआरआईपी के आर रवींद्रन के साथ घूम रहे थे, ''तो उन्होंने मुझे इस परियोजना के बारे में बताया और यह कैसे श्रीलंका में रोकथाम योग्य और इलाज योग्य गर्भाशय ग्रीवा कैंसर को व्यापक रूप से संबोधित करता है। उन्होंने मुझे बताया कि हालांकि सरकार ने इस उत्कृष्ट परियोजना को बहुत सहयोग दिया है, लेकिन देश में कठिन आर्थिक स्थिति और प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं के लिए अन्य स्रोतों से मदद की आवश्यकता है। जब रवि ने मुझसे यह बात कही तो मुझे लगा कि इसे ठीक करना होगा और मैं बहुत खुश हूं कि आज हम सरकार और रोटरी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर रहे हैं।''

हालांकि इस साल उनके फाउंडेशन ने इस प्रोजेक्ट के लिए 75 मिलियन एसएलआर देने का वादा किया है। ''हर साल किए गए काम का हम मूल्यांकन करेंगे... ठीक वैसे ही जैसे हम अपने किसी भी व्यवसाय में करते हैं, और उस मूल्यांकन के बाद, अगले कुछ वर्षों में हम तदनुसार सहायता करेंगे।''

उन्होंने कहा कि दिलमाह चैरिटेबल फाउंडेशन अपनी धर्मार्थ परियोजनाओं को सीधे क्रियान्वित करता है; उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, हम बच्चों, महिलाओं, आवास, पोषण आदि के लिए 150 परियोजनाएं करते हैं। इन परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए हमारे पास इस क्षेत्र में लगभग 300 लोग कार्य करते हैं।''

तो क्या वह रोटेरियन है? दिलहान मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''मैं एक रोटेरियन था और रोटरी क्लब कोलंबो मेट्रोपॉलिटन का सदस्य था, लेकिन मैं बहुत यात्रा करता हूं और इसलिए उपस्थिति की कमी के कारण मुझे बाहर निकाल दिया गया! लेकिन अब उन्होंने फोन किया है कि उपस्थिति की अब कोई बाध्यता नहीं है, इसलिए मैंने फिर से शामिल होने की योजना बनाई है।''

हालांकि कॉर्पोरेट, सरकार और रोटेरियन इस परियोजना की स्थिरता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे 2030 तक श्रीलंका में सर्वाइकल कैंसर खत्म होने की उम्मीद है, दिलमाह के संस्थापक दिवंगत मेरिल जे फर्नांडो के करीबी दोस्त रवींद्रन कहते हैं, ''मेरिल का दर्शन था, 'व्यवसाय मानव सेवा का विषय है!' उनके फाउंडेशन के ट्रस्टी के रूप में, मैं आपको प्रत्यक्ष रूप से बता सकता हूं कि वे हर साल अपने परोपकारी प्रयासों में प्रति वर्ष 3 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च करते हैं। उन्हें धन्यवाद है, रोटरी क्लब कोलंबो में हम खुश हैं कि 2030 तक सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने का हमारा लक्ष्य वापस पटरी पर आ गया है!''

बाएं से: रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, दिलमाह टी के अध्यक्ष दिलहान फर्नांडो और पीआरआईपी के आर रवींद्रन।

दृष्टिकोण के साथ स्क्रीनिंग, ऑपरेशन की वहनीयता और निरंतरता सुनिश्चित करेंगे।

एम ओ यू

इस साझेदारी को औपचारिक जामा पहनाने के लिए परियोजना के भागीदारों के बीच इस साल 23 जनवरी को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसमें एमजेएफ (दिलमाह) चैरिटेबल फाउंडेशन ने एसएलआर 75 मिलियन रुपये की प्रतिबद्धता जताई थी और सरकार ने अतिरिक्त एसएलआर 35 मिलियन देने का वादा किया था और इस साझेदारी को मजबूत करने के लिए रोटरी क्लब कोलंबो के सदस्यों ने 26 मिलियन एसएलआर का दान दिया। .

2030 तक सर्वाइकल कैंसर को नेस्तनाबूद करने का लक्ष्य वापस पटरी पर लौट आया!

समझौता ज्ञापन पर रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मैकेनली और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन की उपस्थिति में दिलमाह टी के अध्यक्ष दिलहान फर्नांडो, रोटरी क्लब कोलंबो के अध्यक्ष मिगारा अलविस और श्रीलंका के स्वास्थ्य सचिव डॉ पीजी महिपाला ने हस्ताक्षर किए।

रोटरी और उनके सहयोगी दिलमाह फाउंडेशन और श्रीलंका सरकार मिल कर स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के विरुद्ध लड़ाई में एक नया अध्याय लिख रहे थे। प्रत्येक मैमोग्राम, प्रत्येक बच्चे का टीकाकरण, प्रत्येक महिला का परीक्षण का मतलब संभवतः एक जीवन बचाया गया। यह सामूहिक कार्रवाई की शक्ति का सशक्त प्रमाण था जिसमें रोटरी मुख्य उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रही थी।

अंत में प्रोजेक्ट को सारांशित करते हुए, रवींद्रन बोले, ''रोटरी कोलंबो का कैंसर अर्ली डिटेक्शन सेंटर सिर्फ एक इमारत नहीं है; यह आशा का प्रतीक है, प्रगति का प्रतीक है और रोटेरियन क्या हासिल कर सकते हैं इसका एक स्पष्ट प्रमाण है। यह दर्शाता है कि एक क्लब द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है यदि इसमें केवल व्यक्तिगत सदस्यों का निरंतर समर्पण, रोटरी नेताओं की कल्पनाशील पहल, एक क्लब की ईमानदार प्रतिबद्धता और रोटरी बर्मिंघम जैसा उदार, जानकार और व्यावहारिक भागीदार हो। सोने पर सुहागा है दिलमाह का बोर्ड पर आना; यह कॉर्पोरेट नेतृत्व का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करता है।''

चित्र: रशीदा भगत

रोटरी क्लब बर्मिंघम की कार्यकारी निदेशक सुसान जैक्सन (ऊपर बाएं) अपने क्लब के अन्य सदस्यों के साथ।

वंचित महिलाओं के लिए विवाह सहायता

टीम रोटरी न्यूज़

विवाह समारोह में डीजी घनश्याम कंसल, क्लब अध्यक्ष विजय गर्ग, जोनल सचिव नारेण गर्ग, एजी विजेंद्र गर और डीआरआर विपुल मित्तल। चित्र में मुख्य अतिथि मोहन लाल सिंघल और उनकी पत्नी सुनीता भी मौजूद हैं।

अब 27 वर्षों से, रोटरी क्लब उकलानामंडी, रो ई मंडल 3090, मंडल में वंचित परिवारों की युवा महिलाओं की शादियों के लिए धन मुहैया करा रहा है। रोटेरियन नवविवाहितों को बर्तन, गद्दे, कपड़े, फर्नीचर और घर शुरू करने के लिए आवश्यक अन्य घरेलू सामान जैसे उपहार भी देते हैं। क्लब के सचिव सुगन चंद गोयल का कहना है कि यह शादी मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में हर साल 14 जनवरी को आयोजित की जाती है।

इस साल क्लब ने रोटरेक्ट क्लब उकलाना मंडी के साथ मिलकर पांच युवतियों की उनके परिवारों द्वारा तय किए गए दूल्हे के साथ शादियां संपन्न कराने में मदद की। क्लब के सदस्यों ने शादी के आयोजन के लिए ₹4.5 लाख खर्च किए और नवविवाहितों को घरेलू सामान भेंट किया। विवाह समारोह में डीजी घनश्याम कंसल, डीआरआर विपुल मित्तल, जिला सचिव नारायण गर्ग सहित रोटरी क्लब उकलाना मंडी के अध्यक्ष विजय गर्ग और रोटरेक्ट क्लब के अध्यक्ष रजत सोनी शामिल हुए।

क्लब के सदस्य बजरंग मोहन सोनी, नवीन बंसल और विजेंद्र गर्ग प्रोजेक्ट चेयरमैन थे। ''हमने अब तक लगभग 400 लड़कियों की शादियाँ संपन्न कराई हैं। हमारी पहल इस क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है,'' गोयल कहते हैं। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

सूरत में एक मेगा सीपीआर प्रशिक्षण अभियान

टीम रोटरी न्यूज़

प्रोजेक्ट चेयर डॉ प्रशांत कारिया (बाएं) गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी को सीपीआर तकनीक सिखाते हुए।

अचानक कार्डियक अरेस्ट से पीड़ित किसी व्यक्ति के लिए सबसे अच्छी मदद सीपीआर देना है। कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिल की धड़कन को वापस ला सकता है और बहुमूल्य जीवन बचाने में मदद कर सकता है। रोटरी क्लब सूरत रिवरसाइड, रो ई मंडल 3060 द्वारा संचालित एक सामूहिक सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रोजेक्ट संजीवनी का नेतृत्व करने वाले डॉ प्रशांत कारिया कहते हैं, प्रत्येक व्यक्ति के लिए सीपीआर में प्रशिक्षित होना महत्वपूर्ण है।

एससीए (अचानक कार्डियक अरेस्ट) किसी को भी हो सकता है। एक फिट दिखने वाला खिलाड़ी मैदान में मैच के बीच में ही गिर सकता है या एक नर्तकी का शानदार प्रदर्शन अचानक रुक सकता है क्योंकि उसे एससीए का सामना करना पड़ता है और वह फर्श पर गिर जाती है। वे कहते हैं, ''एससीए का अनुभव करने वाले 95 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हो जाती है क्योंकि उन्हें 'गोल्डन' 4 से 6 मिनट के भीतर जीवनरक्षक सहायता नहीं मिलती है।'' एससीए के कारण शरीर के विभिन्न अंगों में रक्त का संचार रुक जाता है। रक्त की आपूर्ति बंद होने से, और इसलिए मस्तिष्क को ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों की आपूर्ति बंद हो जाती है, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिक्रियाहीनता होती है।

अग्रिम सहायता उपलब्ध होने तक मस्तिष्क और हृदय में रक्त के प्रवाह को बनाए रखने के लिए सीपीआर एकमात्र जीवनरक्षक तकनीक है। जितनी जल्दी सीपीआर प्रदान किया जाए, जीवित रहने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। सीपीआर में हर मिनट की देरी से पीड़ित के बचने की संभावना 17 प्रतिशत कम हो जाएगी,फ़फ़ करिया ने चेतावनी दी।

फिज़ियोथेरेपिस्ट की एक कार्यशाला में डॉ करिया (बीच में) और उनकी टीम।

रोटरी क्लब सूरत रिवरसाइड ने लोगों को सीपीआर में प्रशिक्षित करने के लिए 2017 में *प्रोजेक्ट संजीवनी* शुरू की ताकि वे आपात स्थिति में जीवन रक्षक बन सकें। वे कहते हैं, ''पिछले छह वर्षों में हमने 500 सत्र किए हैं और छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों, पुलिस अधिकारियों, नर्सों और यहां तक कि अंधे और बहरे और मूक स्कूलों के छात्रों सहित लगभग दो लाख लोगों को प्रशिक्षित किया है।''

करिया और उनके 13 डॉक्टरों की टीम लोगों को एससीए स्थिति की पहचान करने, छाती को दबाने और महत्वपूर्ण अंगों में रक्त के प्रवाह को बनाए रखने के लिए मुंह से मुंह में पुनर्जीवन प्रदान करने के लिए सिखाने के लिए इन कार्यशालाओं का आयोजन करती है। प्रशिक्षण सत्रों में डिफाइब्रिलेटर के उपयोग में महारत हासिल करना और शॉक उपचार प्रदान करना भी शामिल है।■

रोटरी-रोटरेक्ट संबंध धीरे-धीरे विकसित हो रहे हैं: रो ई अध्यक्ष

रशीदा भगत

कोलंबो, रो ई मंडल 3220 में जोश से सराबोर रोटरेक्टर्स और इंटरएक्टर्स से खचाखच भरे हॉल में,रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने युवाओं के साथ चर्चा करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर दिए, उनकी शंकाओं का समाधान किया, उनके द्वारा की जाने वाली परियोजनाओं की प्रशंसा की उन्हें पहचाना और संगठन का विकास कर उसे आगे ले जाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

यह तो सर्वविदित है कि मैं 1984 में रोटरी क्लब साउथ क्वीन्सफेरी का सदस्य बना था, लेकिन मैं एक रोटरेक्टर भी था और मेरी व्यक्तिगत रोटरेक्ट यात्रा उससे तीन वर्ष पूर्व एक रोटरेक्ट क्लब में शुरू हुई थी और एक रोटरेक्टर होने के नाते मुझे रोटरी सदस्य बनने की अनुमति मिली थी। और आज मैं आपके सामने रो ई अध्यक्ष के रूप में खड़ा हूं। एक बार किसी ने मुझसे पूछा था कि जब मैं अपने क्लब में शामिल किया गया तो क्या आपके भीतर रो ई अध्यक्ष बनने की अभीप्सा थी? और सच तो ये है कि उस समय तक तो मैं ये भी नहीं जानता था कि कोई रो ई अध्यक्ष भी होता है!''

लेकिन, वो बोले, हो सकता है कि इसी कमरे में एक भावी रो ई अध्यक्ष बैठा हो और एक दिन आप में से ही कोई हमारे संगठन का नेता बनेगा। 200 से अधिक देशों में 1.4 मिलियन लोगों वाले इस अद्भुत रोटरी परिवार में समान मानसिकता वाले लोगों के साथ दुनिया में भलाई करने और इसे एक बेहतर जगह बनाने के लिए यह वास्तव में यह शानदार अवसर है।

रो ई अध्यक्ष ने कहा, उनका निजी लक्ष्य रोटरी द्वारा प्रदत्त इस अद्भुत अवसर के माध्यम से इस

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, डीआईआर अमीर अक्रम के साथ बातचीत करते हुए। (बाएं से) रोटरेक्टर अमजद यूसुफ, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और रो ई मंडल 3220 के डीजी जेरोम के राजेंद्रम भी चित्र में मौजूद हैं।

पुरस्कारों के पीछे मत भागो

कोलंबो मीट में, डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट रिप्रेजेंटेटिव (डीआईआर) अमीर अकरम ने अपने एक प्रोजेक्ट का उदाहरण देते हुए रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली से पूछा कि उनके द्वारा किए गए अच्छे काम को वैश्विक मंच पर रो ई कैसे मान्यता देगा। हाल ही में श्रीलंका के कैंडी नेशनल हॉस्पिटल को खून की जरूरत पड़ी थी और उन्होंने मदद के लिए उनसे संपर्क किया था। ''हमने एक स्कूल में इंटरेक्ट क्लब के माध्यम से 185 यूनिट रक्त एकत्र कर अस्पताल में भेजा था। बाद में मुझे नेशनल हॉस्पिटल से इंटरएक्टर्स को धन्यवाद देते हुए एक पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि अगर उन्होंने रक्त नहीं दिया होता तो बहुत सारे लोगों की जान चली जाती।''

अध्यक्ष मेकिनली बोले, रोटरी आपके काम को देखती है और उसे प्रोत्साहित करती है और हम नियमित रूप से रोटरेक्टर्स को मंडल सम्मेलन, ज़ोन इंस्टिट्यूट और कन्वेन्शनों में भाग लेते हुए देखते आये हैं।''

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने कहा: ''एक सलाह जो मैं रोटरेक्टर्स और इंटरेक्टर्स को देना चाहूंगा वो यह है कि पुरस्कारों के पीछे न भागें; पुरस्कारों को अपने पीछे आने दो। अगर आप अच्छा काम करेंगे तो पुरस्कार निश्चित ही आपका पीछा करेंगे। मुझे कभी भी रो ई का प्रेसिडेंशियल साइटेशन नहीं मिला। तत्कालीन रो ई अध्यक्ष जॉन केरी चाहते थे कि मैं एक नए क्लब की स्थापना करूँ, लेकिन मैंने तीन को बंद कर दिया क्योंकि मुझे लगा कि वे रोटरी में बने रहने के काबिल नहीं हैं। लेकिन क्या मैं इससे घबराया? नहीं, मैं आज यहां रो ई निदेशक के रूप में बैठा हूं। तो, कागज के उस टुकड़े का क्या महत्त्व है? कुछ भी नहीं है, इसलिए ध्यान रखें,पुरस्कारों के पीछे न भागें।''

उन्होंने सभा में आये युवाओं को सलाह दी: ''कृपया मिलकर काम करना सीखें; यह एक ऐसी चीज़ है जो आज हमारे संगठन में बाधा उत्पन्न कर रही है। जरूरत है हमें साथ मिलकर काम करने की; हमें दुनिया को एकजुट चेहरा दिखाने की जरूरत है। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें हमारे अहंकार को शामिल किए बिना सुलझाया जाना चाहिए। और एक बार जब हम एकीकृत चेहरा पेश करते हैं, जो करते हैं उस पर पूरा ध्यान केंद्रित करते हैं, और अपनी कहानियाँ साझा करते हैं, तो मुझे यकीन है कि आंदोलन आगे बढ़ेगा और आप स्वतः रूप से पहचाने जाएंगे।''

उन्होंने सभा में आये युवाओं को सलाह दी: कृपया मिलकर काम करना सीखें; यह एक ऐसी चीज़ है जो आज हमारे संगठन में बाधा उत्पन्न कर रही है। जरूरत है हमें साथ मिलकर काम करने की; हमें दुनिया को एकीकृत चेहरा दिखाने की जरूरत है। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें हमारे अहंकार को शामिल किए बिना सुलझाया जाना चाहिए। और एक बार जब हम एकीकृत चेहरा पेश करते हैं, जो कार्य करते हैं उस पर ध्यान केंद्रित कर पूरी तन्मयता से करते हैं और अपनी कहानियाँ साझा करते हैं, तो मुझे यकीन है कि आंदोलन आगे बढ़ेगा और आप स्वतः ही पहचाने जाएंगे।

उन्होंने श्रीलंका में सर्वाइकल कैंसर, जाफना के स्कूलों आदि जैसे क्षेत्रों में किए गए शानदार काम के लिए उन्हें बधाई देते हुए उनसे आग्रह किया कि, वे ''अपनी कहानियां सुनाएँ, कहानियां बेचें। एक बार जब ऐसी कहानियाँ किसी व्यक्ति के दिल को छू जाएँगी, तो वह निश्चित रूप से हमारे संगठन में शामिल होने के लिए उत्सुक हो उठेगा।''

दुनिया को अपने पोते-पोतियों और दुनिया भर के सभी बच्चों के लिए एक उत्कृष्ट जगह का निर्माण करना था।''

लेकिन रोटरेक्टर होने की वजह से उन्हें व्यक्तिगत कौशल विकसित कर नेता बनने का और उसका आनंद मनाने का अवसर मिला और ''मैंने यह जाना कि हम बिलकुल अलग लोग हैं। रग्बी के बहुत बड़े प्रशंसक, जिसे वह जब युवा थे तब खेला करते थे, वह हमेशा रग्बी और रोटरी में तुलना करते थे। एक मजबूत रग्बी टीम में विभिन्न खिलाडियों के पास अलग-अलग कौशल होता हैं - कुछ तेज दौड़ सकते थे, कुछ मजबूत थे और गेंद को कस कर जकड़ने की क्षमता रखते थे, अन्य गेंद को पूरी सटीकता से लंबी दूरी तक किक मार सकते थे। लेकिन ये सिर्फ तभी होता था जब टीम की अलग-अलग प्रतिभाएँ संयुक्त रूप से मिलकर खेलती थीं, टीम महान काम कर सकती थी।''

यही बात रोटरी के लिए भी सार्थक है; जब विभिन्न देशों के रोटेरियन किसी कार्य या लक्ष्य के लिए अपनी अद्वितीय और व्यक्तिगत क्षमताओं का उपयोग करते हैं, तो एक साथ मिलकर वे महान कार्य कर सकते हैं। इसीलिए हमें न केवल वरिष्ठ रोटेरियनों की बल्कि रोटरेक्टर्स और इंटरएक्टर्स जैसे युवा लोगों की भी आवश्यकता है क्योंकि आप संगठन में क्षमता के साथ ढेर सारी ऊर्जा लाते हैं।'' रो ई मंडल 3220 की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, मंडल में 5,000 से अधिक रोटरेक्टर्स और 90 से अधिक रोटरेक्ट क्लब हैं।

मेकिनली ने कहा कि जब वह दुनिया भर में घूम रहे थे - वह पहले ही 18 महीनों में 30 से अधिक देशों की यात्रा कर चुके थे - ''बहुत से लोग मुझसे पूछते कि आप एक देश से दूसरे देश, महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक उड़ान भरते हैं, तो क्या आपको थकान नहीं होती? और मैं उनको कहता था कि मैं जहां भी जाता हूं वहां आप जैसे ही रोटरी परिवार के सदस्यों से परिचय होता है और अपने श्रोताओं की ऊर्जा देखता हूं, तो मेरे भीतर अपनेआप उनसे ऊर्जा भर जाती है।''

'विश्व में आशा का संचार करना' के अपने अध्यक्षीय थीम पर चर्चा करते हुए रो ई अध्यक्ष ने कहा, ''मेरा दृढ़ विश्वास है कि यही वो साल है जब दुनिया में हमें आशा की सबसे ज्यादा ज़रुरत है।

फिलहाल हम एक बहुत ही खंडित दुनिया हैं लेकिन रोटरी जैसा एक एकीकृत संगठन, जिसमें निश्चित रूप से आप सभी सम्मिलित हैं, कई प्रकार से दुनिया में बहुत सारी आशाओं का सृजन कर सकता है। अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान वो ऐसे कई लोगों से मिले जिनमें रोटरी ने विभिन्न प्रकार से आशा जगाई थी।''

हाल ही में अहमदाबाद में वो सतीश से मिले जिसने अपना अधिकांश वयस्क जीवन व्हीलचेयर पर गुजारा है; ''मैं उनसे रोटरी द्वारा आयोजित एक लिम्ब-फिटिंग (कृत्रिम अंग) शिविर में मिला था। वह अपनी व्हीलचेयर में शिविर में आए, अपना कृत्रिम अंग लगवाया और अब वह अपनी पत्नी और परिवार के पास लौट कर उनका भरण-पोषण कर सकते थे, क्योंकि रोटरी ने उन्हें यह आशा जगाई थी।''

पाकिस्तान में, विश्व पोलियो दिवस पर वह एक बालक अहमद से मिले थे और उसे पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें पिलाई थीं। ''जब मैं अपनी आंखें बंद करता हूं, तो देखता हूं कि पोलियो वैक्सीन की दो बूंदें अहमद के मुंह में टपक रही हैं, लेकिन उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण हैं उसकी मां के चेहरे पर कृतज्ञता का भाव। वह जानती थी कि रोटरी, रोटरेक्ट और इंटरेक्ट की बदौलत अहमद को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी नहीं होगी। मैं जानता हूं कि अपने देश के लोगों में आप भी आशा का संचार कर रहे हैं और इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।''

बाद में, एक इंटरैक्टिव सत्र में जहां रो ई मंडल 3220 की डीआरआर साथमा जयसिंघे और मंडल इंटरेक्ट प्रतिनिधि अमीर अकरम ने दो वरिष्ठ रो ई नेताओं से रोटरी, रोटरेक्ट और इंटरेक्ट के बीच आपसी संबंध, वैश्विक अनुदान को मंजूरी देने की प्रक्रिया और रोटरी द्वारा नवीनतम तकनीकी उपकरणों के अनुकूलन और स्वीकृति जैसे विषयों पर जानकारी ली, अध्यक्ष मेकिनली ने कहा, रोटरेक्ट को रोटरी का हिस्सा बनाने के सीओएल के निर्णय के बाद रोटरी और रोटारैक्ट के बीच संबंध अभी भी विकसित हो रहे हैं, लेकिन हम एक-दूसरे के पूरक ज़रूर हो सकते हैं। हम सब के अंदर अलग-अलग प्रतिभाएं हैं और विशेष रूप से रोटरेक्ट में तो प्रतिभाओं का एक विशिष्ट प्रकार का समूह है और हमें उस प्रतिभा को गले लगाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सेवा में भली भांति किया जा सके। हम अपने संबंधों को निरंतर परिपक्व करते रहेंगे, और यह जानने में हमें एक या दो साल लगेंगे कि हम वास्तव में कहां खड़े हैं।''

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्न ने कहा कि रोटेरियन और रोटरेक्टर एक दूसरे से दोनों बहुत कुछ सीख सकते हैं। यह एक परस्पर सीखने की प्रक्रिया है। आइए यह न सोचें कि हम सब कुछ कांटे हैं। जिस दुनिया में हम रहते हैं उस पर बड़ा प्रभाव डालने के लिए हमें एक-दूसरे का आकलन करने और मिलकर काम करने की जरूरत है। यह समन्वय एक जादुई करिश्मा करेगा, लेकिन दोनों पक्षों में स्वीकार्यता होनी चाहिए कि हमारी साझेदारी जीवन पर्यन्त चलेगी।''

बाएं से: डिस्ट्रिक्ट इंटरेक्ट कमेटी के अध्यक्ष मंजुला एस रत्नसेकेरा, रो ई निदेशक सुब्रमण्यन, डीआईआर अकरम और डीजी राजेंद्रम।

नई तकनीक को अपनाने और नई चुनौतियों और तकनीकी उपकरणों को स्वीकार करने पर डीआरआर साथमा के एक सवाल का जवाब देते हुए, अध्यक्ष मेकिनली ने स्कॉटलैंड में ज़ूम नामक आइस लॉली का उदाहरण दिया। ''जब तक कि कोविड नहीं आया और उसने हमें ज़ूम नामक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म से परिचय नहीं करायाथा, वह एकमात्र ज़ूम था जिसे हम तब तक जानते थे। जिस गति से रोटेरियन विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों को अपना कर बैठकें आयोजित कर रहे थे और ऑनलाइन बैठकों में सक्रिय भागीदारी के साथ परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहे थे, ये देख कर मुझे आश्चर्य हुआ था।''

उन्होंने स्कॉटलैंड में हाल ही में गठित रोटरी क्लब का उदाहरण दिया, पासपोर्ट क्लब; इसके कई सदस्य उन क्लबों से हैं जो कोविड में नहीं रहे, लेकिन अन्य नए सदस्य हैं। वे इस कमरे में (रोटरेक्टर्स और इंटरएक्टर्स की) औसत आयु से थोड़े बड़े हो सकते हैं। मेरी पत्नी हेतर इस क्लब की सदस्य है और क्लब अध्यक्ष बनने वाली है, (वैसे वह तीन बार अध्यक्ष रह चुकी है, मैं केवल एक बार क्लब अध्यक्ष रहा हूँ!) और जब कुछ सदस्यों ने पहली बार कहा कि हम व्हाट्सएप के माध्यम से जुड़ेंगे कई सदस्यों ने इसका विरोध करते हुए कहा था, 'अरे नहीं, हम व्हाट्सएप नहीं करते।' खैर, समूह शुरू हुआ और कुछ ही समय में यह गुलजार हो गया और सदस्य इस पर एक-दूसरे से बात कर रहे हैं...उन्होंने पाया कि यह आपस में जुड़ने का एक अद्भुत तरीका है!''

डीआईआर अक्रम, डीआरआर सथमा जयसिंघे की उपस्थिति में, रो ई अध्यक्ष मेकिनली पर एक लैपेल पिन लगाते हुए।

बीच में हस्तक्षेप करते हुए रो ई निदेशक सुब्रमण्यन ने डीआरआर साथमा से कहा: ''मुझे लगता है कि यह प्रश्न अध्यक्ष गॉर्डन को आपसे पूछना चाहिए था, न कि इसके विपरीत। आप युवा वर्ग तकनीकी रूप से बहुत उन्नत हैं और भविष्य की कई संभावनाओं के बारे में भली भांति जानते हैं। इसलिए असर पैदा करें... अपने देश के लोगों में ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों के बीच, खासकर रोटरेक्टर्स के बीच। रोटरेक्ट पीड़ित है, यहां तक कि भारत में भी, जहां हमने पिछले साल 40,000 सदस्य खो दिए, यह कोई मामूली संख्या नहीं है। लेकिन हम फिर से आंकड़े बढ़ा रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि एक संगठन के रूप में रोटरी दुनिया में बहुत बढ़िया कर रही है, ''लेकिन आज भी बहुत से लोगों को यह भी मालूम नहीं है कि दुनिया भर में पोलियो को विलुप्त होने के कगार पर लाने में हमने कितनी बड़ी भूमिका निभाई है। आप लोग तकनीकी रूप से दक्ष और सक्षम हैं, और आपको तकनीक का उपयोग करके हमारे कार्यों के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए।''

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मेकिनली ने कहा कि सदस्यों का जोड़ना और उन्हें बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। ''हमें उनका ध्यान रखना होगा और जब वे शामिल होंगे तो उन्हें सहज महसूस करवाना होगा, क्योंकि रोटरी में बहुत सारे लोग शामिल तो होते हैं पर बहुत थोड़े समय में चले जाते हैं... आज रोटरी में शामिल होने वाले 10 लोगों में से एक अब से 12 महीने के बाद सदस्य नहीं रहेगा। यह एक भयानक संख्या है जिसका मतलब है कि हम उन्हें विफल कर रहे हैं... हम उन्हें अपने साथ शामिल नहीं कर रहे हैं।''

बागबानी के बेहद शौक़ीन, उन्होंने घर पर अपने बगीचे के पौधों का उदाहरण दिया। ''जब मैं कुछ लगाता हूं, तो मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पौधे की जड़ें मजबूत हों और वह स्थापित हो जाए। और अपने नए सदस्यों के साथ हमें यही करने की ज़रूरत है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि वे मजबूत जड़ें विकसित करें और रोटरी में अच्छी तरह से स्थापित हो जाएं। 40 साल पहले जब मैं अपने क्लब में शामिल हुआ था तो किसी ने मेरे लिए यही किया था। लोगों ने मेरा ख्याल रखा, मदद की और मुझसे जुड़े रहे।''

चित्रः रशीदा भगत

रोटेरियन और रोटरेक्टर एक दूसरे से दोनों बहुत कुछ सीख सकते हैं। यह एक परस्पर सीखने की प्रक्रिया है। जिस दुनिया में हम रहते हैं उस पर बड़ा प्रभाव डालने के लिए हमें एक-दूसरे का आकलन करने और मिलकर काम करने की जरूरत है।

राजु सुब्रमण्यन
रो ई निदेशक

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी की चेक डैम पहल ने किसानों का जीवन बदल दिया

जयश्री

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक गांव के किसान जाधव ने हाल ही में अपने खेत में बादाम के पौधे लगाए हैं।

रोटरी क्लब ठाणे प्रीमियम, रो ई मंडल 3142 के एक सदस्य और रोटरी स्वयं से ऊपर सेवा पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हेमंत जगताप कहते हैं, यहाँ पर खेतों में उगाए गए तरबूज, टमाटर और खीरे का अब निर्यात किया जा रहा है। इस जिले के फुगले गांव में निर्मित रोधक बांध ने मथुरा की बहुत मदद की, जो एक विधवा और दो बच्चों की माँ है और अपनी ज़मीन के एक छोटे से टुकड़े में लौकी की खेती करती हैं, ''जो अब बढ़कर 10,000 वर्ग फुट हो गई है,'' वह आगे कहते हैं।

कुछ साल पहले ये किसान अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन रोटरी क्लब ठाणे की मदद से इस क्षेत्र के अनेक गांवों के भूजल स्तर में काफी सुधार हुआ है और किसान अब वैकल्पिक नकदी फसलों की खेती करने में सक्षम हैं।

इस परियोजना ने महाराष्ट्र के मुरबाद, शाहपुर, भिवंडी, तलसरी, जवाहर, पालघर, विक्रमगढ़, वसई, दहाणू और वाडा तालुकों के गांवों में 2 लाख आदिवासी लोगों और 4,000 मवेशियों के लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद की है। ''अब तक परियोजना का कुल मूल्य ₹17 करोड़ है। *जल जीवन का आधार है,*'' जगताप कहते हैं।

असोस गांव, मुरबाड में क्लब द्वारा पुनर्गठित किया गया एक चेक डैम।

पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी (बीच में), (बाएं से) प्रोजेक्ट लीडर हेमंत जगताप, पीडीजी विजय जालान, पुरूषोत्तम अगवान, प्रदीप गोयल के साथ अदखड़क गांव, जवाहर तालुक में, जहां उन्होंने चेक डैम का उद्घाटन किया।

उन्होंने 2005 से ठाणे जिले के गांवों में 496 रोधक बांध के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ''पहले, ग्रामीण पानी की कमी के कारण मानसून पर निर्भर रहते थे और सिर्फ एक ही फसल की खेती करते थे। महिलाओं को घर पर पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। अधिकांश परिवार जीविकोपार्जन हेतु छोटे-मोटे काम करने के लिए आस-पास के शहरों में चले जाते हैं। बच्चों की शिक्षा हमेशा प्रभावित होती थी। लेकिन अब ये सभी गांव संपन्न हो रहे हैं और खेत हरे-भरे एवं समृद्ध हैं,'' वह कहते हैं।

पीडब्ल्यूडी के सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता जगताप पहले रोटरी क्लब ठाणे नार्थएंड के सदस्य थे। वाडा तालुक के नेहरोली गांव में पानी के संकट का समाधान खोजने के लिए क्लब की चर्चा में वह शामिल हुए और 2005 में ₹1.85 लाख की लागत से वहाँ एक बुनियादी रोधक बांध के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस सुविधा का उद्घाटन तत्कालीन डीजीई भरत पंड्या ने किया था। उन्होंने इस परियोजना की सराहना की और 2006-07 में जब वह डीजी थे तो ''उन्होंने 'ग्रामीण जल प्रबंधन कार्यक्रम' तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया।'' मंडल के अन्य रोटरी क्लबों के साथ क्लब ने गांवों में रोधक बांध बनाने, स्कूलों में पानी के फिल्टर उपलब्ध कराने और घरों में पाइप से पानी उपलब्ध कराने जैसे जल समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया।

नेहरोली परियोजना जिसे बॉम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की वार्षिक बैठक में प्रदर्शित किया गया था, ने डढ, बामर एंड लॉरी, कंसाई नेरोलैक और ड्यूश बैंक जैसे कॉर्पोरेट्स से समर्थन प्राप्त किया। ''L&T ने अपने सीएसआर विंग के माध्यम से 2007 से 200 रोधक बांध बनाने के लिए पांच साल तक हमारी परियोजना का समर्थन किया और बाद में हमारे क्लब के साथ ₹40 लाख का मिलान करते हुए हमने 50 और सुविधाएं जोड़ीं। लायंस इंटरनेशनल पिछले तीन वर्षों से हर साल 12 रोधक बांध बनाने के लिए हमारे साथ साझेदारी कर रहा है। हर साल 20 रोधक बांध के निर्माण के लिए रोटरी और लायंस के बीच अगले साल एक समझौता

ज्ञापन हस्ताक्षरित किया जाना है,'' जगताप कहते है।

इन वर्षों में टीआरएफ ने प्रत्येक 30,000 डॉलर के नौ वैश्विक अनुदानों को मंजूरी दी। प्रत्येक सुविधा के लिए निर्माण लागत ₹4-7 लाख तक आती है और हम प्रत्येक वैश्विक अनुदान के साथ 5-6 रोधक बांध बना सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के रूप में जापान के रोटरी क्लबों के साथ एक वैश्विक अनुदान ने जवाहर तालुक में ₹45 लाख की लागत से पांच रोधक बांधों के निर्माण में मदद की और एक अन्य साझेदार के रूप में WASRAG (वाटर एंड सेनिटेशन रोटरी एक्शन ग्रुप) के साथ 211,000 डॉलर के एक अन्य वैश्विक अनुदान ने इस क्षेत्र के नौ अन्य गांवों को सुविधा प्रदान की। वर्ष 2011-12 में इस परियोजना के अंतर्गत घरों में वाटर प्यूरीफायर वितरित किए गए।

इस परियोजना में विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रारम्भिक यूसीआर का नवीनीकरण (अनकोर्स्ड रबल) चिनाई वाले चेक डैम का पुनर्गठन भी शामिल है। ''हमने ऐसे 16 रोधक बांधों का नवीनीकरण किया है, वह कहते हैं।

10-20 मीटर लंबा प्रत्येक कंक्रीट रोधक बांध 20-30 लाख लीटर पानी संग्रहीत कर सकता है जो 20-30 एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए पर्याप्त है। ''अब तक इन सभी गांवों में सुविधाओं को मिलाकर लगभग 9,900 एकड़ भूमि की सिंचाई की जा रही है, जिससे 5,000 से अधिक छोटे किसानों को प्रति वर्ष औसतन ₹20,000 प्रति एकड़ की दर से अपनी आय में सुधार लाने में मदद मिल रही है।''

तलासरी गांव के एक किसान जादव खुश हैं कि अब वह धान के अलावा अतिरिक्त फसल के रूप में सब्जियां उगा सकते हैं। प्रचुर मात्रा में पानी की

ऊपर: जवाहर गांव में ग्रामीणों के साथ जगताप और उनकी पत्नी रोटेरियन योजना।

मुरबाड के सोनावले गाँव में।

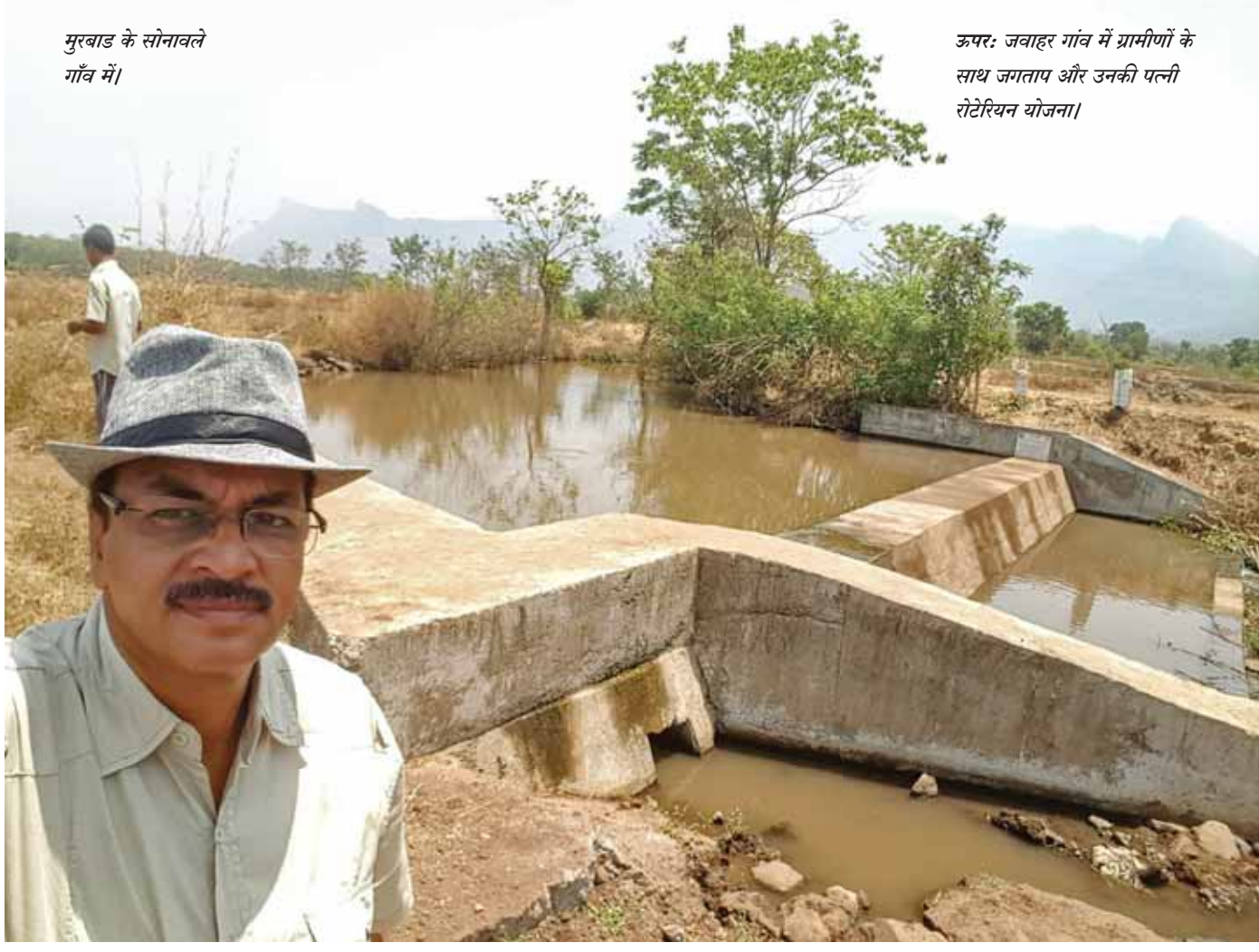

उपलब्धता के साथ उपज अच्छी है। ''यह एक चक्र है। मैं अच्छा पैसा कमाने में सक्षम हूँ और अपने खेतों का बढ़िया रख-रखाव कर सकता हूँ जो बदले में मुझे एक उपहार देता है। मैं अपनी दो बेटियों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने और उनके भविष्य के लिए बचत करने में सक्षम हूँ। अगर रोटरी नहीं होती तो आज हम लोग अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे होते। हमें दूसरे शहरों में पलायन करने और खानाबदोश जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ता,'' वह कहते हैं।

जगताप एक घटना के बारे में बताते हैं जब वह ठाणे के सिंघानिया स्कूल के 30 छात्रों के साथ कुछ महीने पहले सोनावले गांव में जल संरक्षण अवधारणा को समझाने के लिए शैक्षिक दौरे पर गए थे। रोधक बांधों का दौरा करते हुए ''थकान और प्यास लगने पर हमने एक ग्रामीण के दरवाजे पर आराम किया और उससे पानी का अनुरोध किया। जब मैंने पानी के लिए ग्रामीण को धन्यवाद दिया तो उसके मुँह से यह सुनकर बहुत खुशी हुई: मैं आपको धन्यवाद देता हूँ; आपके प्रयासों के कारण हमें यह पानी मिल रहा है।''

''मैं पानी की कमी की गंभीरता को जानता हूँ क्योंकि मैं सूखाग्रस्त क्षेत्र धुले से हूँ,'' जगताप कहते हैं। उन्होंने 1988-89 में धुले के रोटरेक्ट क्लब के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, 1999 में रोटरी क्लब ठाणे नॉर्थएंड में शामिल हुए और 2015 से रोटरी क्लब ठाणे प्रीमियम के सदस्य हैं। वह प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की एक टीम के साथ तकनीकी सेवा प्रदाताओं के रूप में रो ई मंडल 3141 और रो ई मंडल 3142 के लिए जल संरक्षण परियोजना का नेतृत्व करते हैं। ''हम रोधक बांध के लिए स्थलों की पहचान करते हैं, धन की व्यवस्था करते हैं और स्थानीय समुदायों को इस परियोजना और इससे होने वाले लाभों के बारे में शिक्षित करते हैं। अधिकतर जगहों पर हमें ग्रामीणों को यह विश्वास दिलाना पड़ता है कि रोधक बांध में जमा पानी खेतों में ओवरफ्लो नहीं होगा। एक बार जब वे इस विचार को समझ जाते हैं, तो वे सभी मदद करते हैं,'' वह कहते हैं।

रोटेरियन इस साल के अंत तक रोधक बांध की कुल संख्या को 500 तक बढ़ाने के लिए आश्वस्त हैं।■

एक किसान अपने सब्जी के खेत में।

Rotary PEOPLE OF ACTION

रो ई मंडल 3291 ने कोलकाता में किया एक ब्लड बैंक स्थापित

टीम रोटरी न्यूज़

पश्चिम बंगाल के शहरी विकास मंत्री, अरूप रॉय (बीच में), पीआरआईपी शेखर मेहता (बाएं से चौथे), रोटरी क्लब कलकत्ता के अध्यक्ष कनक दत्त (बाएं से तीसरे), और एचएमसी के अध्यक्ष सुजॉय चक्रबोर्ती (दाएं से दूसरे) ने ब्लड बैंक का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब ऑफ कलकत्ता, रो ई मंडल 3291 ने हावड़ा नगर निगम के सहयोग से मंडल का पहला रक्त केंद्र - एचएमसी रोटरी ब्लड सेंटर - हावड़ा, कोलकाता में स्थापित किया है। इस सुविधा का उद्घाटन फरवरी में राज्य के शहरी विकास प्रभारी मंत्री अरूप रॉय ने किया था।

इस कार्यक्रम में एचएमसी के अध्यक्ष सुजॉय चक्रवर्ती, रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी, डीजी हीरालाल यादव, पीआरआईपी शेखर मेहता, क्लब अध्यक्ष कनक दत्त और क्लब के पूर्व अध्यक्ष विक्रम सोमानी उपस्थित थे। सुविधा के लिए भूमि एचएमसी द्वारा प्रदान की गई थी और सोमानी ने अपनी कंपनी सेरा सेनेटरीवेयर के माध्यम से ₹1.1 करोड़ की इस परियोजना के लिए उपकरण प्रायोजित किए थे।

चूंकि ब्लड बैंक थैलेसीमिया प्रभावित बच्चों के लिए रक्त आधान केंद्र के करीब स्थित है, इससे बच्चों और उनके माता-पिता को काफी फायदा होगा। इस ब्लड सेंटर से पड़ोसी हुगली जिले के लोगों को भी फायदा होगा. यह सुविधा हर महीने 800 बैग की भंडारण क्षमता के साथ पूरी तरह से डिजिटलीकृत है। रो ई मंडल 3291 के विशेष परियोजना अध्यक्ष अरिंदम रॉयचौधरी ने कहा कि आधुनिक उपकरण एक कंप्यूटर सर्वर से जुड़ा है जो संपूर्ण नेटवर्किंग प्रणाली को नियंत्रित करेगा, डेटा एकत्र करेगा और प्रतिदिन राज्य स्वास्थ्य विभाग को अपलोड करेगा। रक्त और प्लाज्मा भंडारण के लिए रेफ्रिजरेटर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, एलिसा रीडर सभी अत्याधुनिक मशीनें हैं।

ब्लड बैंक में रोटरी क्लब साल्ट लेक सिटी कलकत्ता के अध्यक्ष ओइंड्रिला गुहो के नेतृत्व में दान की गई एक रक्त परिवहन और संग्रह वैन भी होगी। इस केंद्र से मंडल रोटेरियन को लाभ होगा क्योंकि क्लब अध्यक्ष के अनुरोध पत्र पर उन्हें रक्त मिल जाएगा। रोटरी क्लब रक्तदान शिविरों में भाग लेने और उसके बाद रक्त पाउच के संग्रह के लिए एचएमसी रोटरी ब्लड सेंटर को आमंत्रित कर सकते हैं। बदले में, समुदाय की मदद के लिए क्लबों को डोनर कार्ड दिए जाएंगे।■

रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी (दाएं से चौथे) तपन रॉय, जैत्रा, अरिंदम रॉयचौधरी (मंडल विशेष परियोजना अध्यक्ष), पूर्णेंदु रॉय चौधरी, सोनिया दत्त, योगेश दासानी, क्लब अध्यक्ष दत्त, रवींद्र खंडेलवाल, राज कुमार अग्रवाल और सरवानी गोमो के साथ।

ADVT.

BECOME A DOCTOR IN USA

XAVIER UNIVERSITY ARUBA'S 6 YEAR PROGRAMME TO TRANSFORM YOUR AMERICAN DREAM INTO A REALITY

DOCTOR OF MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherland

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 3 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island- Netherland

Final year
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

Limited Seats

The session starts in May/September 2024

To apply, Visit: **application.xusom.com**

Contact: Uday @+91 91 0083 0083 +91 98 8528 2712

email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR **H1/J1 Visa** PROGRAMME

केरल और पुणे ने एक जर्मन एक्सचेंज छात्र का मन मोह लिया

रशीदा भगत

आग्रा के ताज महल में जर्मनी से रोटरी यूथ एक्सचेंज के छात्र हेनरी क्लेमेंस।

मुझे केरल बेहद पसंद है और मैं दावे से कह सकता हूं कि आज की तारिख में केरल पर जो भी पर्यटन सबंधी साहित्य उपलब्ध है, केरल की सम्पूर्ण ख़ूबसूरती का बखान नहीं करता,'' ये कहना है 18 वर्षीय हेनरी क्लेमेंस का जो नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया से रोटरी यूथ एक्सचेंज (RYE) के छात्र हैं और रो इ मंडल 3132 के (RYE) कार्यक्रम में भाग लेने भारत आये हुए हैं। वह रोटरी क्लब अहमदनगर डिग्निटी के अभय राजे के परिवार के साथ रह रहे हैं, ''लेकिन मेरा मेजबान क्लब रोटरी क्लब अहमदनगर मिडटाउन है।''

आठ अन्य यूथ एक्सचेंज छात्रों के समूह में से वह एक है, जिसमें सात लैटिन अमेरिका से और एक फ्रांस से आए है। ''हम मुंबई, गोवा जैसे शहरों और केरल के कुछ स्थानों की यात्रा कर रहे हैं। केरल मुझे इतना सुंदर लगता है कि भविष्य में जब भी मैं भारत के बारे में सोचूंगा तो मेरे दिमाग में केरल की अद्वितीय सुंदरता की छवि आएगी। ईमानदारी से कहूं तो, केरल में मैं यह अंतर नहीं कर सका कि हम भारत में हैं या कैरेबियन में। मैंने यह भी देखा है कि अन्य स्थानों के विपरीत, केरल में प्रदूषण की समस्या नहीं है। मुझे गोवा भी पसंद है और मुंबई भी, लेकिन मन की बात कहूँ तो मुंबई की तुलना में मुझे पुणे ज्यादा अच्छा लगा।''

तो अन्य युवाओं को आकर्षित करने वाली मुंबई उन्हें उस तरह चकाचौंध नहीं कर पाई, मैंने हेनरी से पूछा, ''नहीं, नहीं, मुझे तो मुंबई पसंद है, विशेष कर मरीन ड्राइव का दृश्य तो गज़ब का था। लेकिन मेरे हिसाब से यहां भीड़ बहुत ज्यादा थी; वास्तव में मुझे पुणे पसंद है क्योंकि यहां वो सब कुछ मिलता है जो मुंबई में है। बल्कि मैं तो ये कहूंगा कि मुंबई में ऐसा कुछ भी नहीं है जो आप पुणे में नहीं मिलता। हाँ यह मुंबई जितना बड़ा नहीं है, जहां मैंने ट्रेनों में यात्रा की थी, जिनमें काफी भीड़ थी, लेकिन वास्तव में वो याद रखने लायक अनुभव था! पुणे शांत और अधिक आरामदायक है और मुझे यह सचमुच बहुत अच्छा लगा।''

हेनरी के पिता उस शहर के मेयर हैं जहां वह रहते हैं, उस ने पिछले साल अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और रोटरी एक्सचेंज प्रोग्राम के बारे में तब जानकारी मिली जब हमारे स्कूल के प्रिंसिपल, जो जर्मनी में स्थानीय रोटरी क्लब के सदस्य हैं, ने इस

रो ई मंडल 3132 की डीजी स्वाति हर्कल (बैठी, बीच में) के साथ।

अवसर के बारे में स्कूल से स्नातक होने वाले छात्रों को एक ईमेल लिखा था। चूँकि वह मेरे गणित के शिक्षक भी थे और उन्होंने मुझे बताया कि इसके लिए आवेदन कैसे करना है, और मैंने किया क्योंकि मेरा कॉलेज 2024 के बीच में शुरू होना था।''

उनका चयन हुआ और वे अक्टूबर 2023 में भारत आ गए और उन्होंने अन्य एक्सचेंज छात्रों के साथ भारत में कई स्थानों की यात्रा की है।

मैं भारत का पूरा आनंद ले रहा हूं और भारतीय भोजन का बहुत शौकीन हूं; ''मेरी पसंदीदा डिश चिकन मलाई टिक्का है। मैं मांसाहारी हूं लेकिन मुझे मिसल पाव, पाव भाजी और से तंदूरी चिकन के साथ-साथ तंदूरी पनीर भी पसंद है।'' वह मानते हैं कि जर्मनी में उन्हें मांसाहारी भोजन खाने की आदत बहुत अधिक थी, लेकिन यहां उन्हें सप्ताह में तीन दिन पूरी तरह से शाकाहारी भोजन की आदत हो गई है, जैसाकि महाराष्ट्र के अहमदनगर में उनका मेजबान परिवार मानता है।

अपनी दिनचर्या के बारे में बताते हुए, वह कहते हैं कि वह दिन की शुरुआत स्कूल (कक्षा 12) से करते हैं, थोड़ा आराम करने के लिए घर आते हैं, ''फिर अपने दोस्तों के साथ बाहर निकल जाते हैं, अक्सर फुटबॉल खेलने मैदान में जाते हैं। जब मेरे मेजबान भाई क्षितिज, अभय जैन के बेटे यहां थे, तो हम शहर में घूमते थे और फुटबॉल मैदान भी गए थे और वहां के लड़कों ने कहा कि मैं अच्छा खेलता हूं, इसलिए अब मैं अक्सर उनके साथ खेलता हूं,'' वह कहते हैं।

इस अप्रैल में वापिस घर लौटने तक उनकी दिनचर्या यही रहेगी। तो भारतीय जीवन शैली के बारे में क्या पसंद आया; मैं उससे पूछता हूं, इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलू क्या हैं।

''हाँ, मैं पारिवारिक जीवन के बारे में समझ रहा हूँ जो जर्मनी से बिलकुल अलग है; मुझे जर्मनी की तुलना में यहां कई चीज़ों के प्रति बिल्कुल अलग दृष्टिकोण के बारे में जानना बहुत दिलचस्प लगता

मरीन ड्राइव, मुंबई में क्लेमेंस।

केरल में रो ई मंडल 3131 के एक्सचेंज छात्रों के साथ क्लेमेंस।

केरल में हाथी की सवारी।

है।'' वह बड़ों के प्रति दृष्टिकोण का उदाहरण देते हैं; यहाँ लोग बड़ों के पैर छूते हैं या उन्हें प्रणाम करते हैं। जर्मनी में, ''हम सभी का सम्मान करते हैं,चाहे कोई 10 साल का हो या 70 साल का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।''

धूल और प्रदूषण स्तर पर - जिसका अब वो अभ्यस्त हो गया है और उसका ''सहनशीलता का स्तर बढ़ रहा है'' - एक्सचेंज छात्र का कहना है, ''यहां सड़कों पर कचरा जलाने जैसी कुछ चीजें ऐसी हैं जो वास्तव में जर्मनी के लोगों को परेशान करेंगी। मेरा मानना है कि सोचने का ये भारतीय तरीका है; मेरी धारणा यह है कि हर कोई चीज़ों को कम गंभीरता से और अधिक शांति से लेता है, फिर भले ही बात किसी ट्रैफ़िक नियम तोड़ने की क्यों ना हो।''

यहां तक कि जब शिक्षा की बात आती है... वह अहमदनगर के एक स्कूल में 12वीं कक्षा में वाणिज्य पाठ्यक्रम में भाग ले रहा है, तो इस जर्मन युवा का अनुभव है कि भारत में अंकों और परीक्षाओं को अधिक गंभीरता से लिया जाता है, जर्मनी में, यह पाठ्येतर गतिविधियों सहित सभी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के बारे में अधिक है। ''यहां किताबी ज्ञान पर अधिक जोर दिया जाता है लेकिन

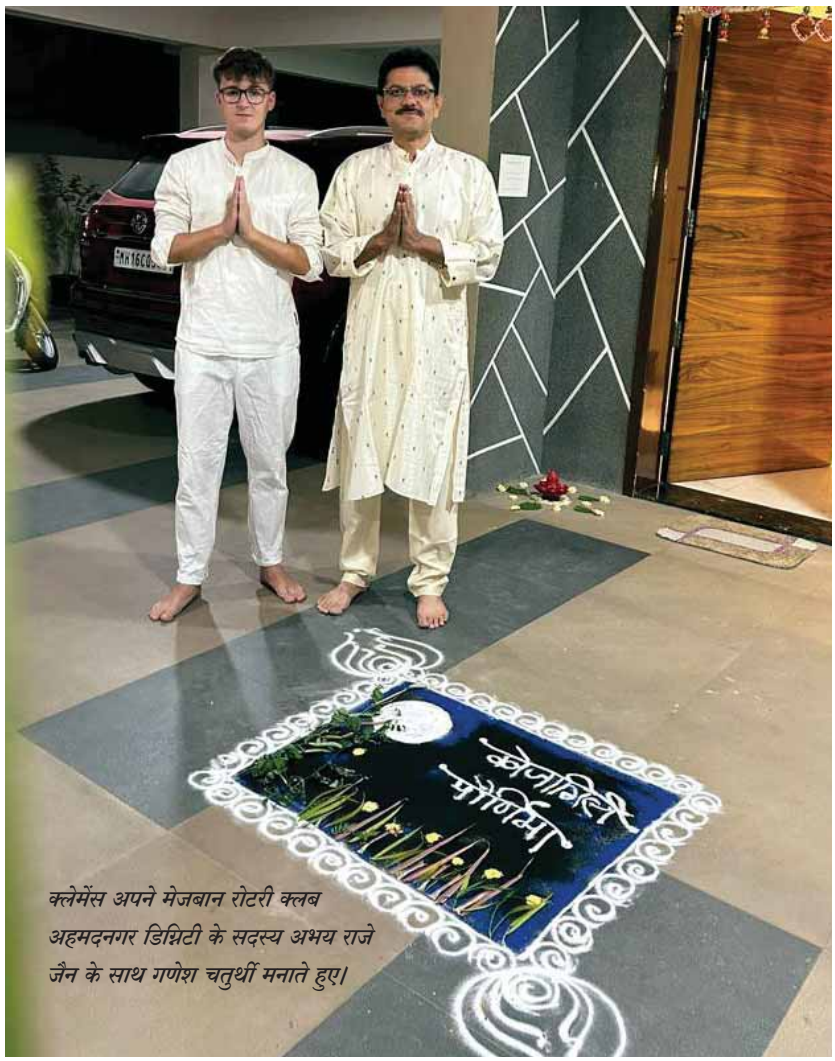

क्लेमेंस अपने मेजबान रोटरी क्लब अहमदनगर डिग्निटी के सदस्य अभय राजे जैन के साथ गणेश चतुर्थी मनाते हुए।

वहां अंतिम परीक्षा में कुल अंकों में से, कक्षा में पढ़ाये गए पाठों के अंक केवल आधे ही होते हैं। हालाँकि, यहाँ और जर्मनी में जो विषय पढ़ाए जाते हैं, वे लगभग समान हैं, जैसे गणित, व्यावसायिक अध्ययन, आदि।''

आरवाईई कार्यक्रम के बारे में, रो ई मंडल 3132 की डीजी स्वाति हरकल कहती हैं, ''यह दुनिया भर के युवाओं के लिए एक परिवर्तनकारी उपहार है, जो सांस्कृतिक सहभागिता, भाषा सीखने और व्यक्तिगत विकास के अवसर प्रदान करता है। विदेश में रहने के माध्यम से, प्रतिभागी आपसी तालमेल का पुल बनाते हैं, आजीवन मित्र बनाते हैं और वैश्विक नागरिक बनते हैं और अधिक शांतिपूर्ण और पारस्परिक रूप से समद्ध विश्व में सक्रिय योगदान देते हैं।''

अंत में हेनरी से मैंने पूछा कि बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक होने के बाद क्या वह रोटेरियन बनेगा, इस साल के अंत में घर लौटने पर वह डिग्री कोर्स की पढ़ाई करेगा।

''हाँ, मैं रोटरी में शामिल होना चाहूँगा पर तब जब मैं अपने पैरों पे खड़ा हो जाऊँगा और मेरी स्थायी आय होने लगेगी तो निश्चित रूप से मैं रोटेरियन बन जाऊँगा।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

सुधार गृहों में शिक्षा का सेतु

कमल संघवी

सुधार और सशक्तिकरण की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम बढ़ाते हुए रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन ((RILM) ने पश्चिम बंगाल सरकार के एवं सुधार प्रशासन विभाग के साथ करार किया है जोकि सम्पूर्ण राष्ट्र में सुधार गृहों के कैदियों के लिए शैक्षिक अवसरों का सृजन करेगा।

कोलकाता के एक सामाजिक कार्यकर्ता इमरान जकी, सुधार प्रशासन विभाग में के तत्कालीन एडीजी-सुधार सेवा संजय सिंह और पीआरआईपी शेखर मेहता के साथ हुए विचार विमर्श के बाद एक आपसी सहभागिता का प्रस्ताव रखा गया था जिसमें निरक्षर कैदियों को साक्षर बनाने का अवसर उपलब्ध कराना था जो नागरिकों में सम्मान की भावना पैदा करने के साथ बेहतर जीवन जीने के अवसर भी उपलब्ध कराये।

सुधार गृहों के साथ सहभागिता आरआईएलएम के प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम का विस्तार है, यह सलाखों के पीछे रह रहे लोगों के जीवन में एक नए अध्याय का सूत्रपात करेगा।

इस प्रयास का एक विशिष्ट पहलू है साक्षर कैदियों की भागीदारी, जो 'अक्षर साथी' की भूमिका निभाएंगे - उनके सुधार गृहों के भीतर निरक्षर वयस्कों को पढ़ाने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति। इस आपस में पढ़ने और सीखने के पीछे उद्देश्य, ये कार्यक्रम निरक्षर व्यक्तियों को साक्षर नागरिक बनाने के लिए अनुकूल और सहयोगी वातावरण बनाने में सहायक होगा।

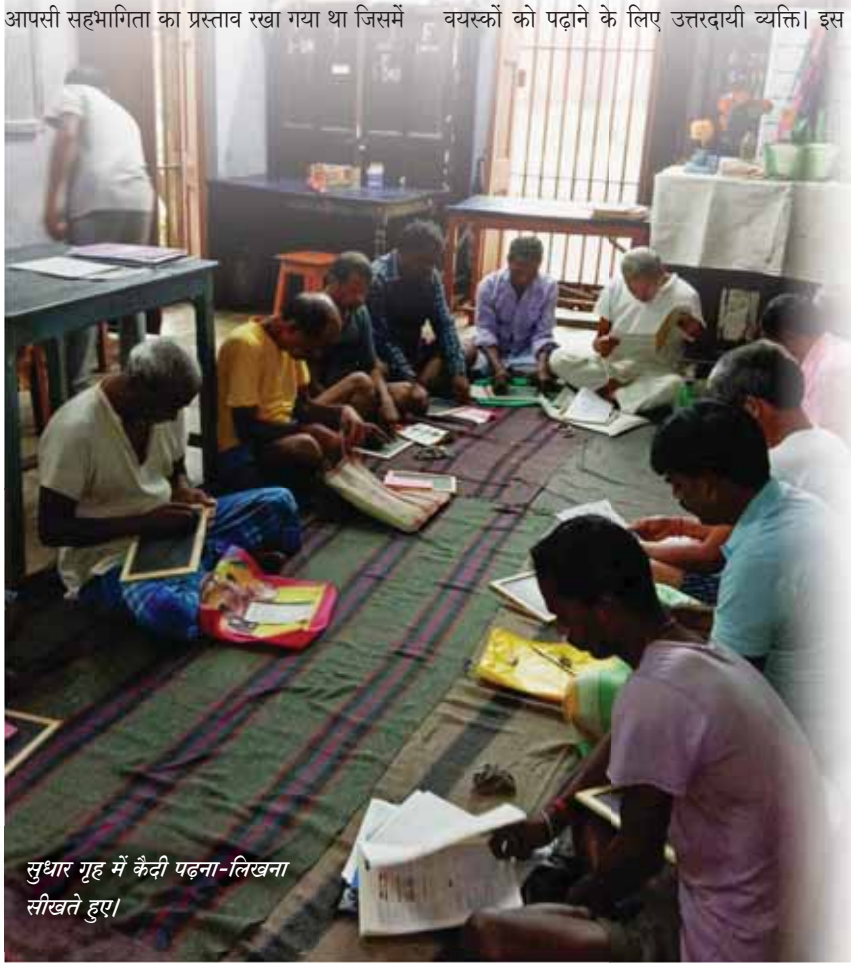

सुधार गृह में कैदी पढ़ना-लिखना सीखते हुए।

एक कैदी अनिमेष पात्रा (परिवर्तित नाम) ने इस अप्रत्याशित अवसर के लिए अपना आभार व्यक्त किया, हमने कभी सोचा भी नहीं था कि हमें पढ़ने लिखने का अवसर भी मिलेगा। ''हम अपराधी ज़रूर हैं, लेकिन सम्मान के साथ जीने का अधिकार तो हमें भी है।फशिक्षा व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण है और अब हम भी इसका महत्व समझ गए हैं। देर आए दुरुस्त आए; हमारा मानना है कि साक्षर नागरिक बन कर जीने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ मौका है।''

अजय कुमार ठाकुर, वर्तमान विशेष महानिरीक्षक, सुधारात्मक प्रशासन विभाग भी इस कार्यक्रम के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

'विद्या' कार्यक्रम, प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत एक प्रमुख कार्यक्रम के अंतर्गत, पश्चिम बंगाल में पहले से ही प्रेसीडेंसी और मिदनापुर सुधारगृह में 160 से अधिक निरक्षर कैदी नामांकित हैं। इस परिवर्तन प्रक्रिया में सात साक्षर कैदी सक्रिय रूप से सहयोग देते हुए *अक्षर साथी* के रूप में सेवा कर रहे हैं।

जैसे-जैसे परियोजना गति पकड़ रही है, *विद्या* कार्यक्रम को जलपाईगुड़ी, बालुरघाट, बर्दवान, बहरामपुर और दमदम, बारुईपुर के सुधार गृहों में पहुँचाने की योजना पर भी काम चल रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में साक्षरता दर अभी भी 80 प्रतिशत से कम है, ये भागीदारी भारत को साक्षर बनाने के उद्देश्य में व्यक्ति विशेष द्वारा योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है।

जैसे-जैसे यह यात्रा आगे बढ़ रही है, पूरे देश के रोटरी क्लबों को इस परिवर्तनकारी प्रयास में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है, इस विश्वास पर जोर दिया जाता है कि शिक्षा में बाधाओं को तोड़ने और सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति है।

लेखक पूर्व रो ई निदेशक हैं

Rotary rise
TRANSCEND BARRIERS
ROTARY INSTITUTE 2023
ZONE 4,5,6,7

वंदे भारत के जनक ने इसकी कहानी सुनाई

रशीदा भगत

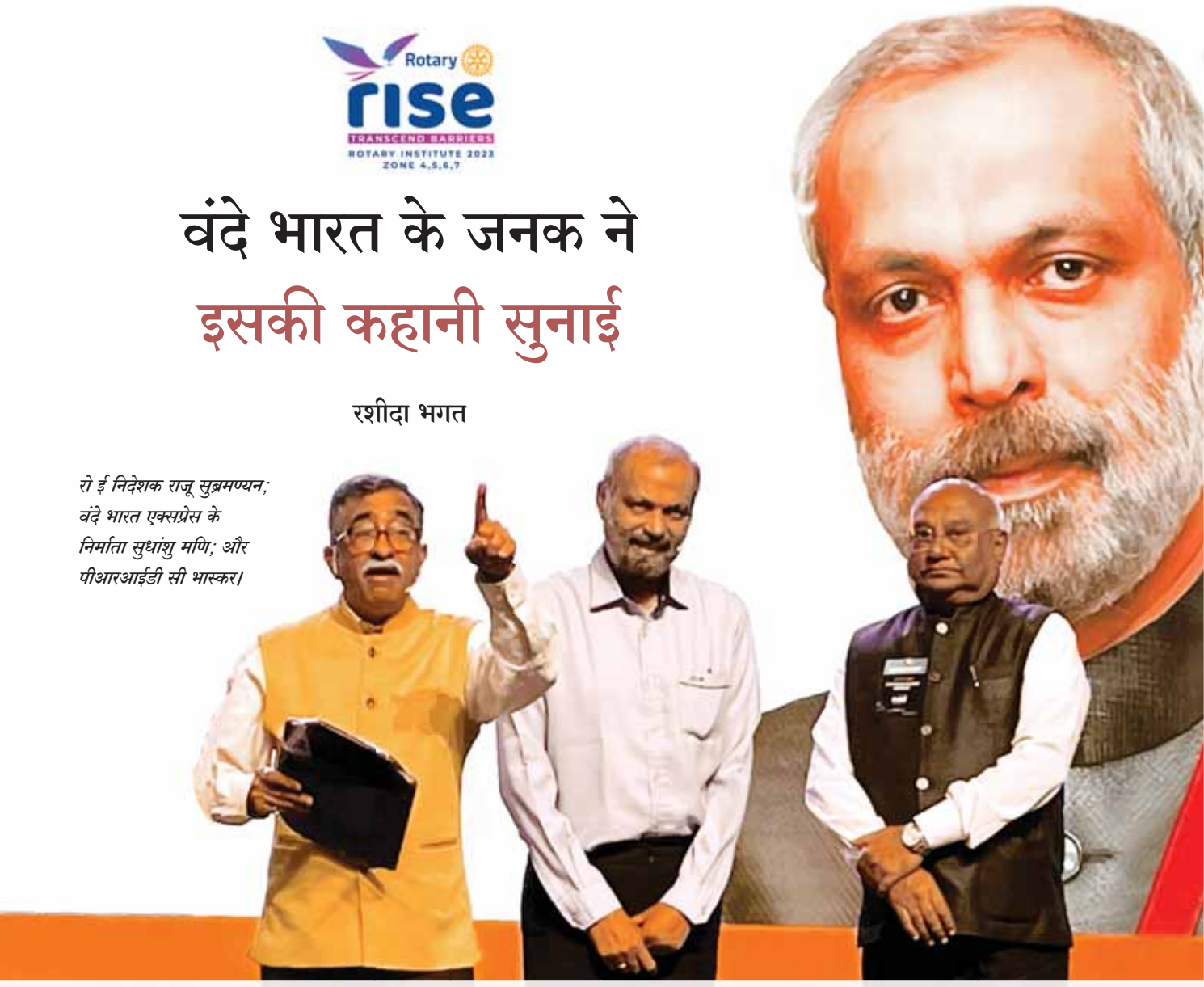

रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन; वंदे भारत एक्सप्रेस के निर्माता सुधांशु मणि; और पीआरआईडी सी भास्कर।

जिन वस्तुओं का हम आयात करते हैं, क्या हम उस स्तर और कोटि के अनुरूप उन का उत्पादन कर सकते हैं, दशकों बाद भी? बड़े बड़े साफ़ शब्दों में इसका उत्तर है नहीं। क्योंकि जब आप प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की बात करते हैं... तो मुझे ये परस्पर विरोधाभासी प्रतीत होती है... प्रौद्योगिकी तो वो है जो निर्माता के दिल और दिमाग में रहती है। उसे स्थानांतरित करने का कोई उपाय नहीं है। विडंबना ये है कि हम बिना सोचे समझे वैश्विक और स्थानीय के बीच फंस गए हैं। सच्चाई कहीं इन दोनों के बीच में है, मैं कहूंगा ये निराशाजनक रूप से स्थानीय के नज़दीक है।''

अपनी आकर्षक बातों से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के मास्टरमाइंड सुधांशु मणि ने बेंगलुरु जोन इंस्टीट्यूट में प्रतिनिधियों का ध्यान बरबस अपनी तरफ खींच लिया। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) के महाप्रबंधक, यह उनका जोश और विश्वास था जिसने 18 महीनों के भीतर पूर्ण स्वदेशी हाई-स्पीड ट्रेन का सपना साकार किया।

सम्मेलन में उपस्थित लोगों से उन्होंने कहा कि ''यदि किसी व्यक्ति को अपना स्वयं का निर्माण करने का , विश्वास है में, तो आप 100 नहीं, बल्कि 110 या 115 प्रतिशत ... जितने सक्षम हैं उससे भी कहीं अधिक दे सकते हैं। लेकिन कुछ भी महत्वपूर्ण हासिल करने के लिए, सबसे पहले आप जो करते हैं उससे प्यार करना होगा। लोगों से, अपने सहकर्मियों से प्यार करें, उस संस्थान से प्यार करें जिसके लिए आप काम करते हैं। यदि आप ये सब नहीं कर सकते, तो फिर रहने दें, छोड़ दें, बशर्ते कि यह कोई रोज़ी-रोटी का गंभीर मसला न हो।''

यह कहते हुए कि मानव संसाधन सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है, वो बोले, ''मैं भारतीय रेलवे को दिल से, पूरी शिद्दत से चाहता हूं, लेकिन दशकों से भारतीय रेलवे ट्रेन की छवि नहीं बदली है। ये वही डिब्बेनुमा चीज़ है... रंग बदल गया है, एसी कोच अधिक जुड़ गए हैं और कुछ नई तकनीक आ गई है। बस इतना ही। मैं हमेशा से यह सोचता था कि हमारा रेल नेटवर्क इतना विशाल है, हम उन्हें इतने

सारे इंजीनियरों के समूह के साथ बनाते हैं, लेकिन भारत को तकनीकी रूप से बेहतर, उन्नत तकनीक वाली भारतीय ट्रेन कब मिलेगी और वंदेभारत की कहानी का का बीज यहीं से पड़ा।''

मणि ने कहा कि परिवर्तन अवश्यम्भावी है लेकिन विगत कुछ दशकों में आईसीएफ में ज्यादा कुछ विशेष नहीं हुआ। ''जवाहरलाल नेहरू के सपने के रूप में 1955 में स्थापित, मेरे जैसे रेलकर्मियों द्वारा वर्तमान तकनीक के ट्रेन कोच बनाने के अलावा, यह बिना किसी विशेष विविधता के ऐसे ही चलता रहा, और तो और इसने एक ही कारखाने में सबसे अधिक संख्या में कोच बनाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है।''

वंदे भारत परियोजना की चर्चा करते हुए, वो बोले कि अपनी सेवानिवृत्ति से लगभग 30 महीने पहले उन्होंने आईसीएफ-चेन्नई के जीएम के रूप में एक पोस्टिंग मांगी थी, जिसका मिलना आसान था क्योंकि यह कोई आकर्षक या लोकप्रिय पद नहीं है! इसे कायम रखते कि जीएम का अधिकार एक बड़ी निजी कंपनी के सीईओ से अधिक होता है, मणि ने कहा: ''आपको जो बड़ा कैनवास दिया गया है, आपके मनपसंद रंगों के एक विशाल पैलेट के साथ; जिसमें आप अपने मर्जी से रंग भर सकते हैं। मैं इस कारखाने में आया और मैंने देखा कि हम आज भी एक सामंतवादी संगठन ही हैं।''

एक सरकारी उद्यम की कार्यप्रणाली के बारे में और इस चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट को कैसे पूरा कर पाए, इसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, रेलकर्मी ने कहा, ''एक सामान्य धारणा के अनुसार, सरकारी उपक्रम (पीएसयू) में लगभग 20 से 25 प्रतिशत लोग इतने स्व-प्रेरित होते हैं कि वे पूरी जिम्मेदारी से संगठन

चेन्नई की 39 महिलाएं, जिनकी उम्र 23 से 57 वर्ष के बीच थी, उन्होंने भारी वेल्डिंग की, भारी सामान उठाया, भारी फिटिंग का काम पूरी तरह से अपने दम पर किया और उन्हें अपने पर गर्व था कि यदि पुरुषों से बेहतर नहीं तो उन के समकक्ष प्रदर्शन अवश्य कर सकती हैं, यह अभूतपूर्व था।

को अपने कंधों पर उठा कर चल सकते हैं। बस आपको उनकी पीठ थपथपाने की जरूरत है। बाकी 75 फीसदी में से दो से तीन फीसदी ऐसे होंगे जो टस से मस नहीं होंगे कोई काम नहीं करेंगे। किसी भी सजा से फर्क नहीं पडेगा; तो सुधारो या बर्खास्त करो।''

अगर सुधार की सम्भावना नहीं है तो भारत सरकार द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करते हुए उन लोगों को नौकरी से निकाल दें, उन्होंने कहा। ''और जैसी कि आम धारणा है, ठीक उस के विपरीत, सरकार में निजी कंपनियों की तुलना में लोगों को बर्खास्त करना आसान है, लेकिन हम ऐसा करते नहीं हैं। हमने 165 लोगों को बर्खास्त किया ताकि बाकी 70 प्रतिशत लोगों में यह संदेश जा सके कि अगर काम नहीं करोगे तो सजा का प्रावधान भी है। हर व्यक्ति जहरीले सांप का सम्मान करता है!''

सरकार में उत्तम विचार और अच्छे लोग हमेशा उपलब्ध हैं लेकिन अफसोस कि उन्हें अवसर नहीं दिया जाता, उन्होंने आगे कहा, ''आपको कुछ सर्वश्रेष्ठ लोगो का चुनाव करना है बस और आपका काम ख़त्म।'' समस्या यह है कि आप किसी को नेता तो बना देते हैं, लेकिन साथ में नियम, कानून, ऑडिट, सतर्कता और न जाने क्या-क्या जोड़ देते हैं। समय आ गया है कि विश्वास को एक अवसर दिया जाए, संभव है कुछ लोग इसका दुरुपयोग करें, लेकिन काम होंगे और मेरा विश्वास कीजिए, भ्रष्टाचार कम हो जाएगा। हमने केवल दो व्यक्तियों पर भरोसा किया; मुख्य अभियंता डिज़ाइन (मैकेनिकल) और मुख्य अभियंता डिज़ाइन (इलेक्ट्रिकल)। हमारे पास जितनी सी अवधि थी, उसमें मैंने कहा कि ''आप जो चाहें, कहीं से भी, कैसे भी, किसी भी स्रोत से खरीद लें, सिंगल, डबल और हमें सफलता मिली।''

लोगों को अधिकार दे कर उन्हें अपना काम करने के लिए सशक्त बना कर, ''उत्पादन में सुधार किये गए और हम भारतीय रेलवे का एकमात्र कार्बन नकारात्मक कारखाना भी बन गए। सौर और पवन ऊर्जा का उपयोग करके,'' उन्होंने कहा।

उन्होंने यौन उत्पीड़न के विषय पर भी कड़ा रुख अपनाया; ''आम तौर पर महिला सशक्तीकरण का बस दिखावा किया जाता है, लेकिन मैंने इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से लिया और कहा कि मैं भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं हूं, मैं एक साधारण प्रशासक हूं, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया कि इस तरह के व्यवहार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' शिकायतों पर, अनौपचारिक जांच की गई, चार घंटे में उन्हें

अनौपचारिक जांच से पता चल गया और ''भारत सरकार द्वारा द्वारा मुझे दिए गए अधिकारों और शक्तियों के अनुसार, मैंने उस व्यक्ति को उसी दिन बर्खास्त कर दिया। जब मुझसे पूछा गया कि कोई जांच क्यों नहीं की, तो मैंने कहा कि मैं नहीं चाहता था कि महिला अधिकारी उस भयावहता से फिर से गुजरे और इसलिए मैं इस आदमी को बर्खास्त कर रहा हूं।''

नतीजा यह हुआ कि दृढ़निश्चयी महिलाओं का एक समूह, जो अपनी क्षमता साबित करना चाहती थीं, उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने का आत्मविश्वास मिला। ''और चेन्नई की 39 महिलाएं, जिनकी उम्र 23 से 57 वर्ष के बीच थी, उन्होंने भारी वेल्डिंग की, भारी सामान उठाया, भारी फिटिंग का काम पूरी तरह से अपने दम पर किया और उन्हें अपने पर गर्व था कि यदि पुरुषों से बेहतर नहीं तो उन के समकक्ष प्रदर्शन अवश्य कर सकती हैं, यह अभूतपूर्व था।''

निस्संदेह, परियोजना को पूरा करने में समस्याएँ और चुनौतियाँ आईं थीं; जैसे भारतीय रेलवे के भीतर चल रहा आंतरिक कलह जिसे दूर करना था ''और फिर हमेशा से, जिन के पास पैसे होते हैं, वो कहते हैं कि यह हम खुद नहीं कर सकते; हमें आयात करना होगा।''

लेकिन इन नकारात्मकताओं के विपरीत, उनकी टीम में बहुत सारे विचार थे, बहुत सारी ऊर्जा थी, बस जरूरत थी इसे सही दिशा देने की । उन्होंने यह भी बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष से आवश्यक अनुमतियां उन्हें किस प्रकार मिलीं... और अंत में कहा कि: ''यदि आप अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं, तो सफलता अवश्य मिलती है... और यह मिली। हमने डिज़ाइन बनाने के लिए सलाहकारों को नियुक्त किया, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए नहीं, जिन्होंने कहा कि इतने बड़े प्रोजेक्ट में अगर आप कॉन्सेप्ट से लेकर डिजाइन तक, इंजीनियरिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक व्यवस्थित तरीके से काम करें तो इसमें 36 से 42 महीने लगेंगे और आप तो दिसंबर 2018 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

लेकिन मैंने कहा कि हम कुछ ऐसा करेंगे जो कभी नहीं किया गया... हम अव्यवस्थित रूप से काम करेंगे। और हम इस ट्रेन को मेरे सेवानिवृत्त होने से पहले ही कैलेंडर वर्ष 2018 में शुरू कर देंगे...और इसलिए इसे ट्रेन 18 नाम दिया गया।''

भाग्य भी साहसी का साथ देता है; परियोजना पूरी हुई और ट्रेन का परीक्षण 180 किमी की गति पर किया गया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया, जिन्होंने वाराणसी और दिल्ली के बीच पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। ''आज ऐसी 45 से अधिक ट्रेन हैं, जिनमें से केवल एक फेल हुई है। हम एक ट्रेन बना रहे थे, सिर्फ एक ट्रेन, यह कोई चंद्रयान, मंगलयान, कोई अंतरिक्ष रॉकेट नहीं था। लेकिन जिस तरह की सराहना और प्यार हमें मिला वह लाजवाब था... यात्रियों, गैर-यात्रियों, मीडिया, जनता से। क्यों, क्योंकि उन्हें लगा कि पहली बार भारतीयों ने भारत द्वारा विशुद्ध रूप से भारत के लिए कुछ निर्मित किया है।'' मणि ने कहा, ''प्रधानमंत्री इस बारे में खूबसूरती से कहते हैं कि यह ट्रेन एक पुनरुत्थानवादी और आकांक्षी भारत का प्रतीक है।'' ■

चित्र: रशीदा भगत

Rotary PEOPLE OF ACTION

विकलांगों की मदद करना

टीम रोटरी न्यूज़

आंध्र प्रदेश के मंगलागिरि में रोटरी क्लब मंगलगिरि, रो ई मंडल 3150 द्वारा आयोजित एक विशेष शिविर में ऊपरी अंगों की विकृति वाले 500 से अधिक व्यक्तियों को एलएन4 कृत्रिम हाथ लगाए गए। शिविर से पहले, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों को कवर करने वाले रो ई मंडल 3150, 3160 और 3020 के रोटेरियन ने अपने क्षेत्र में इसे बड़े पैमाने पर प्रचारित किया, और इससे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु और कर्नाटक के सीमावर्ती जिलों के लोगों को मदद मिली। पहल से लाभ उठाएं।

बेंगलुरु, हैदराबाद, धारवाड़ और जयपुर के तकनीशियनों और मंगलागिरी और गुंटूर के फिजियोथेरेपिस्टों ने व्यक्तियों के लिए कृत्रिम हथियारों को ठीक करने में मदद की और उन्हें इसका उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया।

''हमें कुछ लाभार्थियों द्वारा भेजे गए वीडियो देखकर खुशी हुई, जिसमें उन्हें ट्रैक्टर या दोपहिया वाहन चलाने, कृषि मशीन चलाने और अन्य घरेलू कार्यों को प्रबंधित करने जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए अपने नए फिट एलएन4 हाथों का उपयोग करते हुए दिखाया गया था। वे इस कृत्रिम हाथ से उनके जीवन में आए बदलाव से खुश हैं,'' क्लब अध्यक्ष रेवती नागमल्लेश्वर ने कहा। ₹2 करोड़ की लागत वाले इस शिविर का उद्घाटन डीजी बुसीरेड्डी शंकर रेड्डी ने किया। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

गुजरात में सर्वाइकल कैंसर जांच केंद्र

वी मुत्तुकुमारन

बाएं से: कोल्पोस्कोपी केंद्र के शुभारंभ पर डीजी निहिर दवे अपनी पत्नी वैशाली, प्रोजेक्ट चेयर कल्पना खंडेरिया, रोटरी क्लब भरूच नर्मदा नगरी के अध्यक्ष युवराज सिंह और सचिव अमित तापियावाला।

सर्वाइकल कैंसर की जांच को बढ़ावा देने के लिए रो ई मंडल 3060 गुजरात में सात क्लस्टरों पर कोल्पोस्कोपी केंद्र स्थापित कर रहा है जिनमें से प्रत्येक में 12-14 रोटरी क्लब हैं। रोटरी भवन में स्थित प्रत्येक केंद्र में एक कोलपोस्कोप होगा जो सर्वाइकल कैंसर की जांच करके इसका पता लगाने का प्राथमिक उपकरण है।

डीजी निहिर दवे ने पिछले साल नवंबर में रोटरी क्लब भरूच नर्मदा नगरी में पहली कोल्पोस्कोपी इकाई का उद्घाटन किया; ''तब से हमने ग्रामीण क्षेत्रों में 240 लाभार्थियों - 40-60 आयु वर्ग की 160 महिलाएं; और 16 से 20 आयु वर्ग की 80 स्कूली लड़कियां - तक पहुंचने के लिए चार जांच शिविर आयोजित किए,'' क्लब के अध्यक्ष युवराज सिंह कहते हैं। उन्होंने कोल्पोस्कोप के लिए ₹3.5 लाख का दान दिया। जांच शुरू होने से पहले रोटेरियन डॉक्टर ने एक जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसके माध्यम से ''हमने लड़कियों (9-15 वर्ष) के लिए एचपीवी टीकाकरण और सर्वाइकल कैंसर का जल्द पता लगाने का संदेश घर-घर पहुँचाया,'' वह कहते हैं।

कोल्पोस्कोपी केंद्र का संचालन प्रायोजक क्लब के एक रोटेरियन स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा किया जाता है ''क्योंकि सर्वाइकल, वैजनल या वुल्वर कैंसर के संकेतों का शुरुआती पता लगाने के लिए मशीन का दक्षतापूर्ण उपयोग किया जाना आवश्यक है। मॉनिटर के माध्यम से उचित सर्वाइकल स्थल की पहचान करने के बाद हम बायोप्सी के लिए एक नमूना लेते हैं, परियोजना प्रमुख और प्रिवेनटिव ऑन्कोलॉजिस्ट,'' डॉ कल्पना खंडेरिया बताती हैं। एक पोर्टेबल उपकरण के रूप में कैंसर का पता लगाने वाले शिविरों में जांच के लिए कोलपोस्कोप को आसानी से ले जाया जा सकता है। ''इस प्रकार, कैंसर का शुरुआती पता लगने से, यह सुनिश्चित होता है कि सामयिक उपचार के साथ रोगी पूरी तरह प्रतिशत ठीक हो जाएं। रोटेरियन स्त्री रोग विशेषज्ञों को जांच उपकरण के संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।''

सात क्लस्टरों के प्रत्येक 12-14 क्लब आगामी महीनों में सर्वाइकल कैंसर और मुंह के कैंसर के शुरुआती निदान के लिए एक दिवसीय शिविर आयोजित करेंगे। ''हमें 30 जून के अंत तक हर क्लस्टर में कम से कम 8-10 कैंप लगाने की उम्मीद है। और अगले रोटरी वर्ष (2024-25) में प्रत्येक क्लस्टर में कम से कम 24 शिविर होंगे,'' कैंसर समिति की जिला अध्यक्ष डॉ कल्पना कहती हैं और उनके अस्पताल - डॉ कल्पना कंधेरिया अस्पताल, जामनगर - ने इस परियोजना के तहत एक सेवा कोल्पोस्कोपी केंद्र स्थापित किया है।

अपने अनुभव को याद करते हुए रीना मकवाना (19) कहती हैं, ''मुझे जांच के दौरान सहज महसूस हुआ क्योंकि यह एक दर्द रहित प्रक्रिया थी और मुझे कुछ ही मिनटों में रिपोर्ट मिल गई।'' सेफाली वसावा (42) इस बात से खुश हैं कि ''शिविर में कार्यक्रम स्थल तक परिवहन सहित सब कुछ नि:शुल्क किया गया।'' डीजी दवे को भरूच, राजकोट, जामनगर, वडोदरा, आणंद, वापी और धुलिया, उत्तरी महाराष्ट्र में आयोजित क्लस्टर शिविरों में जुलाई तक 2,000 महिलाओं की जांच होने का विश्वास है।■

STATEMENT ABOUT OWNERSHIP

Statement about ownership and other particulars about *Rotary Samachar* to be published in the first issue of every year after the last day of February

1. Place of Publication	:	Chennai - 600 008
2. Periodicity of its publication	:	Monthly
3. Printer's Name	:	P T Prabhakar
Nationality	:	Indian
Address	:	15, Sivasami Street Mylapore Chennai 600 004
4. Publisher's Name	:	P T Prabhakar
Nationality	:	Indian
Address	:	15, Sivasami Street Mylapore Chennai 600 004
5. Editor's Name	:	Rasheeda Bhagat
Nationality	:	Indian
Address	:	No. 25 Jayalakshmipuram 1st Street Nungambakkam Chennai - 600 034
6. Name and address of individual who owns the newspaper and partner or shareholders holding more than one percent of the total capital	:	Rotary News Trust Dugar Towers, 3rd Floor 34, Marshalls Road Egmore Chennai - 600 008

I, P T Prabhakar, declare that the particulars given are true to the best of my knowledge and belief.

Chennai - 600 008 sd/-

1st March, 2024 P T Prabhakar

Rotary PEOPLE OF ACTION

प्रोजेक्ट क्रिएट होप ने 835 लाभार्थियों को छुआ

वी मुत्तुकुमारन

क्रिएट होप नामक एक बड़े प्रोजेक्ट ने एक साथ विभिन्न क्षेत्रों के 800 से अधिक लोगों की मदद की। यह विजयवाड़ा के अयाना कन्वेंशन हॉल में स्नेहम (जिसका तेलुगु में अर्थ है दोस्ती) नामक मंडल कार्यक्रम के दौरान हुआ। यह रो ई मंडल 3020 द्वारा आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का हिस्सा था। रोटरी सी विजयवाड़ा मिडटाउन द्वारा आयोजित सम्मेलन में लगभग 90 क्लबों के रोटेरियन, उनमें से लगभग 1,200, शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया जो उन्हें एक साथ लायीं।

क्लब के अध्यक्ष साधु प्रसाद ने बताया कि प्रोजेक्ट की शुरुआत कैसे हुई। उन्हें उनके जिला गवर्नर सुब्बाराव रावुरी ने बड़े प्रोजेक्ट लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इसलिए, वे यह दिखाने के लिए एक विचार लेकर आए कि क्लब के प्रत्येक सदस्य ने विभिन्न क्षेत्रों में किसी की मदद की। गंगीसेट्टी जगदीश के नेतृत्व में 10 लोगों की एक टीम ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रसाद के साथ मिलकर काम किया कि हर चीज का ध्यान रखा जाए। उन्होंने ₹25 लाख खर्च करके 835 लोगों को गद्दे, सिलाई मशीन, साइकिल और चिकित्सा सहायता जैसी विभिन्न चीजें प्रदान कीं।

प्रोजेक्ट टीम ने उन लोगों को ढूंढा जिन्हें मदद मिलेगी और सुनिश्चित किया कि सब कुछ तैयार है। उन्हें यह पता लगाना था कि सभी वस्तुओं को अच्छी तरह से कैसे व्यवस्थित किया जाए और सभी लाभार्थियों को एक ही स्थान पर कैसे लाया जाए। वे चाहते थे कि डिस्कॉन के आरआईपीआर पीडीजी सुरेश हरि लोगों को सामान दें।

डीजी सुब्बाराव और रित्तू ग्रोवर ने पीडीजी हरि के साथ मिलकर जरूरतमंद लोगों को अलग-अलग चीजें दीं। उन्होंने सरकारी छात्रावासों में 500 लड़कियों को गद्दे, 50 महिलाओं को सिलाई मशीनें, 60 किसानों को उर्वरक स्प्रेयर, 100 छात्रों को छात्रवृत्ति, 40 लड़कियों को साइकिलें, 15 रोगियों को दवाओं के लिए वित्तीय सहायता, 20 छोटे व्यापारियों को लोहे के बक्से और पाठ्यक्रम दिए- कंप्यूटर कौशल में प्रशिक्षण पूरा करने वाले 50 छात्रों को पूर्णता प्रमाण पत्र। प्रसाद ने उल्लेख किया कि आठ कंप्यूटर प्रशिक्षुओं को पहले ही रोटेरियन के साथ नौकरी मिल

स्कूली लड़कियाँ अपनी साइकिलों के साथ।

डीजी सुब्बाराव रावुरी और ज्योतिर्मयी (बीच में), रोटरी क्लब विजयवाड़ा मिडटाउन के अध्यक्ष साधु प्रसाद (बाएं से दूसरे), पीडीजी सुरेश हरि (बाएं से पांचवें), और अनीता, डीजी रितु ग्रोवर और प्रोजेक्ट चेयर जी जगदीश, सिलाई मशीनें वितरित करते हुए।

गई है, और अन्य को जल्द ही नौकरी की पेशकश मिलने की संभावना है।

17 वर्षीय वाई सत्या ने साइकिल प्राप्त करने के बाद चौड़ी मुस्कान के साथ अपनी खुशी व्यक्त की। उसने उल्लेख किया कि स्कूल आने-जाने में उसका काफी समय बर्बाद हो जाता था, लेकिन अब साइकिल के साथ, वह अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकती है और अन्य गतिविधियों के लिए अतिरिक्त समय निकाल सकती है। 20 वर्षीय छात्रावास निवासी गुर्रम अनुशा एक आरामदायक गद्दा पाकर रोमांचित थी। उन्होंने बताया कि पहले, उबड़-खाबड़ फर्श के कारण लगातार परेशानी होती थी, खासकर मासिक धर्म के दौरान, लेकिन अब वह आराम से सो सकती हैं। एक मध्यम आयु वर्ग के किसान नरसिम्हा राव ने रोटरी द्वारा दान किए गए नए उर्वरक स्प्रेयर से अपनी फसलों को कीटों और कृंतकों से बचाने में विश्वास व्यक्त किया।

विजयवाड़ा के सरकारी अस्पताल के एक मरीज वाई रविकुमार ने अपने इलाज के लिए दवाएँ खरीदने के लिए पैसे उपलब्ध कराने के लिए रोटरी का आभार व्यक्त किया। जगदीश के अनुसार, रविकुमार ने रोटरी के सभी सदस्यों को लाभार्थियों तक पहुंचने के लिए आशीर्वाद दिया और टिप्पणी की कि उनके लिए, रोटेरियन भगवान के समान एक दिव्य उपस्थिति के रूप में प्रकट हुए।

डीजी रितु ग्रोवर और पीडीजी हरि किसानों को उर्वरक स्प्रेयर सौंपते हुए। चित्र में क्लब के अध्यक्ष साधु प्रसाद और डीजी रावुरी भी शामिल हैं।

रोटरी फाउंडेशन दिवस

23 फरवरी को, जो कि रोटरी स्थापना दिवस है, क्लब ने 10 छात्रों को कुल ₹75,000 की छात्रवृत्ति वितरित की। उन्होंने आजीविका कमाने में मदद करने के लिए सात छात्राओं को साइकिलें, सात महिलाओं को सिलाई मशीनें और तीन व्यक्तियों को लोहे के बक्से भी प्रदान किए। इसके अतिरिक्त, विश्व रोटरी दिवस मनाने के लिए, विजयवाड़ा के आइकन पब्लिक स्कूल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।■

रोटरी पीस फ़ेलोशिप के लिए आवेदन करें

रोटरी पीस फ़ेलोशिप प्रोग्राम 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। जमा करने की अंतिम तिथि 15 मई, 2024 है।

- हर साल रोटरी हमारे शांति केंद्रों में से एक में अध्ययन करने के लिए दुनिया भर के समर्पित नेताओं को पूरी तरह से वित्त पोषित फेलोशिप प्रदान करता है। अकादमिक प्रशिक्षण, अभ्यास और वैश्विक नेटवर्किंग अवसरों के माध्यम से, रोटरी शांति केंद्र कार्यक्रम शांति और विकास पेशेवरों या अभ्यासकर्ताओं की क्षमता विकसित करता है शांति के लिए अनुभवी और प्रभावी उत्प्रेरक बनें। 2002 में कार्यक्रम शुरू होने के बाद से, केंद्रों ने 1,600 से अधिक अध्येताओं को प्रशिक्षित किया है जो अब 140 से अधिक देशों में काम करते हैं। रोटरी पीस फ़ेलोशिप शांति और विकास में कार्य अनुभव वाले नेताओं के लिए डिज़ाइन की गई है। प्रत्येक वर्ष रोटरी फाउंडेशन प्रमुख विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री के लिए 50 और सर्टिफिकेट अध्ययन के लिए 40 फ़ेलोशिप प्रदान करता है।
- फेलोशिप ट्यूशन और फीस, कमरा और भोजन, राउंड-ट्रिप परिवहन, और सभी इंटर्नशिप और फील्ड-स्टडी खर्चों को कवर करती है।

फ़ेलोशिप विवरण

मास्टर डिग्री कार्यक्रम

स्वीकृत उम्मीदवार अनुसंधान-आधारित शिक्षण और एक विविध छात्र निकाय के साथ शांति और विकास के मुद्दों का अध्ययन करते हैं। कार्यक्रम 15 से 24 महीने तक चलते हैं और इसमें दो से तीन महीने का क्षेत्रीय अध्ययन शामिल होता है, जिसे प्रतिभागी स्वयं डिज़ाइन करते हैं।

व्यावसायिक विकास प्रमाणपत्र कार्यक्रम

रोटरी पीस फ़ेलोशिप के हिस्से के रूप में एक साल के मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम के दौरान, विविध पृष्ठभूमि वाले अनुभवी शांति और विकास पेशेवर अपने समुदायों और दुनिया भर में शांति को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक कौशल हासिल करते हैं। अध्येता क्षेत्र का अध्ययन और डिज़ाइन पूरा करते हैं और एक सामाजिक परिवर्तन की पहल करते हैं। यह कार्यक्रम कामकाजी पेशेवरों के लिए है। कार्यक्रम के पूरा होने पर अध्येता स्नातकोत्तर डिप्लोमा अर्जित करते हैं।

पात्रता

उम्मीदवारों को चाहिए

- अंग्रेजी में दक्ष हों।
- स्नातक की डिग्री हो।
- नेतृत्व की क्षमता हो।
- अंतर-सांस्कृतिक समझ और शांति के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता रखें जैसा कि पेशेवर और शैक्षणिक उपलब्धियों और व्यक्तिगत या सामुदायिक सेवा के माध्यम से दिखाया गया है।
- यदि आप एक सक्रिय रोटरी सदस्य या रोटरी क्लब, रोटरी इंटरनेशनल, या किसी अन्य रोटरी इकाई के कर्मचारी हैं तो आप पात्र नहीं हैं।
- उम्मीदवारों को अपने सबसे हालिया शैक्षणिक डिग्री कार्यक्रम (स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री) के पूरा होने और फेलोशिप के लिए उनकी इच्छित आरंभ तिथि के बीच कम से कम तीन साल का अंतर होना चाहिए।

मास्टर डिग्री प्रोग्राम के लिए उम्मीदवारों के पास शांति या विकास कार्य में कम से कम तीन साल का पूर्णकालिक प्रासंगिक अनुभव होना चाहिए।

प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए उम्मीदवारों को यह करना होगा

- शांति या विकास कार्य में कम से कम पांच साल का पूर्णकालिक प्रासंगिक अनुभव हो।
- यह समझाने में सक्षम हों कि शांति को बढ़ावा देने की उनकी योजना रोटरी के मिशन के साथ कैसे मेल खाती है।
- मेकरेरे विश्वविद्यालय के लिए उम्मीदवार: या तो अफ्रीका से हों, अफ्रीका में काम किया हो, या महाद्वीप के बाहर अफ्रीकी समुदायों या पहलों के साथ काम किया हो।
- बहसेसीर विश्वविद्यालय, इस्तांबुल, तुर्की में प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए उम्मीदवार, या तो मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका से होना चाहिए, इस क्षेत्र में काम किया हो, दुनिया भर में कहीं और समुदायों या मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका से संबंधित पहल के साथ काम किया हो।
- वर्तमान में स्नातक या स्नातकोत्तर कार्यक्रम में नामांकित उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।
- रोटरी पीस फेलो, जिन्होंने मास्टर डिग्री प्रोग्राम या ग्लोबल ग्रांट स्कॉलरशिप पूरी कर ली है, उन्हें उस प्रोग्राम की समाप्ति तिथि और फेलोशिप के लिए उनकी इच्छित आरंभ तिथि के बीच तीन साल तक इंतजार करना होगा।
- हम विकलांग लोगों और अन्य विविध पृष्ठभूमि वाले लोगों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। रोटरी विकलांग लोगों को आवश्यकतानुसार उचित आवास प्रदान करता है।

इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 15 मई, 2024 तक ऑनलाइन (*https://my.rotary.org/en/ peace-fellowship-application*) आवेदन कर सकते हैं। रोटरी एंडोर्सर्स को 1 जुलाई तक टीआरएफ को एंडोर्समेंट जमा करना होगा।

फैलोशिप घटक

- **शैक्षणिक प्रशिक्षण:** शांति और विकास के लिए अनुसंधान-आधारित सिद्धांत और दृष्टिकोण सीखें।
- **व्यावहारिक क्षेत्र का अनुभव:** स्व-डिज़ाइन किए गए, दो से तीन महीने के क्षेत्र के अनुभव के माध्यम से व्यावहारिक कौशल का निर्माण करें।
- **नेटवर्किंग:** शिक्षाविदों, शांति कार्यकर्ताओं और रोटरी सदस्यों के अपने वैश्विक नेटवर्क का विस्तार करें।
- **कार्यशाला श्रृंखला:** शांति निर्माण और विकास में पेशेवर कौशल विकसित करना।
- **अंतिम सेमिनार:** अपने मास्टर का शोध प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी के लिए, रोटरी पीस फ़ेलोशिप प्रोग्राम 2025-26 की आधिकारिक अधिसूचना के लिए *https://www.rotary.org/en/our-programs/peace-fellowships*

Rotary PEOPLE OF ACTION

जिला परिषद स्कूल में बुनियादी ढांचे में सुधार

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब मुंबई बोरीवली ईस्ट के अध्यक्ष प्रकाश निर्मल स्कूल में नई इमारत का उद्घाटन करते हुए।

रोटरी क्लब मुंबई बोरीवली ईस्ट, आरआईडी 3141 ने सरसुन गांव, ताल जवाहर, पालघर में जिला परिषद स्कूल में एक नई इमारत का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य स्कूल में शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ाना है, जिसमें 10,000 वर्ग फुट में 10 विशाल कक्षाओं का निर्माण शामिल है। क्लब को मोमेंटिव मटेरियल्स परफॉर्मेंस से समर्थन मिला, जिन्होंने ₹ 70 लाख का योगदान दिया। उद्घाटन के अवसर पर ठाकुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के क्लब और रोटारैक्ट क्लब के सदस्य उपस्थित थे।■

रो ई अध्यक्ष का श्रीलंका दौरा

(दाएं से) आरआईडी राजू सुब्रमण्यन, पीआरआईपी के आर रवींद्रन, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, हेतर, वानती रवींद्रन और विद्या सुब्रमण्यन।

नीचे बाएं से: *आरआईडी सुब्रमण्यन और विद्या, रो ई मंडल 3201 के पीडीजी सुनील ज़कारिया और उनकी पत्नी आशा के साथ; पीआरआईपी रवींद्रन, वानती और डीजी जेरोम राजेंद्रम (दाएं) के साथ अध्यक्ष मेकिनली और हेतर।*

ऊपर से: (बाएं से) विद्या, आरआईडी सुब्रमण्यन, रो ई मंडल 3220 की पीडीजी गौरी राजन, पीआरआईपी रवींद्रन, पीआरआईडी ए एस वेंकटेश और रो ई मंडल 2982 के पीडीजी सी शिवज्ञानसेल्वम; हेतर और अध्यक्ष मेकिनली।

(बाएं से) पीआरआईपी रवींद्रन, मालींन कामदार, अलागम्मई, रो ई मंडल 2981 के पीडीजी ए अलगप्पन, रोशिनी (डीजीई सुशेना रणतुंगा की जीवन साथी), वानती और रो ई मंडल 3232 के पीडीजी जेबी कामदार।

ऊपरः (दाएं से) मालींन, पीडीजी गण कामदार, गौरी और ज़कारिया; और आशा;
दाएंः वानती, हेतर और एंजेलिन राजेंद्रम।

ऊपर बाएं से: (बाएं से) डीआरआर साथमा जयसिंघे, पीडीजी पुबुदु डी ज़ोयसा, मार्शाद बेरी (रोटरी क्लब कोलंबो नॉर्थ), डीआईआर अमीर अक्रम, आरआईडी सुब्रमण्यन और रो ई अध्यक्ष मेकिनली; पीआरआईपी रवींद्रन, आरआईडी सुब्रमण्यन, विद्या, पीआरआईडी वेंकटेश और अध्यक्ष मेकिनली; आरआईडी सुब्रमण्यन और विद्या के साथ अध्यक्ष मेकिनली और हेतर।

दाएं: अध्यक्ष मेकिनली, वानती और हेतर।

नीचे: (दाएं से) डीजी राजेंद्रम, अध्यक्ष मेकिनली, डीआरसीसी सोहन परेरा, रोटरेक्टर अमजद यूसुफ, आरआईडी सुब्रमण्यन, डीआईआर अमीर अक्रम, पीडीजी पुबुडु डी ज़ोयसा, डीआरआर साथमा जयसिंघे और मंडल इंटरेक्ट कमेटी के अध्यक्ष मंजुला एस रत्नसेकेरा।

चित्र: रशीदा भगत; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

ट्रांसजेंडरों को चेन्नई में सम्मानित किया गया

रशीदा भगत

चेन्नई में श्री कृष्णास्वामी कॉलेज फॉर विमेन के रोटरेक्ट क्लब द्वारा आयोजित *माट्रम्* ट्रांसजेंडर पुरस्कार समारोह में मंच पर आसीन तमिलनाडु के रामनाथपुरम की एक वरिष्ठ ट्रांसवुमन नूरी सलीम ने सम्मानित किये जाने वालों में स्थान बनाया, जिसे वर्षों के सामाजिक दबाव, ताने और अन्य सभी प्रकार के अपमान और भेदभाव का सामना करना पड़ा, और लंबी लड़ाई लड़ने के बाद सफलता मिली। वो भी, संक्रमण के कारण परिवारों द्वारा छोड़े गए 300 से अधिक एचआईवी पॉजिटिव बच्चों के घर के निर्माण के लिए।''

सिर्फ चार साल की थी नूरी जब उसने अपनी मां को खो दिया था और 13 वर्ष की उम्र में वो घर छोड़ कर भाग गई थी, जब उसके पिता सहित परिवार के अन्य सदस्य इस सत्य को अपना नहीं सके कि वह एक ट्रांसजेंडर थी और आये दिन उसे प्रताड़ित किया जाता था। वह हिजड़ों के झुण्ड में शामिल हो गई और शादियों में नाचने, बच्चों के जन्म आदि कार्यों से आजीविका कमाने लगी, लेकिन यह एक निरंतर आय का स्रोत नहीं था और एक अच्छी नौकरी पाने के उसकी सभी कोशिशें बेकार हो गईं क्योंकि उसे 'सामान्य' नहीं समझा जाता था।

और कोई चारा नहीं था और वह एक यौनकर्मी बन गई और 34 साल की उम्र में उसे पता चला कि वह एचआईवी पॉजिटिव है, इस स्थिति से पीड़ित होने वाली पहली महिलाओं में से एक बन गई। लेकिन अपनी सभी चुनौतियों और तकलीफों के बावजूद, नूरी ने एसआईपी मेमोरियल की स्थापना करके एचआईवी पॉजिटिव बच्चों को परामर्श देने और रहने के लिए एक सुरक्षित जगह का निर्माण किया। कई पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी नूरी कहती हैं, ''मुझे 1987 में एचआईवी पॉजिटिव पाया गया था, लेकिन आज 37 साल बाद भी मैं ज़िंदा हूं, यह इस बात का प्रमाण है कि यह भी एक प्रकार का संक्रमण है जिसे दवाओं से प्रबंधित किया जा सकता है।''

पुरस्कार के छह अन्य प्राप्तकर्ता थे के मीनाक्षी (ललित कला), सत्या श्रीशर्मिला (कानून), इनबा इग्नाटियस (परोपकारिता), प्रिया (सिनेमा), प्रज्ञा (विमानन) और काव्या लांबा (व्यवसाय प्रबन्धन)।

माट्रम् कार्यक्रम, जिसमें तमिलनाडु के इन सात ट्रांसजेंडरों को सम्मानित किया गया था, रोटरी क्लब मद्रास एस्प्लेनेड, रो ई मंडल 3232 द्वारा प्रायोजित था, और ''हमें लगा कि हमें सात असाधारण ट्रांसजेंडरों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को लोगों के सामने लाकर उन्हें सम्मानित करना चाहिए, जो उनके लचीलेपन और विपरीत परिस्थितियों पर विजय का द्योतक हैं,'' क्लब अध्यक्ष परेश जानी ने बताया।

कॉलेज के रोटरेक्ट क्लब की अध्यक्ष दुर्गाश्री ने कहा कि ''परिवर्तित और विकासशील हो रहे सामाजिक मानदंडों की पृष्ठभूमि में, *माट्रम्* पुरस्कार हमारे समुदाय में समावेशिता और समानता को बढ़ावा देने की दिशा में हो रही प्रगति का महत्वपूर्ण

रोटरेक्ट क्लब कृष्णास्वामी कॉलेज की सचिव मुनिप्रिया (दाएं से तीसरी) पुरस्कार विजेताओं (बाएं से) प्रज्ञा, काव्या लांबा, इंबा इग्नाटियस, नूरी, सत्यश्री शर्मिला और प्रिया के साथ।

रोटरी क्लब मद्रास एस्प्लेनेड के अध्यक्ष परेश जानी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं और सभी भाग लेने वाले क्लबों के सदस्यों के साथ।

कदम है। जानी ने बताया कि कार्यक्रम कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया था, और यह स्थान विविधता का जश्न मनाने और समाज में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अमूल्य योगदान को उजागर करने के लिए इसने एक शक्तिशाली मंच के रूप में कार्य किया । हमने विभिन्न क्षेत्रों में उनके दृढ़ संकल्प और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उनका सम्मान किया।''

ट्रांसजेंडर समुदाय के अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं में से एक सत्यश्री शर्मिला थीं, जो कथित तौर पर भारत की पहली ट्रांसजेंडर वकील हैं। उनकी यात्रा भी ऐसे सामाजिक विसंगतियों, अपमान, यातना और अन्य कठिनाइयों से भरी हुई

इस तरह के आयोजन और प्रदर्शन से समाज में जागरूकता फैलाने में मदद मिलती है जहां ट्रांसजेंडरों को अपने जीवन जीने के अधिकार के लिए भेदभाव और अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

प्रज्ञा, पुरस्कार विजेता

थी जो मअन्यफ को स्वीकार करने से इनकार करती है, लेकिन उन्होंने 2018 में बार काउंसिल ऑफ तमिलनाडु और पुडुचेरी में नामांकित होने के लिए इन सभी बाधाओं को पार कर लिया।

22 वर्षीय प्रज्ञा एक ड्रोन पायलट है। *रोटरी न्यूज* से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि एक लड़के के रूप में, उन्हें अपनी स्थिति के बारे में तब जानकारी हुई जब वह 7वीं कक्षा में थीं। ''मुझे बदलने के लिए माता-पिता का दबाव हमेशा था, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी । कम से कम आजकल, कुछ माता-पिता ट्रांसजेंडर बच्चों को स्वीकार कर रहे हैं लेकिन पहले के वर्षों में समाज में बहुत अधिक प्रतिरोध और नकारात्मकता व्याप्त थी। नतीजा, मुझे भी घर छोड़ना पड़ा।''

वर्तमान में वह छह अन्य ट्रांसजेंडरों के साथ रहती है, ''उनमें से तीन ट्रांसमहिलाएं हैं और तीन ट्रांसपुरुष हैं। हम एक किराए के स्थान पर एक ट्रांसजेंडर समुदाय के रूप में रहते हैं, इसे दिलाने में एक ट्रांसजेंडर की मां ने हमारी सहायता की थी। चेन्नई में हमारे लिए रहने के लिए जगह मिलना भी बहुत मुश्किल है; कोई भी हमें अपनी जगह नहीं देना चाहता,'' प्रज्ञा कहती हैं।

वह ड्रोन पायलट के रूप में प्रशिक्षण लेना चाहती थी; यह केवल 10 दिनों का छोटा कोर्स है और इसकी लागत 75,000 रुपये प्लस जीएसटी है। एक निजी ट्रस्ट ने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से संपर्क किया और उन्होंने 15 लोगों का प्रशिक्षण को प्रायोजित किया, जिसमें चार ट्रांसवुमेन और पांच ट्रांसमैन शामिल थे। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से शीर्ष चार छात्रों में उभरकर, वह अब एक निजी कंपनी में तकनीकी सहायक के रूप में कार्यरत हैं।

जानी ने कहा कि चेन्नई के कई रोटरी क्लब समाज में समावेशिता और विविधता का समर्थन करने के लिए हमारे साथ आए, वे रोटरी क्लब मद्रास एस्प्लेनेड, मद्रास कॉसमॉस, मद्रास नुंगमबक्कम, गुम्मिडिपोंडी इंडस्ट्रियल सिटी और मद्रास फोर्ट थे। रो ई मंडल 3232 डीईआई अध्यक्ष बारबरा बेदी, और अन्य सहयोगी क्लबों के कई रोटेरियन समारोह में मौजूद थे।

दुर्गाश्री ने कहा, ''इन उत्कृष्ट व्यक्तियों ने न केवल चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया है, बल्कि दूसरों के लिए आशा और प्रेरणा की किरण बनकर उभरे हैं, और उनका योगदान हमारे समाज की उन्नत होती मानसिकता का एक प्रमाण है, जो समावेश और विविधता को पूरे दिल से अपनाता है। आज जब हम इन उल्लेखनीय व्यक्तियों की उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं, आइए हम एक अधिक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण दुनिया का निर्माण करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताएं।''

प्रज्ञा के आखिरी शब्द; रोटरी से मान्यता मिलने पर बेहद खुश हुई, बोली, ''मैं रोटेरियन और रोटरेक्टर्स की आभारी हूं कि उन्होंने हमें यह सम्मान दिया, पहचान दी। स्वयं अपने से अधिक, हम सम्पूर्ण ट्रांसजेंडर समुदाय की ओर से इस सम्मान को स्वीकार करते हैं क्योंकि इस तरह के आयोजन और प्रदर्शन से समाज में जागरूकता फैलाने में मदद मिलती है जहां ट्रांसजेंडरों को अपने जीवन जीने के अधिकार के लिए भेदभाव और अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।'' ■

रोटरी न्यूज़ की सदस्यता लें

1. रोटरी वर्ष (जुलाई से जून) के लिए सदस्यता।
2. प्रत्येक रोटेरियन के लिए रोटरी पत्रिका की सदस्यता लेना अनिवार्य है।
3. प्रिंट संस्करण के लिए वार्षिक सदस्यता ₹480 और ई-संस्करण के लिए ₹420 प्रति सदस्य है।
4. पूरे वर्ष के लिए सदस्यता निर्धारित प्रपत्र में जुलाई में भेजी जानी चाहिए।
5. जुलाई के बाद शामिल होने वाले लोग शेष रोटरी वर्ष के लिए प्रिंट संस्करण के लिए ₹40 प्रति अंक और ई-संस्करण के लिए ₹35 का भुगतान कर सकते है।
6. *रोटरी न्यूज़* के साथ क्लब का सदस्यता खाता निरंतर चलता रहता है और यह हर साल जून के अंत में समाप्त नहीं होता।
7. *पिन कोड, मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी* सहित उनके पूर्ण डाक पते के साथ सभी सदस्यों के नाम, फॉर्म और सममूल्य पर देय डीडी/चेक के साथ भेजे जाने चाहिए। GPAY या नेटबैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन ट्रांसफर किया जा सकता है। जब आप ऑनलाइन भुगतान करें तो हमारे साथ तुरंत ही व्हाट्सएप (9840078074) या ईमेल (rotarynews@rosaonline.org) द्वारा UTR नंबर के साथ आपके क्लब का नाम और भुगतान की गई राशि साझा करें। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो आपका भुगतान हमारे रिकॉर्ड में अपडेट नहीं हो पाएगा और आपका क्लब बकाया दिखाएगा।
8. सदस्य के नाम के साथ भाषा वरीयता *(अंग्रेजी, हिंदी या तमिल)* का उल्लेख किया जाना चाहिए।
9. नियमित रूप से पत्रिका प्राप्त करने के लिए हर साल सीधे तौर पर *रोटरी न्यूज़* के साथ अपने सदस्यों का सही पता और संपर्क विवरण अपडेट करें। *रो ई हमारे साथ सदस्यता विवरण साझा नहीं करता है।*

10. सदस्यों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनके नाम उनके क्लब द्वारा भेजी जाने वाली ग्राहक सूची में शामिल हो। यदि आपने भुगतान किया है लेकिन आपका नाम आपके क्लब द्वारा हमें नहीं भेजा गया है तो आपको पत्रिका की प्रति प्राप्त नहीं होगी।
11. क्लबों को हमें सदस्यता की स्थिति में हुए किसी भी संशोधन के बारे में **तुरंत** अपडेट करना चाहिए ताकि हम नए सदस्यों को पत्रिका पहुँचा सकें।
12. यदि आपको अपनी मुद्रित प्रति प्राप्त नहीं हुई है जिसकी आपने सदस्यता ली थी, तो अपने क्लब के अध्यक्ष से जांचें करें की क्या आपके क्लब ने ई-संस्करण का विकल्प चुना है।
13. रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के पास मौजूद सूची के अनुसार हम जितनी संख्या में पत्रिकाएं भेजते है उनके भुगतान के लिए क्लब उत्तरदायी है।
14. क्लब के अदत्त बकाये को क्लब के बकाया के रूप में दिखाया जाएगा। बाद में प्राप्त किसी भी भुगतान को पहले के बकाए के साथ समायोजित किया जाएगा।
15. सदस्यता बकाया वाले क्लबों की जानकारी रो ई के साथ साझा की जाएगी जो उनके निलंबन का कारण बन सकता है।
16. हम नियमित रूप से क्लबों द्वारा भेजी जाने वाली हमारे ग्राहकों की सूची को रो ई के डेटा के साथ सत्यापित करते है ताकि छूटे हुए ग्राहकों का पता लगाया जा सके
17. यदि किसी सदस्य को एक महीने से पत्रिका प्राप्त नहीं हुई है तो हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम इस समस्या को हल कर सकें। पत्रिकाओं को रियायती बुक-पोस्ट के माध्यम से भेजा जाता है; इसलिए डाक की ट्रैकिंग संभव नहीं है। यदि आपके क्लब ने हमें आपकी सदस्यता के बारे में जानकारी नहीं दी है तो हो सकता है कि आपको आपकी प्रति प्राप्त ना हो। इसलिए ग्राहकों की सूची में अपने नामांकन का पता लगाने के लिए अपने अध्यक्ष या RNT से संपर्क करें।
18. कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में क्लब थोक में प्रतियां प्राप्त करने का विकल्प चुन सकते है। अतिरिक्त शुल्क लागू होगा।

अनुपालन नहीं करने वाले क्लबों को रो ई द्वारा निष्कासित किया जाएगा

1 जुलाई, 2022 से रो ई बोर्ड ने अपनी *रोटरी कोड ऑफ पॉलिसीज़* में ऐसे रोटरी क्लबों को निष्कासित करने का प्रावधान शामिल किया है जो रोटरी पत्रिका की सदस्यता नहीं लेते हैं। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर को सूचित करने के बाद इसका अनुपालन न करने वाले क्लबों से संबंधित एक त्रैमासिक रिपोर्ट हमारे कार्यालय द्वारा रो ई को भेजी जा रही है। इन क्लबों को **90 दिन की छूट दी जाती है** उसके बाद भी क्लब इसका अनुपालन नहीं करेंगे तो उन्हें रो ई द्वारा निलंबित कर दिया जाएगा।

180 दिनों तक निलंबित रहने और अनुपालन न करने वाले क्लबों को रो ई को सूचित करने के बाद RNT एक स्मरण पत्र भेजता है जिसमें यह लिखा होता है कि ''बोर्ड अपने विवेक पर इस क्लब को निष्कासित कर सकता है।''

क्लब अध्यक्ष कृपया अपने सदस्यों से *रोटरी न्यूज़* की सदस्यता लेने का आग्रह करें और भारत की रोटरी गतिविधियों की सम्पूर्ण तस्वीर देखें। **रो ई आपके PETS/GETS पाठ्यक्रम में अनिवार्य सदस्यता लेने के बारे में जानकारी शामिल करने की सिफारिश करता है।■**

रो ई मंडल 3055 डीजी मेहुल राठौड़ (बीच में, पीछे की पंक्ति) रोटरी क्लब अहमदाबाद सर्वम के सदस्यों और पुरस्कार विजेताओं के साथ।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक भव्य गुजराती प्रदर्शनी

टीम रोटरी न्यूज़

गुजरातियों को निपुण धन प्रबंधन के लिए जाना जाता है और रोटरी क्लब अहमदाबाद सर्वम, रो ई मंडल 3055 ने अपनी हालिया पहल, एक दिवसीय *सर्वम बाज़ार* के साथ इस सहज कौशल का प्रदर्शन किया। क्लब की चार्टर अध्यक्ष गीतिका सलूजा के स्वामित्व वाले एक फर्नीचर स्टोर, बोहो होम्स में आयोजित यह बाजार सदस्यों की संसाधनशीलता का प्रमाण था।

प्रदर्शनी स्थल पर प्रतिभागी।

सीमित संसाधनों के बावजूद क्लब ने इसकी पहुँच को अधिकतम करने के लिए एक रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाया। गीतिका गर्व से कहती हैं कि ''अपने स्वयं के स्थान का प्रयोग करने और स्वयंसेवकों के रूप में रोटेरियनों को शामिल करने से लागत कम हो गई।''

60 से अधिक प्रदर्शकों वाले इस कार्यक्रम ने लगभग 300 आगंतुकों को आकर्षित किया। रंग-बिरंगे स्टॉलों पर विविध प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित की गईं। स्टॉल की फीस नाममात्र रखी गई थी, जो ₹2,000 से शुरू होती थी; कुछ स्टॉल ₹1,000 के रियायती दरों पर पेश किए गए थे जबकि कुछ अन्य योग्य प्रतिभागियों के लिए नि:शुल्क भी दिए गए थे, वह कहती है।

क्लब ने प्रत्येक प्रदर्शक से कार्यक्रम की पहुंच को व्यापक बनाने के लिए कम से कम 10 लोगों को आमंत्रित करने का आग्रह किया। बाजार का दौरा करने वाले डीजी मेहुल राठौड़ ने क्लब को हमारे समुदाय की बढ़त और स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करने हेतु इस अभिनव परियोजना के लिए बधाई दी।

इस कार्यक्रम में नौ पेशेवरों को व्यावसायिक सेवा पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी के तुरंत बाद चार प्रदर्शकों को क्लब में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

पनवेल में रोटरी जंगल-गार्डन

वी मुत्तुकुमारन

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में पनवेल शहर के बाजार प्रांगण के पास, दो एकड़ का शहरी जंगल - रोटरी घंडत (मराठी में घना) जंगल - एक फ्रंटल पार्क के साथ उग आया है, रोटरी क्लब पनवेल सेंट्रल, रो ई मंडल 3131 और इस हरे रंग के लिए धन्यवाद यह हब स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

खुशी से झूमते हुए, क्लब के अध्यक्ष रतन खारोल याद करते हैं, ''लंबे समय तक, पनवेल के मध्य में यह जगह बिना किसी पेड़ या वनस्पति के बंजर थी। लेकिन 4,300 जंगली पेड़ों वाले मियावाकी जंगल को विकसित करने और इसके एक छोटे से हिस्से को एक खूबसूरत रोटरी गार्डन में तब्दील करने के बाद, हमने शहर के लिए एक नया मील का पत्थर बनाया है।'' यह उद्यान बच्चों के लिए खेल उपकरण, जॉगर्स ट्रैक और शाम को आराम करने और गपशप करने के लिए बड़ों के लिए 10 कंक्रीट बेंचों से परिपूर्ण है। पिछले वर्ष में, शहरी वन को आठ महीनों में डिजाइन और पूरा किया गया था; और ''हम इसका श्रेय पीडीजी गिरीश गुने को देते हैं जिन्होंने परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान हमारा मार्गदर्शन किया।''

जंगल और रोटरी गार्डन को 'रिकॉर्ड समय' में विकसित किया गया था क्योंकि यह दोनों परियोजनाओं के लिए दान करने वाले रोटरी सदस्यों और उनके परिवारों के साथ एक पूर्ण टीम वर्क था। रोटरी जंगल के लिए 90 लाख रुपये की परियोजना लागत में से, सदस्यों और उनके परिवारों ने ₹60 लाख का योगदान दिया, और शेष राशि तीन कंपनियों के सीएसआर अनुदान से पूरी की गई। इसी तरह, पार्क (₹65 लाख) के लिए, रोटेरियन और उनके रिश्तेदारों ने ₹37 लाख लगाए, और शेष ₹28 लाख सीएसआर अनुदान के माध्यम से आए। जो कभी एक सुनसान, 'नो-गो' जोन था, अब रोटरी गार्डन के साथ एक आकर्षक स्थान बन गया है, जिसमें रोजाना कम से कम 1,000 आगंतुक आते हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल होते हैं जो खेल उपकरण के लिए वहां आते हैं।

जब पनवेल नगर निगम (पीएमसी) ने रोटरी को जमीन उपहार में दी, तो यह सहमति हुई कि क्लब नागरिक निकाय को ग्रीन हब वापस करने से पहले तीन साल तक जंगल-सह-पार्क का रखरखाव करेगा। खारोल मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''अब स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया और जिस तरह से हम पार्क का रखरखाव कर रहे हैं, उसे देखने के बाद, निगम हमारे स्वामित्व को सात साल के लिए बढ़ाना चाहता है।'' क्लब को दो सुरक्षा गार्डों के वेतन, पंप सेट के रखरखाव, बिजली शुल्क और पेड़ों को पानी देने और परिसर की दैनिक सफाई पर होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए ₹40,000 का मासिक व्यय करना पड़ रहा है। ■

रोटरी गार्डन के उद्घाटन पर पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर (बीच में), पीडीजी गिरीश गुणे (बाएं से चौथे), उनके बाएं क्लब के अध्यक्ष रतन खारोल, सचिव अनिल खांडेकर (दाएं से 5वें), और पनवेल विधायक प्रशांत ठाकुर (दाएं से तीसरे) के साथ।

चंडीगढ़ में टीबी रोगियों को पोषण पैक

टीम रोटरी न्यूज़

तपेदिक के खिलाफ सरकार की लड़ाई के अनुरूप, रोटरी क्लब चंडीगढ़ मिडटाउन, रो ई मंडल 3080, टीबी से पीड़ित रोगियों को पोषण बैग के मासिक वितरण के माध्यम से हल्लोमाजरा गांव में इस बीमारी को खत्म करने का प्रयास कर रहा है।

क्लब की सामुदायिक सेवा निदेशक मंजुश्री शर्मा ने अपनी टीम के नेतृत्व में इस गांव में रोगियों के बीच टीबी और दवा के अनुपालन की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा की। *परियोजना सखा* के तीसरे दौर में कुल 21 पोषण पैक वितरित किए गए। और इस महीने का पैकेज हमारे सदस्य डॉ अनुराग शर्मा के मित्र मनिंदर द्वारा प्रायोजित किया गया था,'' क्लब सचिव अनुप शर्मा ने कहा। पोषण पैक के वितरण के अवसर पर राज्य टीबी सेल, चंडीगढ़ के अधिकारी भी उपस्थित थे।

सर्दी की रातों से बचाव के लिए चंडीगढ़ के विभिन्न इलाकों में *प्रोजेक्ट गर्माहट* के तहत तीन दिनों के लिए रोटरेक्टर्स की मदद से कम सुविधा प्राप्त परिवारों के लिए लगभग 100 कंबल और मोज़े वितरित किए गए। इसके अलावा, परियोजना टीम ने लोहड़ी के मौसम की भावना का आनंद लेने के लिए मूंगफली, पॉपकॉर्न और रेवड़ी, एक मीठी गेंद से युक्त 100 खाद्य पैकेट दिए।

टीबी से पीड़ित महिला को पोषण किट दी गयी।

रोटरी वोकेशनल सेंटर हरिपुर में छह महीने का ब्यूटी टेक्नीशियन कोर्स पूरा करने वाली लड़कियों को प्रमाणपत्र दिए गए। उनमें से कुछ को ब्यूटी पार्लरों में सहायक तकनीशियन के रूप में प्लेसमेंट मिला है। दीक्षांत समारोह में एफपीएआई केंद्र की अध्यक्ष अनीता बत्रा मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष जीतन भांबरी, वोकेशनल सर्विस के निदेशक अनुपम जैन और आरटीएन विनोद कपूर भी मौजूद थे।■

युवाओं के लिए प्रशिक्षण एवं रोजगार

रोटरी क्लब चंदन नगर, रो ई मंडल 3291 ने 30 वर्ष से कम उम्र के और स्कूल छोड़ने वाले कम विशेषाधिकार प्राप्त युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एल एंड टी कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (सीएसटीआई), सेरामपुर, हुगली जिला, पश्चिम बंगाल के साथ साझेदारी की है। पाठ्यक्रमों में निर्माण-संबंधित विषय जैसे बार झुकना, बढ़ईगीरी, मचान और कार्य-स्थल अनुरूप परिसर में चिनाई शामिल हैं। कक्षाएं 45 दिनों के लिए सीएसटीआई परिसर में आयोजित की जाएंगी, जिसके बाद संस्थान छात्रों को पूरे भारत में एलएंडटी निर्माण स्थलों पर नौ महीने के लिए प्रशिक्षु के रूप में शामिल करेगा, उन्हें आवास और ₹13,146 का मासिक वजीफा प्रदान करेगा। प्रशिक्षुता के सफल समापन पर, उम्मीदवारों को नियमित कर्मचारियों के रूप में कॉर्पोरेट साइटों पर नियोजित किया जाएगा।

क्लब के सदस्यों के साथ प्रशिक्षुओं का पहला बैच।

नामखाना और दक्षिण 24 परगना के सुंदरबन जैसे ग्रामीण इलाकों से सात युवाओं को अगस्त में क्लब द्वारा कोर्स के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। मंडल के व्यावसायिक सह-अध्यक्ष तापस कुमार साहा ने कहा, ''वे सभी अब प्रशिक्षुता से गुजर रहे हैं।''■

फली नरीमन की ऊर्जा और जोश को उम्र छू नहीं पाई

श्रीराम पंचु

उनकी तेज़ आवाज़, सशक्त प्रस्तुति, निर्विवाद तर्क, व्यापक कानूनी विशेषज्ञता और अटूट सत्यनिष्ठा ने मिलकर उन्हें एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी बना दिया।

राष्ट्र और उसके कानूनी पेशे को बुधवार की सुबह एक अपूरणीय क्षति हुई जब फली सैम नरीमन सभी बाधाओं को पार कर सर्वशक्तिमान के दरबार में जाने के लिए निकल लिए। वह 95 वर्ष के थे, लेकिन उम्र न तो उनका जोश और न ही ऊर्जा कम कर सकी थी। उनकी आखिरी किताब कुछ महीने पहले ही प्रकाशित हुई थी, जस्टिस मुरलीधर को दरकिनार करने पर इंडियन एक्सप्रेस में उनका लेख जस्टिस मदन लोकुर और इस लेखक ने हाल ही में लिखा था और अनुच्छेद 370 मामले पर करण थापर के साथ उनके साक्षात्कार की याद अभी भी ताज़ा है। ''पुराने वकील लुप्त नहीं होते, वे बस अपना आकर्षण खो देते हैं,'' कानूनी हलकों में ये हास्यवाद प्रचलित है, लेकिन जो उनसे प्यार करते थे और सम्मान करते थे, फ़ाली न तो लुप्त हुए और न ही लोगों के बीच उनकी अपील कम हुई।

नरीमन बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी थे इसलिए उनके बारे में लिखना मुश्किल नहीं है। उन्होंने जिस क्षेत्र में भी कार्य किया उसमें वे श्रेष्ठ थे, इसलिए उनके व्यक्तित्व और उनके कार्यों की पूरी तस्वीर पेश करना मुश्किल नहीं बल्कि नामुमकिन है। एक वकील के रूप में वह अपने साथियों से कहीं आगे थे। उनकी तेज आवाज और दमदार प्रस्तुति, अकाट्य तर्क, कानून का गहरा ज्ञान, जबरदस्त तैयारी और अटूट सत्यनिष्ठा की प्रतिष्ठा ने उन्हें खौफनाक प्रतिद्वंद्वी बना दिया। लेकिन वह अदालत और पेशे के प्रति अपने कर्तव्य में निष्पक्षता के धनी थे हालांकि वह वरिष्ठ वकीलों को सहजता से हरा सकते थे, वह कनिष्ठ वकीलों के प्रति दया भाव रखते और उन्हें प्रोत्साहित करते थे। दशकों पहले, जब राम सेतु मामले में मैंने मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष सेतु समुद्रम शिपिंग चैनल के विरुद्ध पर्यावरणीय दलीलें रखनी शुरू कीं, सरकार की तरफ से मुख्य वकील नरीमन थे। जब मैंने अपनी बात पूरी कर ली तो उन्होंने ज़ोर दे कर कहा, ''किसी भी मामले पर इस तरह से बहस की जानी चाहिए।'' मुझे इससे बेहतर प्रशंसा नहीं मिली। तब से मुझे

वरिष्ठ वकील फली नरीमन (1929-2024)

अपने इस नायक से कई बार प्रोत्साहन मिला है, जिसमें मेरी पुस्तक *मीडिएशन : प्रैक्टिस एंड लॉ* में उनका एक शानदार परिचय भी शामिल है।

वह सर्वश्रेष्ठ वकील से भी बढ़कर थे। वह एक उत्कृष्ट लेखक थे और कानून और न्याय पर उनकी किताबें सरल और सहज होने के साथ वर्षों के अनुभव और निपुणता की गहराई का प्रतिबिंब हैं। वह सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक वक्ताओं में से एक थे, अपने भाषणों को उपाख्यानों, बुद्धि और बुद्धिमत्ता से जोड़ते थे। सार्वजनिक साक्षात्कारों के लिए उनकी बहुत माँग थी, वे सहज उपलब्ध और स्पष्टवादी दोनों थे और सर्वोत्कृष्ट बौद्धिक व्यक्ति थे, जिन्होंने ईमानदारी के मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इससे भी ऊपर सत्ता के प्रति उनका दृष्टिकोण साफ़ था। उन्हें सत्ता की ताकत और इसका गलत इस्तेमाल करने वालों की बिकुल परवाह नहीं थी। अपने

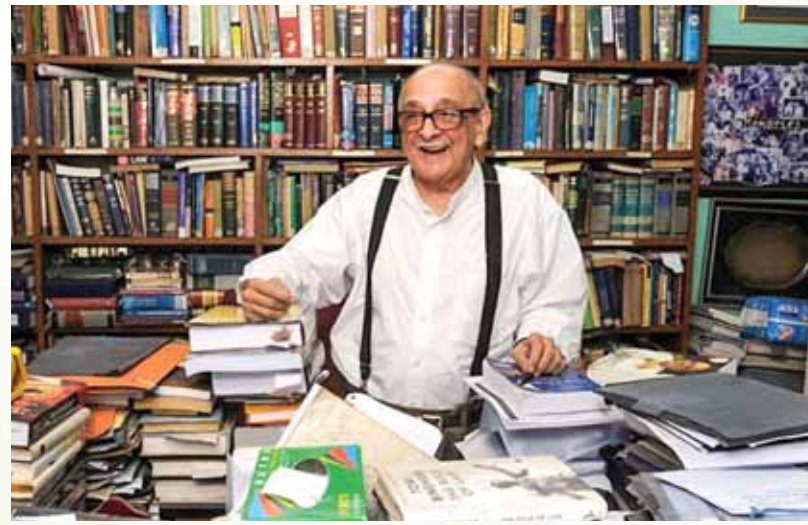

जीवन में उन्होंने दो उल्लेखनीय तमाचे जड़े थे - एक आपातकाल की घोषणा के तुरंत बाद श्रीमती गांधी की सरकार को, जब उन्होंने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के पद से इस्तीफा दे दिया था और दूसरा ईसाइयों पर हमले के बाद गुजरात सरकार पर। वह देश के सबसे बड़े वकील थे, लेकिन वह अटॉर्नी जनरल कभी नहीं बने, क्यों, इसका कारण बताने के लिए कोई पुरस्कार नहीं है।

सत्य बोलने का अभ्यास करने से मन में एक स्पष्टता प्रस्फुटित होती है, जो उन लोगों में नज़र नहीं आती जो बोलने में तब पीछे रह जाते हैं जब उन्हें बोलना चाहिए। नरीमन ने शब्दों का जाल नहीं रचा, उन्होंने ऐसे लोगों को भी नहीं बख्शा जिन्हें बाहर करने की जरूरत थी। हमेशा बिना लाग लपेट के कहा। और पद जितना ऊँचा होता मुहावरा और प्रतिक्रिया उतनी ही तीखी होती। लेकिन निराशा की अपेक्षा उनका गुस्सा कम तीव्र था। क्योंकि उनका ध्यान किसी व्यक्ति को नीचा दिखाने पर केंद्रित नहीं होता था, उनका ध्यान मुद्दे, कार्रवाई और परिणाम पर केंद्रित था। धर्म निरपेक्ष भारत के पास उनसे बेहतर कोई चैंपियन नहीं था। खुद पारसी, रंगून में पैदा हुए, प्रारंभिक वर्षों में बंबई में, वह इस देश के संस्कारों और आंतरिक मूल्य को जानते थे, और उन्हें यूनिक्रोम से घृणा थी। सेंट स्टीफेंस कॉलेज के मामले में उन्होंने अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों की सुरक्षा के लिए कानून लाने में मदद की और उन्होंने पूजा स्थलों के आसपास के विवादों को खत्म करने में न्यायालय की विफलता पर गहरी निंदा की

वह बहुत ही चुनिंदा लोगों के समूह में से थे जो दृढ़ विश्वास, दृष्टिकोण, विचार और भाषण में साहसपूर्वक और दृढ़ता से खड़े रहते थे - असाधारण कानूनी सज्जनों की लीग। उनके निधन के साथ, मोमबत्ती की लौ मंद पड़ गई है। हालाँकि हमारी विदाई दुःख से भरी हुई है, फिर भी हमें यह याद रखना चाहिए कि सबसे अच्छी श्रद्धांजलि जो हम उन्हें दे सकते हैं और उनके प्रति हमारे प्यार और सम्मान का सबसे अच्छा प्रमाण होगा उन परंपराओं को दृढ़ता से बनाए रखना है जिनका उन्होंने उदाहरण दिया। यदि हम ऐसा करते हैं, तो पुराने योद्धा को शांति मिलेगी।

(लेखक वरिष्ठ वकील हैं।
यह लेख सबसे पहले द हिंदू में छपा था।)

एक अग्रणी रेडियो जॉकी की शानदार आवाज़ खामोश हो गई

रशीदा भगत

पुरानी यादों के आगोश में डूब जाती है भारतीय संगीत प्रेमियों की एक खास पीढ़ी जब हर बुधवार शाम को अपनी आंखें बंद करके उन बहुप्रतीक्षित जादुई शब्दों को याद करती है, *नमस्कार बहनों और भाइयों, मैं आपका दोस्त अमीन सयानी बोल रहा हूं।*

हमारे सभी राजनेता तथ्यों और कल्पनाओं, बड़े-बड़े वादों और अपने राजनीतिक विरोधियों की कठोर आलोचना से भरे अपने भाषण शुरू करने से पहले हमेशा *बहनो और भाईयो* का इस्तेमाल करते हैं, न कि भाईयों और बहनो का।

हर बुधवार की शाम को खाना हम थोड़ा जल्दी खा लिया करते थे ताकि हम उस भूरे लकड़ी के बक्से के सामने बैठ सकें जिसे रेडियो कहते थे और रेडियो सीलोन पर बिनाका गीतमाला के प्रसिद्ध रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी की जादुई आवाज़ सुन सकें। वह सप्ताह के सबसे लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गीतों के साथ पूरे एक घंटे तक हमारा मनोरंजन करते थे, और गाना बजाने से पहले गायक, गीतकार और संगीतकार के बारे में पूरी जानकारी के साथ उनमें से प्रत्येक का परिचय देते थे। बिना इंटरनेट, बिना -गूगल के युग में उपयोगी जानकारी! और वो मधुर धुनें उनका तो

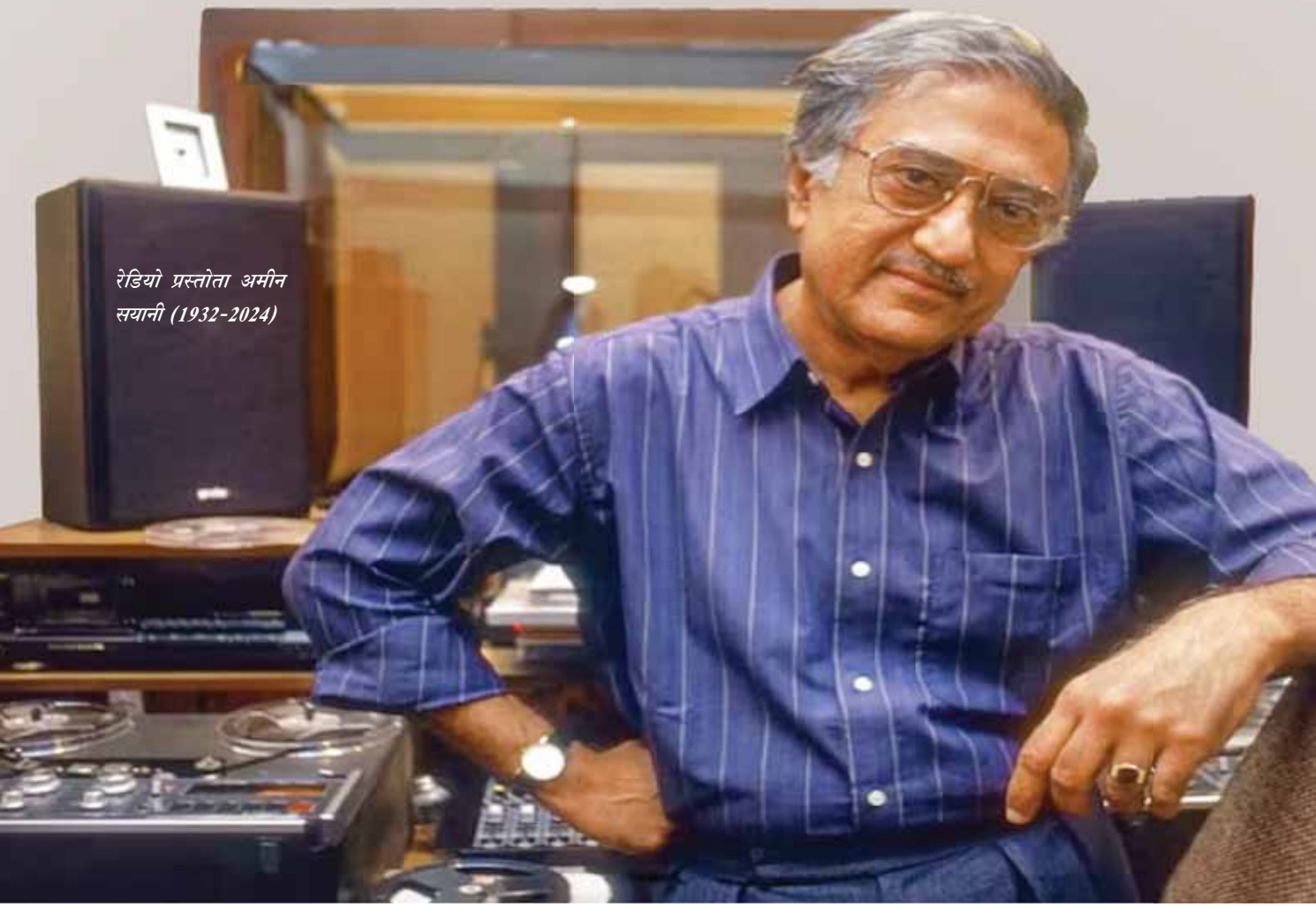

रेडियो प्रस्तोता अमीन सयानी (1932-2024)

लता मंगेशकर के साथ।

कहना ही क्या ... रफी, लता, किशोर, मुकेश, हेमंत, आशा, मन्ना डे... उनकी सुनहरी आवाजें हमारे घरों और दिलों में गूँज उठती थीं।

गहराई लिए हुए मंत्रमुग्ध कर देने वाली उनकी दिलकश आवाज जिसे हिंदी और उर्दू शब्दों की नाजुक बारीकियों के साथ उनको मिश्रित कर कर्णप्रिय हिंदुस्तानी भाषा में पिरोते, जिसे हर व्यक्ति समझ सकता था, सयानी हमें पूरे 60 मिनट तक अलौकिक संगीत का आनंद प्रदान किया करते थे।

> **वह सप्ताह के सबसे लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गीतों के साथ पूरे एक घंटे तक हमारा मनोरंजन करते थे, और गाना बजाने से पहले गायक, गीतकार और संगीतकार के बारे में पूरी जानकारी के साथ उनमें से प्रत्येक का परिचय देते थे।**

गाना बजने से पहले गाने की फ़रमाइश करने वाले लोगों के नाम पढ़े जाते थे और गाना जितना ज़्यादा लोकप्रिय होता, ये सूची उतनी ही लंबी, जिससे अक्सर हमें कोफ़्त हुआ करती थी, क्योंकि हम तो गाना सुनने के लिए बैठे रहते थे। याद रखें कि ग्रामोफोन और रिकॉर्ड प्लेयर उसी वक्त आए थे, टेलीविजन कहीं दिखाई नहीं देता था और दुनिया ने मोबाइल फोन तो सपने में भी नहीं सोचा था। *गीतमाला* का समय वास्तव में परम आनंद का समय था।

20 फरवरी को इस प्रतिष्ठित रेडियो प्रस्तोता का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 91 वर्ष पूरे कर चुके थे। 1952 में रेडियो सीलोन पर 30 मिनट के कार्यक्रम के रूप में शुरू हुई बिनाका गीतमाला जल्दी ही और 1950 और 60 के दशक में अत्यंत लोकप्रिय हो गई। 1952 से 1994 तक इसका नाम *बिनाका गीतमाला* से बदलकर हिट परेड और बाद में *सिबाका गीतमाला* कर दिया गया, लेकिन इसका मूल ढांचा और सार कभी नहीं बदला।

क्या आप ने कभी सोचा कि भारत की आजादी के काफी बाद 1952 में शुरू किया गया बिनाका गीतमाला,, हमारे अपने ऑल इंडिया रेडियो के बजाय सीलोन रेडियो पर क्यों प्रसारित किया गया था? ऐसा इसलिए क्योंकि तत्कालीन सूचना और प्रसारण मंत्री ने निर्णय किया था कि हिंदी फिल्मी गाने बहुत अश्लील होते हैं और ऑल इंडिया रेडियो पर उनका प्रसारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। आश्चर्य है कि उस आदरणीय सज्जन की बेहद लोकप्रिय माधुरी दीक्षित की धुन *चोली के पीछे क्या है* पर क्या प्रतिक्रिया रही होती !

लोकप्रिय पश्चिमी गीतों से अपना मनोरंजन करने के लिए, बड़ी उत्सुकता से हम ऑल इंडिया रेडियो के मद्रास स्टेशन पर *लिसनर्स चॉइस* नामक कार्यक्रम में शरीक होते थे।

विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सयानी के निधन पर लोगों का दुख व्यक्त करना यह साबित करता है कि काम के प्रति उत्कृष्टता, जुनून और समर्पण... और एक विशिष्ट प्रकार का सज्जनता पूर्ण व्यवहार जिसे केवल महसूस किया जा सकता है लेकिन समझाया नहीं जा सकता... कभी नहीं भुलाया जाता। मीडिया के ऐसे युग में, जहां टेलीविजन पर बहस के दौरान बड़बड़ाना, तीखी नोकझोंक और गाली-गलौज का बोलबाला रहता है, सयानी की सहज और शांत आवाज में प्रस्तुत गीतमाला जैसे कार्यक्रम के बारे में सोचना भी मुश्किल है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आराम के वो 60 मिनट दिन भर की थकान दूर कर दिया करते थे ।

वह मुश्किल हालात में एक बड़े दर्द निवारक बाम के रूप में हमारे पास आए... आजादी के तुरंत बाद, जिसे पा कर हम बहुत खुश थे, लेकिन दुखी भी थे क्योंकि हमने बहुत कुछ खोया था, हमने अपने सपनों को खोया था और हम भीतर से जख्मी थे, और हमारे अंदर बहुत सारे घाव थे। हम चाहते थे कोई तो हमें, कुछ वक्त के लिए ही सही, हमारे ग़मों से आज़ाद कर दे।

रेडिया जॉकी सयेमा

तो सयानी को वह मंत्रमुग्ध करने वाला और करिश्माई शख्सियत किस चीज़ ने बनाया? 1932 में जन्मे अमीन सयानी एक ऐसे परिवार से थे जिसमें साहित्य और भाषा का बोलबाला था। वो रहबर नामक पाक्षिक पत्रिका के संपादन में अपनी माँ की मदद किया करते थे, जिसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी। यह हिंदी, उर्दू और गुजराती में एक साथ प्रकाशित होता था। उनके भाई हामिद सयानी एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी प्रसारक थे और अमीन ने 1951 में रेडियो सीलोन के साथ अपना कार्यकाल शुरू किया था।

जब अगले वर्ष उन्होंने बिनाका गीतमाला शुरू की, तो यह तुरंत ही हिट हो गई, उस वक्त

अमिताभ बच्चन के साथ।

नूरजहाँ के साथ।

ऑल इंडिया रेडियो ने हिंदी फिल्मी गीतों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह कार्यक्रम सरल हिंदुस्तानी को बढ़ावा देने का एक माध्यम बन गया, कुछ ऐसा जो देश भर के लोगों से जुड़ा, और इतना लोकप्रिय हुआ कि यह कई दशकों तक चलता रहा, 1994 तक।

सयानी एक वॉइस-ओवर कलाकार भी थे और बाद में एक लोकप्रिय साक्षात्कारकर्ता भी और प्रशंसकों की जबरदस्त संख्या के कारण, वह लता मंगेशकर जैसी हस्ती से मुश्किल सवाल भी पूछ सकते थे - जाहिर है, उन्होंने रॉयल्टी के मुद्दों पर मोहम्मद रफी के साथ उनकी समस्या के बारे में लताजी से सवाल किये थे, जो उन दिनों बहुत ही विवादास्पद विषय था। उन्होंने एक बार एक कार्यक्रम में खुलासा किया था कि एक समय अमिताभ बच्चन ने एक रेडियो प्रस्तोता बनने का सपना देखा था वह अपनी गहरी, जादुई आवाज के साथ कितने हिट हुए होते। बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने से पहले ऑडिशन के लिए ऑल इंडिया रेडियो के मुंबई स्टूडियो भी आये थे। लेकिन सयानी उनसे नहीं मिल सके क्योंकि उन्होंने अपॉइंटमेंट नहीं लिया था!

> **मैं चाहता था कि प्रत्येक श्रोता यह महसूस करे कि मैं उनसे बात कर रहा हूं और उनसे तुरंत तारतम्य बैठ जाए।**
>
> अमीन सयानी

तो अमीन सयानी ने अपने श्रोताओं के दिलों पर क्यों राज किया? रेडियो सीलोन पर अपनी अपार सफलता के बारे में एक साक्षात्कार में उन्होंने यही कहा था: मैं चाहता था कि प्रत्येक श्रोता यह महसूस करे कि मैं उनसे बात कर रहा हूं और उनसे तुरंत तारतम्य बैठ जाए। इसने, आश्चर्यजनक रूप से, रेडियो प्रस्तुति में भी क्रांति ला दी। मुझे उम्मीद नहीं थी कि आने वाले वर्षों में यह एक ऐतिहासिक घटना बन जाएगी। वो बहुत शानदार समय था। यह रेडियो सीलोन के साथ मेरा रोमांस था।''

लेकिन हमें क्यों याद आएँगे, इसका सबसे अच्छा कारण एक प्रशंसक सयेमा ने दिया, जिसने द पर एक छोटी वीडियो क्लिप पोस्ट की। उसने खूबसूरत हिंदी/उर्दू में कहा, कि हम उन्हें न केवल उनकी करिश्माई आवाज और उसके खालिस उच्चारण की वजह से याद करेंगे, बल्कि इसलिए भी ''क्योंकि वह मुश्किल हालात में एक बड़े दर्द निवारक बाम के रूप में हमारे पास आए... आजादी के तुरंत बाद, जिसे पा कर हम बहुत खुश थे, लेकिन दुखी भी थे क्योंकि हमने बहुत कुछ खोया था, हमने अपने सपनों को खोया था और हम भीतर से जख्मी थे, और हमारे अंदर बहुत सारे घाव थे। हम चाहते थे कोई तो हमें, कुछ वक्त के लिए ही सही, हमारे ग़मों से आज़ाद कर दे। और अमीन सयानी साहब ने अपनी खूबसूरत आवाज़ और उन गीतों के साथ ऐसा ही किया, जिन्हें हम रेडियो के साथ गुनगुनाते थे। उन्होंने हमें उम्मीद दी... कि प्यार फिर से राज करेगा और बेहतर वक्त आएगा।'' ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

भुवनेश्वर में मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक केंद्र

टीम रोटरी न्यूज़

मानसिक स्वास्थ्य केंद्र में, रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और हेतर के साथ पीडीजी गजेंद्र सिंह नारंग, डीजी जयश्री मोहंती, पीडीजी डीएन पाधी और रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी।

रो ई के अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली ने ओडिशा के भुवनेश्वर में रोटरी क्लब भुवनेश्वर, रो ई मंडल 3262 द्वारा स्थापित मानसिक स्वास्थ्य के लिए आशा केंद्र का उद्घाटन किया। यह सुविधा ओडिशा स्थित एक गैर सरकारी संगठन मनम फाउंडेशन के साथ साझेदारी में स्थापित की गई है, जिसके पास मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को संबोधित करने में विशेषज्ञता है।

एनजीओ द्वारा अनुशंसित परामर्शदाताओं द्वारा एक पूर्णकालिक हेल्पलाइन संचालित की जाती है। वे संकटपूर्ण कॉल करने वाले व्यक्तियों को परामर्श और भावनात्मक समर्थन प्रदान करेंगे और संकट हस्तक्षेप, आत्महत्या की रोकथाम और उचित मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के रेफरल के माध्यम से उनकी सहायता करेंगे। प्रोजेक्ट चेयरमैन भूमि मोहंती ने कहा, ''अगले चरण में, हमारा लक्ष्य एक छत के नीचे परामर्शदाताओं, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मनोचिकित्सकों और वैकल्पिक चिकित्सकों जैसे विशेषज्ञ पेशेवरों के साथ वन-स्टॉप सेंटर बनाना है।'' मंडल ने इंडिया साइकियाट्रिक सोसाइटी, ओडिशा चैप्टर के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए हैं, जहां इसके सदस्य आशा केंद्र में ऐसे रोगियों को मुफ्त परामर्श प्रदान करेंगे। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों के अलावा, उनके परिवारों को इससे निपटने और अपने प्रियजनों की सहायता करने के लिए संसाधनों और परामर्श के रूप में सहायता प्रदान की जाएगी।

क्लब ने केंद्र को स्थापित करने के लिए 3H अनुदान परियोजना के हिस्से के रूप में निर्मित अपनी मौजूदा इमारत के नवीनीकरण के लिए ₹7 लाख खर्च किए। मोहंती का अनुमान है कि इस परियोजना पर ₹10 लाख का वार्षिक आवर्ती व्यय आएगा। आगे बढ़ते हुए, परियोजना को दूसरे चरण तक बढ़ाने के लिए एक वैश्विक अनुदान प्रस्ताव टीआरएफ को प्रस्तुत किया गया है। डीजी जयश्री मोहंती ने मंडल अनुदान और वैश्विक अनुदान के लिए डीडीएफ के माध्यम से परियोजना का समर्थन करने का वादा किया है। परियोजना अध्यक्ष ने कहा, ''हम केंद्र चलाने के लिए सीएसआर सहायता व्यवस्थित करने के लिए काम कर रहे हैं।''

जनवरी में केंद्र के उद्घाटन के दौरान रो ई निदेशक अनिरुद्ध रॉयचौधरी और डीजी जयश्री मौजूद थे।■

क्या आपने रोटरी न्यूज़ प्लस पढ़ा है?

या यह आपके जंक फोल्डर में जा रही है?

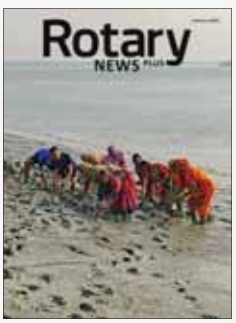

हर महीने हम आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन *रोटरी न्यूज़ प्लस* निकालते हैं। यह महीने के मध्य तक प्रत्येक सदस्यता लेने वाले सदस्य को भेजा जाता है जिनकी ईमेल आईडी हमारे पास है। हमारी वेबसाइट *www.rotarynewsonline.org* पर *रोटरी न्यूज़ प्लस* पढ़ें। हमें शिकायतें मिली हैं कि सभी ग्राहकों को हर महीने *रोटरी न्यूज़ प्लस* का ई-संस्करण नहीं मिल रहा है।

लेकिन, कुल 155,029 ग्राहकों में से हमारे पास केवल 1,04,184 सदस्यों की ईमेल आईडी हैं।

कृपया अपनी ईमेल आईडी को इस प्रारूप में rotarynews@rosaonline.org पर अपडेट करें: आपका नाम, क्लब, मंडल और ईमेल आईडी।

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से

वैश्विक अनुदान टिप्स

अपना आवेदन जमा करने की योजना बनाएं।

कोई निश्चित समय सीमा नहीं; आवेदन साल भर स्वीकार किए जाते हैं। जून (रोटरी वर्ष के अंत) तक जमा करने से अधिक मात्रा के कारण आवेदन समीक्षा में देरी हो सकती है। वर्ष के अंत से पहले अनुमोदन के लिए मार्च या अप्रैल में जमा करने का लक्ष्य रखें।

आवेदन स्वीकृत होने से पहले नकद योगदान न भेजें।

नकद योगदान भेजने से पहले क्षेत्रीय अनुदान अधिकारी से आधिकारिक अनुमोदन अधिसूचना प्राप्त होने तक प्रतीक्षा करें और सभी योगदानों के साथ अनुदान संख्या शामिल करें। यदि आपका आवेदन स्वीकृत नहीं होता है तो योगदान वापस नहीं किया जाएगा। केवल प्रतिज्ञा की गई राशि भेजें, अधिक नहीं।

आवेदन करने से पहले धन की पुष्टि करें

अनुदान आवेदन स्वीकृत होने के बाद आप परियोजना के वित्तपोषण स्रोतों और राशियों को नहीं बदल सकते हैं इसलिए समय से पहले यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सब कुछ सटीक हो। नकद, मंडल नामित निधि, निर्देशित और अक्षय निधि, टीआरएफ दाता परामर्श निधि और विश्व निधि सहित सभी धन स्रोतों और राशियों की जांच करना सुनिश्चित करें। आप अपने निधियन की योजना बनाने में मदद के लिए वैश्विक अनुदान कैलकुलेटर का उपयोग कर सकते हैं।

आकस्मिकताओं के लिए योजना बनाएं।

जब आप अपने बजट की योजना बनाते हैं और अपनी परियोजना को लागू करना शुरू करते हैं तो चीजें बदल सकती हैं और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव हो सकता है। किसी भी अप्रत्याशित खर्च को कवर करने के लिए अपने बजट का 10 प्रतिशत तक जोड़ें।

अनिवार्य सीएसआर प्रमाणन

सीएसआर अधिनियम में हाल ही के संशोधनों और परिवर्तनों को देखते हुए रोटरी फाउंडेशन (इंडिया) RFI के माध्यम से रूट की गई सीएसआर परियोजनाओं को लागू करने वाले सभी रोटरी क्लबों को सीएसआर गतिविधियों के लिए संस्थाओं का पंजीकरण नामक फॉर्म-सीएसआर 1 प्रमाणन के लिए आवेदन करने हेतु दृढ़ता से प्रोत्साहित करता है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट: *https://www.mca.gov.in/MinistryV2/companyformsdownload.html* पर आवेदन करके भी ऐसा किया जा सकता है।

अधिकारियों को उम्मीद रहती है कि प्रमाणन के लिए विचार किए जाने से पूर्व आवेदक संगठन पंजीकृत संस्थाएं (या तो ट्रस्ट, सोसाइटी, या धारा 8 कंपनी) हों।

क्लब या क्लब के सदस्यों की ओर से ऑनलाइन दें

क्लब के सभी अधिकारी जैसे क्लब अध्यक्ष, फाउंडेशन अध्यक्ष, सदस्यता अध्यक्ष, कार्यकारी सचिव/निदेशक, सचिव और कोषाध्यक्ष अपने क्लब के सदस्यों की ओर से अपने *माय रोटरी* अकाउंट के माध्यम से अपने क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग के माध्यम से ऑनलाइन योगदान कर सकते हैं इससे व्यक्तिगत सदस्यों के चेक भेजने की आवश्यकता नहीं होगी।

जबकि योगदान क्रेडिट व्यक्तिगत सदस्यों को सौंपा जाता है, 80G रसीद पूरी तरह से क्लब लीडर के नाम पर प्रेषक के रूप में उत्पन्न होती है न कि व्यक्तिगत सदस्यों के नाम पर। अधिक जानकारी के लिए: *http://www.highroadsolution.com/file_uploader2/files/give_online_on_behalf_of_club_or_club_members_sao.pdf* पर जाएं।

पॉल हैरिस सोसायटी

पॉल हैरिस सोसाइटी उन व्यक्तियों की पहचान करती है जो हमें वार्षिक फंड, पोलियोप्लस फंड या एक अनुमोदित वैश्विक अनुदान के लिए प्रत्येक रोटरी वर्ष में 1,000 डॉलर या उससे अधिक का योगदान करने के अपने विचार के बारे में सूचित करते हैं। पॉल हैरिस सोसाइटी का योगदान रोटरी फाउंडेशन सस्टेनिंग मेंबर (केवल वार्षिक फंड योगदान), पॉल हैरिस फेलो, मल्टीपल पॉल हैरिस फेलो और मेजर डोनर रिकग्निशन या क्लब रिकग्निशन बैनर के लिए गिना जाता है। समाज के नए सदस्यों को मंडल या क्लब कार्यक्रम में एक प्रमाण पत्र और शेवरॉन प्रस्तुत किया जाता है। पॉल हैरिस सोसाइटी के समन्वयक नए सदस्यों को सम्मानित करने के लिए क्लब या मंडल का दौरा करते हैं।

पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य और उनकी पात्रता पॉल हैरिस सोसाइटी की रिपोर्ट में दिखाई देती है। पॉल हैरिस सोसाइटी के बारे में अधिक जानकारी के लिए *https://www.rotary.org/en/about-rotary/history/paul-harris-society* पर जाएं या पॉल हैरिस सोसाइटी ब्रोशर पढ़ें।■

ओपेनहाइमर की विरासत

पैट्रिक टायलर

एक पत्रकार जिसने परमाणु बम बनाने में शामिल वैज्ञानिकों से बात की थी, वह इस बात पर विचार कर रहा है कि क्या लोकप्रिय फिल्म ओपेनहाइमर युवा लोगों के साथ मेल खाती है, जिन्हें परमाणु खतरों से निपटना होगा।

2023 की गर्मियों के दौरान, जबकि कई लोग सुपरहीरो फिल्मों और एक्शन थ्रिलर के लिए सिनेमाघरों में गए, मैं उन लाखों लोगों में से था जो एक सार्थक इतिहास वाली फिल्म की ओर आकर्षित हुए, जो गर्मियों में एक अनोखी सफलता के रूप में सामने आई।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान परमाणु बम के निर्माण को दर्शाने वाली फिल्म *ओपेनहाइमर* में दिखाए गए दो भौतिकविदों का साक्षात्कार लेने के बाद, मैंने इसे गहरी दिलचस्पी से देखा। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने 1970 के दशक से रक्षा और विदेश नीति को कवर किया है, मैंने विचार किया कि क्या युवा पीढ़ी शीत युद्ध के बाद के युग से विरासत में मिली परमाणु दुविधा को समझती है। कई लोगों को यह एहसास नहीं हो सकता है कि हम अभी भी अल्बर्ट आइंस्टीन और अन्य लोगों द्वारा की गई खोजों के नतीजों पर काम कर रहे हैं, जिसने परमाणु हथियारों के विकास को बढ़ावा दिया। हालाँकि आइंस्टीन ने सीधे तौर पर बम पर काम नहीं किया, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट को परमाणु ऊर्जा की क्षमता के बारे में सचेत करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चित्रण : प्रियारा वर्सेसी

फिल्म ओपेनहाइमर, जिसे जनवरी में गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स में व्यापक प्रशंसा मिली और दुनिया भर के सिनेमाघरों में दिखाई गई, मैनहट्टन प्रोजेक्ट पर केंद्रित है। यह प्रमुख वैज्ञानिक जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर और भौतिकविदों के समूह के जीवन पर प्रकाश डालता है, जो ट्रिनिटी के नाम से जाना जाने वाला पहला परमाणु बम विकसित करने के लिए लॉस एलामोस, न्यू मैक्सिको में एकत्र हुए थे। इस बम को 16 जुलाई, 1945 को रेगिस्तान में विस्फोट किया गया था। इस सफलता के बाद, उन्होंने बी-29 बमवर्षकों में फिट होने के लिए दो छोटे बम बनाए, जिन्हें 6 और 9 अगस्त को जापान पर गिरा दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप 110,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई। 210,000 लोग, मुख्यतः नागरिक।

मेरी पीढ़ी के कई लोग ओपेनहाइमर की कहानी से परिचित हैं, जिन्हें अक्सर परमाणु बम का जनक कहा जाता है, एक लेबल जिसके बारे में उनकी मिश्रित भावनाएँ थीं। वास्तव में, वह परमाणु खोजों का उपयोग करने के लिए युद्ध के दौरान अकादमिक सेटिंग्स से तैयार किए गए कई

भौतिकविदों में से एक थे। उन्होंने यह विश्वास साझा किया कि बमों के लिए परमाणु-विभाजन ऊर्जा का उपयोग सैन्य जीत सुनिश्चित कर सकता है और संभावित रूप से अपनी विशाल विनाशकारी शक्ति के माध्यम से भविष्य के संघर्षों को रोक सकता है।

रेडियो पर हिरोशिमा की तबाही की खबर सुनकर ओपेनहाइमर ने अपने सहयोगियों के साथ एक जश्न का आयोजन किया। निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन द्वारा दर्शाए गए एक दृश्य में, ओपेनहाइमर को भीड़ को उत्साहपूर्वक संबोधित करते हुए, खेद व्यक्त करते हुए दिखाया गया है कि वे जर्मनी के आत्मसमर्पण से पहले उसे आश्चर्यचकित नहीं कर सकते थे। इस क्षण को बेचैन करने वाले दृश्य के रूप में चित्रित किया गया है।

हालाँकि, अपने करियर के अधिकांश समय में, ओपेनहाइमर ने परमाणु ऊर्जा पर लगाम लगाने और वैश्विक शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने के उपायों की वकालत करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परमाणु गतिविधियों को विनियमित करने के लिए अमेरिकी नेताओं, कांग्रेस, जनता और पश्चिमी सहयोगियों की अथक पैरवी की। ओपेनहाइमर ने यूरेनियम खनन और संवर्धन, प्लूटोनियम उत्पादन पर सख्त नियंत्रण पर जोर दिया और अत्यधिक शक्तिशाली हाइड्रोजन बम के विकास को हतोत्साहित किया। उनके प्रयासों के बावजूद, उनके दृष्टिकोण ने संदेह पैदा किया और कुछ ने संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति उनकी वफादारी पर सवाल उठाया।

यह निर्धारित करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है कि ओपेनहाइमर के नैतिक संघर्ष कहाँ समाप्त होते हैं और उसकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ कहाँ से शुरू होती हैं। फिल्म में उन्हें एक प्रतिभाशाली लेकिन जटिल व्यक्ति के रूप में दर्शाया गया है, जो अक्सर उदास रहता है और अपनी धूम्रपान की आदत के लिए जाना जाता है। अभिनेता सिलियन मर्फी ने ओपेनहाइमर की त्रुटिपूर्ण प्रतिभा को प्रभावी ढंग से चित्रित किया है। उनका चरित्र हमें लगातार उनकी प्रेरणाओं पर विचार करने पर मजबूर करता है। ओपेनहाइमर ने द्वितीय विश्व युद्ध से पहले नाज़ियों द्वारा यहूदियों के उत्पीड़न का विरोध किया और कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े बौद्धिक हलकों की ओर आकर्षित हुए। हालाँकि, उनकी प्रतिष्ठा को तब बड़ा झटका लगा जब संयुक्त राज्य अमेरिका में कथित कम्युनिस्ट प्रभावों पर मैक्कार्थी-युग की कार्रवाई के दौरान 1954 की सुनवाई के दौरान उन्होंने अपनी सुरक्षा मंजूरी खो दी।

नोलन, जो तीन बैटमैन फिल्मों का निर्देशन करने के लिए जाने जाते हैं, परमाणु कल्पना की पृष्ठभूमि के खिलाफ स्क्रीन पर प्रदर्शित एक उद्धरण के साथ शुरुआत करके फिल्म में अंधेरे सुपरहीरो के प्रति अपने आकर्षण को शामिल करते हैं: प्रोमेथियस ने देवताओं से आग चुरा ली और इसे मनुष्य को दे दी। इसके लिए उन्होंने चट्टान से बाँध दिया गया और अनंत काल तक यातनाएँ दी गईं। इसके अतिरिक्त, वह उस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हैं जिसने 20वीं सदी के मध्य से लेकर आज तक परमाणु हथियारों की होड़ को प्रभावित किया। वर्तमान में, नौ देशों के पास परमाणु क्षमताएं हैं: चीन, फ्रांस, भारत, इज़राइल, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।

उन्होंने यह विश्वास साझा किया कि परमाणु-विभाजन ऊर्जा का उपयोग कर सैन्य जीत सुनिश्चित हो सकती है और संभावित रूप से इस विशाल विनाशकारी शक्ति के माध्यम से भविष्य के संघर्षों को रोका जा सकता है।

मेरे पालन-पोषण के दौरान, परमाणु युद्ध का डर हमेशा मौजूद रहता था। यहां तक कि 1950 और 60 के दशक में प्राथमिक विद्यालय के छात्र भी हिरोशिमा और नागासाकी के परमाणु बम विस्फोटों से हुई तबाही से परिचित थे। हमने परमाणु हमले की स्थिति में अपने डेस्क के नीचे छिपने का अभ्यास किया। इसके अतिरिक्त, सरकारी पदों की इच्छा रखने वाले अमेरिकी कॉलेज के छात्रों ने रूसी भाषा का अध्ययन किया और 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट की विस्तृत घटनाओं को याद किया, एक समय जब दुनिया को महाशक्तियों के बीच परमाणु संघर्ष के आसन्न खतरे का सामना करना पड़ा था।

एक युवा पत्रकार के रूप में, मैं 1970 के दशक के अंत में राष्ट्रपति जिमी कार्टर के प्रशासन के दौरान वाशिंगटन डीसी चला गया। मैंने परमाणु हथियारों और देश के परमाणु पनडुब्बी कार्यक्रम के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में रिपोर्टिंग पर ध्यान केंद्रित किया। यह वह समय था जब अनगिनत सैन्य तकनीशियन संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ दोनों के शस्त्रागार में हजारों परमाणु बमों की रक्षा करते थे। इसके तुरंत बाद, राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने परमाणु संघर्ष के दौरान आने वाली सोवियत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए "स्टार वार्स" तकनीक का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा। इस अवधि के दौरान, मुझे मैनहट्टन परियोजना के दो प्रमुख व्यक्तियों का साक्षात्कार लेने का अवसर मिला: हंस बेथे, जिन्होंने सैद्धांतिक भौतिकी का नेतृत्व किया, और एडवर्ड टेलर, एक प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी जिन्होंने हाइड्रोजन बम के विकास की वकालत की।

फिल्म में, ओपेनहाइमर "सुपर" बम के विकास को प्राथमिकता देने के टेलर के सुझाव से असहमत थे। युद्ध के बाद, ओपेनहाइमर ने परमाणु हथियारों में संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रगति का विरोध किया, जिसके कारण टेलर को एक बंद सुनवाई में उसके खिलाफ गवाही देनी पड़ी जिसने अंततः ओपेनहाइमर के भाग्य का निर्धारण किया।

वर्षों बाद, रीगन प्रशासन के दौरान, मुझे टेलर से मिलने का मौका मिला, जो अक्सर व्हाइट हाउस में स्टार वार्स रक्षा प्रणालियों की वकालत करते थे, जो अंततः सफल नहीं हो पाई। 2022 में, बिडेन प्रशासन ने मरणोपरांत ओपेनहाइमर की सुरक्षा मंजूरी बहाल कर दी, यह स्वीकार करते हुए कि 1954 में लिया गया निर्णय त्रुटिपूर्ण था और एक वफादार अमेरिकी के लिए अन्यायपूर्ण था।

फिल्म के समापन पर, मैंने विचार किया कि क्या यह युवा पीढ़ी के लिए चल रहे परमाणु खतरे को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग परमाणु हथियारों से उत्पन्न निरंतर खतरे से अनभिज्ञ हैं, जो बड़े पैमाने

पर अदृश्य हैं लेकिन दुनिया भर में मौजूद हैं, भले ही कम संख्या में। ऐसी संभावना है कि वे किसी दिन अंतरिक्ष में भी विस्तारित हो सकते हैं।

टीन वोग अपने पाठकों को परमाणु वैज्ञानिकों के बुलेटिन द्वारा बनाए गए प्रतीकात्मक प्रलय के दिन की घड़ी के बारे में सूचित करता है, जो दर्शाता है कि मानवता एक विनाशकारी अंत के कितने करीब है। वर्तमान में, घड़ी आधी रात के 90 सेकंड पर सेट है। हालाँकि, आज के युवा पिछली पीढ़ियों में व्याप्त परमाणु आपदा के डर के बजाय ग्लोबल वार्मिंग और चल रहे संघर्षों की चिंताओं में अधिक व्यस्त हैं।

हाल के वर्षों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने परमाणु शस्त्रागार को उन्नत करने के लिए सैकड़ों अरब डॉलर की महत्वपूर्ण धनराशि आवंटित की है। वैश्विक परमाणु कमांड संरचना इलेक्ट्रॉनिक ट्रिगर्स के एक जटिल नेटवर्क पर निर्भर करती है, जो दुनिया भर के देशों को जोड़ती है। परमाणु शक्तियों को संभावित विनाशकारी संघर्ष शुरू करने से रोकने वाली एकमात्र चीज़ सदियों पुराना सिद्धांत है कि ऐसी घटना जीवन के विनाश का कारण बनेगी जैसा कि हम जानते हैं।

मैंने डेनिस वोंग के साथ फिल्म के बारे में बातचीत की, जिन्होंने परमाणु हथियारों के उन्मूलन की वकालत करने वाले संगठन रोटरी एक्शन ग्रुप फॉर पीस के सह-संस्थापक थे। वोंग इस बात से प्रभावित हुए कि नोलन ने फिल्म में नैतिकता के विभिन्न चरणों को कैसे चित्रित किया। उन्होंने बताया कि परमाणु बम बनाने में शामिल कई वैज्ञानिकों का मानना था कि इसका इस्तेमाल दुनिया को नष्ट करने के लिए नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, उन्होंने इसे एक संभावित उद्धारकर्ता के रूप में देखा - तटस्थ हाथों में एक निवारक जो संघर्षों को रोक सकता है और युद्धों को समाप्त कर सकता है।

परमाणु बम की विनाशकारी शक्ति को देखने के बाद, कई भौतिक विज्ञानी एक नए दृष्टिकोण के साथ अपने विश्वविद्यालयों में लौट आए। उन्होंने सकारात्मक उद्देश्यों के लिए इस तकनीक का उपयोग करने के तरीकों पर चर्चा शुरू की, जैसे दुनिया भर में सस्ती बिजली पैदा करने के लिए परमाणु-संचालित जनरेटर बनाना।

डेनिस वोंग इस बात पर जोर देते हैं कि यदि लक्ष्य सुरक्षा है और पारस्परिक रूप से सुनिश्चित सुरक्षा के माध्यम से संघर्षों को रोकना है, तो परमाणु ऊर्जा साझा करके सद्भावना को बढ़ावा देने और दोस्ती को बढ़ावा देने के तरीके ढूंढना आवश्यक है। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि प्रौद्योगिकी तेजी से एक अलग दिशा में चली गई। शांतिपूर्ण उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, परमाणु हथियार शक्ति का प्रतीक बन गए - दुनिया में राजनीतिक कार्यालय और प्रासंगिकता बनाए रखने की शक्ति।

ओपेनहाइमर के जीवन और नेतृत्व से पता चला कि राजनीतिक वास्तविकताएँ वैज्ञानिक उपलब्धियों को कैसे भ्रष्ट कर सकती हैं। यह विचार करने योग्य है कि वह आज की परमाणु चुनौतियों के बारे में क्या सोचेंगे: यूक्रेन पर रूस का आक्रमण, गाजा में इज़राइल का संघर्ष, और ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देशों की परमाणु महत्वाकांक्षाएँ। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के बीच चीन अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है।

नोलन की फिल्में इतिहास की हमारी समझ को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन उनकी फिल्म भी आज हमारे सामने मौजूद परमाणु चुनौतियों का समाधान नहीं देती है। हमें तत्काल ओपेनहाइमर युग के लिए एक विचारशील निष्कर्ष की आवश्यकता है, जो एक सुरक्षित मार्ग की रूपरेखा तैयार करे। जबकि महामारी और जलवायु परिवर्तन गंभीर खतरे पैदा करते हैं, परमाणु युद्ध विशिष्ट रूप से विनाशकारी है, क्षुद्रग्रह प्रभाव के समान जिसने लाखों साल पहले डायनासोरों को नष्ट कर दिया था - इस बार को छोड़कर, हम जोखिम में हैं।

लेखक एक लेखक और न्यूयॉर्क टाइम्स के पूर्व मुख्य संवाददाता हैं। उनकी किताबें कई विषयों को कवर करती हैं, जिनमें अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी कार्यक्रम (रनिंग क्रिटिकल), अमेरिकी मध्य पूर्व नीति का इतिहास (ए वर्ल्ड ऑफ ट्रबल), और 1948 से इज़राइल का नेतृत्व (फोर्ट्रेस इज़राइल) शामिल हैं।

©Rotary

ADVT.

LIFE MEMBER ROTARY CONVENTION GOERS' ASSOCIATION.

Ray of Hope TOURS INDIA PVT LTD
HOLY LAND TOUR

CONVENTION TRIP ARRANGED BY
RTN S.ESHWAR (PAST ASST. GOVERNOR RID.3160).
ROTARY CLUB HOSPET KARNATAKA.

Explore

SINGAPORE MALAYSIA

ENJOY NOW PAY LATER

EMI OPTIONS AVAILABLE

- 6 MONTHS
- 12 MONTHS
- 24 MONTHS
- 36 MONTHS

1 NIGHT IN KUALA LUMPUR STAY AT HOTEL
IBIS STYLES KUALA LUMPUR
FRASER BUSINESS PARK (3 STAR) ROOM

5 NIGHTS STAY AT VALUE ADDED THOMPSON
ROOM WITH BUFFET BREAKFAST
ONE-WAY TRANSFER FROM SINGAPORE COACH
STATION TO HOTEL
UNIVERSAL STUDIO TOUR WITH TRANSFERS
HALF DAY SENTOSA (1 WAY CABLE CAR)
HALF DAY CITY TOUR
NIGHT SAFARI
TRANSFER FROM SINGAPORE - KUALA LUMPUR
STANDARD AC COACH (7-8 HOURS DURATION)
ONE-WAY TRANSFER FROM HOTEL TO KUALA LUMPUR BY BUS AT NIGHT
KUALA LUMPUR CITY TOUR
BATU CAVES - MURUGAN TEMPLE

BANK FINANCE ON EMI BASIS IS ALSO ARRANGED FROM 6MTHS TO 36MTHS

₹99,000 PER PAX

eshwarsetter@gmail.com
+91 98805 27242
rayofhopetours@gmail.com
+91 90807 59550

नींद की सुंदरता का स्वाद चखें

भरत और शालन सवुर

अपना पुण्य चक्र बनाएं। हमें (भोजन) बॉक्स से बाहर सोचना पड़ा, हमारे दंत चिकित्सक की नियुक्तियों के लिए धन्यवाद। हम अपने दैनिक दो भोजन (दोपहर का भोजन और रात का खाना) पर कायम रहे और वही खाया जो हम दशकों से करते आ रहे हैं - घर का बना तेल-रहित भोजन जो हम सुझाते हैं। हमने अपने भोजन का समय मबढ़ायाफ दोपहर का भोजन, शाम 6 बजे खाना, और रात 8 बजे सोने और शयन कक्ष में चले जाने का निर्णय लिया। जल्दी सोना और जल्दी उठना हमें अमीर बना भी सकता है और नहीं भी। लेकिन यह स्वस्थ और बुद्धिमान बक्सों पर टिक लगाता है। सुबह होने से पहले उठना एक अतिरिक्त दिन हासिल करने जैसा है। लेकिन इससे पहले कि हम सो जाएं और इसके फायदे जानें, आइए एक बात स्पष्ट कर लें।

कोविड-19 ने हमारे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया है। भारत के प्रमुख स्वास्थ्य अनुसंधान प्राधिकरण, आईसीएमआर ने 1 अक्टूबर, 2021 और मार्च 2023 के बीच समय से पहले मरने वाले लोगों के 'मल्टीसेंट्रिक केस-कंट्रोल अध्ययन' में 729 गंभीर सीओवीआईडी -19 मामलों का 'नमूना' लिया। अकेले गुजरात में, 10 की मृत्यु हृदय के कारण हुई नवरात्रि के दौरान गरबा/डांडिया आयोजनों पर हमले। सबसे छोटा - 17 साल का एक कोमल बच्चा। आईसीएमआर ने मतत्काल अस्पष्टीकृत मौतों के साथ संभावित कोविड लिंकफ की खोज की और आगाह किया कि जो लोग गंभीर कोविड संक्रमण से उबर चुके हैं, उन्हें काम, वर्कआउट आदि पर अतिरिक्त शारीरिक श्रम से बचना चाहिए।

अधिक परिश्रम से बचें

इसके 729 विषयों की चिकित्सा जानकारी, और उनके स्वास्थ्य और तंबाकू, शराब और ज़ोरदार शारीरिक गतिविधि के प्रति व्यवहार संबंधी पहलुओं को दर्ज किया गया था। जैसी कि उनकी कोविड-19 स्थिति थी (क्या वे अस्पताल में भर्ती थे और क्या उन्हें कोविड-19 का टीका मिला था?) आगामी डेटाबेस को संकलित किया गया और समान आयु वर्ग, लिंग और इलाके के 2,916 लोगों के साथ तुलना की गई।

अध्ययन में पाया गया कि जिन व्यक्तियों के परिवार में अचानक मृत्यु का इतिहास रहा हो, वे कोविड-19 के लिए अस्पताल में थे, और गिरने से कुछ समय पहले शराब पीना और तीव्र शारीरिक गतिविधि करना, दोनों में इसकी संभावना अधिक थी। यह घातक जोड़ी दोनों सिरों पर जीवन की मोमबत्ती जलाती है। डबल पर मौत को पूरा करने के लिए. इसलिए, आईसीएमआर ने पूर्व-कोविड मामलों के लिए अत्यधिक परिश्रम से दो साल के ब्रेक की सिफारिश की।

इसके अलावा, हमने कितनी बार अधेड़ उम्र के लोगों के असामयिक निधन के बारे में सुना या पढ़ा है? एक गायक मंच पर हांफ रहा था और कुछ ही देर बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक स्पष्ट स्वास्थ्य संबंधी व्यक्ति जिसने ट्रेडमिल पर आखिरी बार घातक दौड़ लगाई।

हमने एक मित्र को खो दिया, जिसने हमें व्हाट्सएप पर 'गुडमॉर्निंग' कहा और उसी दोपहर अपने विश्राम के दौरान चला बसे। उनकी मृत्यु ने हमें झपकी दिला दी। आज जीवन एक गंभीर खेल हो सकता है और कोई भी नहीं जानता कि मौत को कौन संभालेगा। अपने स्पष्ट चरम पर लोग कोई अपवाद नहीं हैं। मानसिक/भावनात्मक तनाव, शारीरिक तनाव, वायु प्रदूषण... कुछ भी या हर चीज़ मूक हत्यारे के लिए स्थितियाँ और लक्ष्य स्थापित करने में भूमिका निभाती प्रतीत होती है।

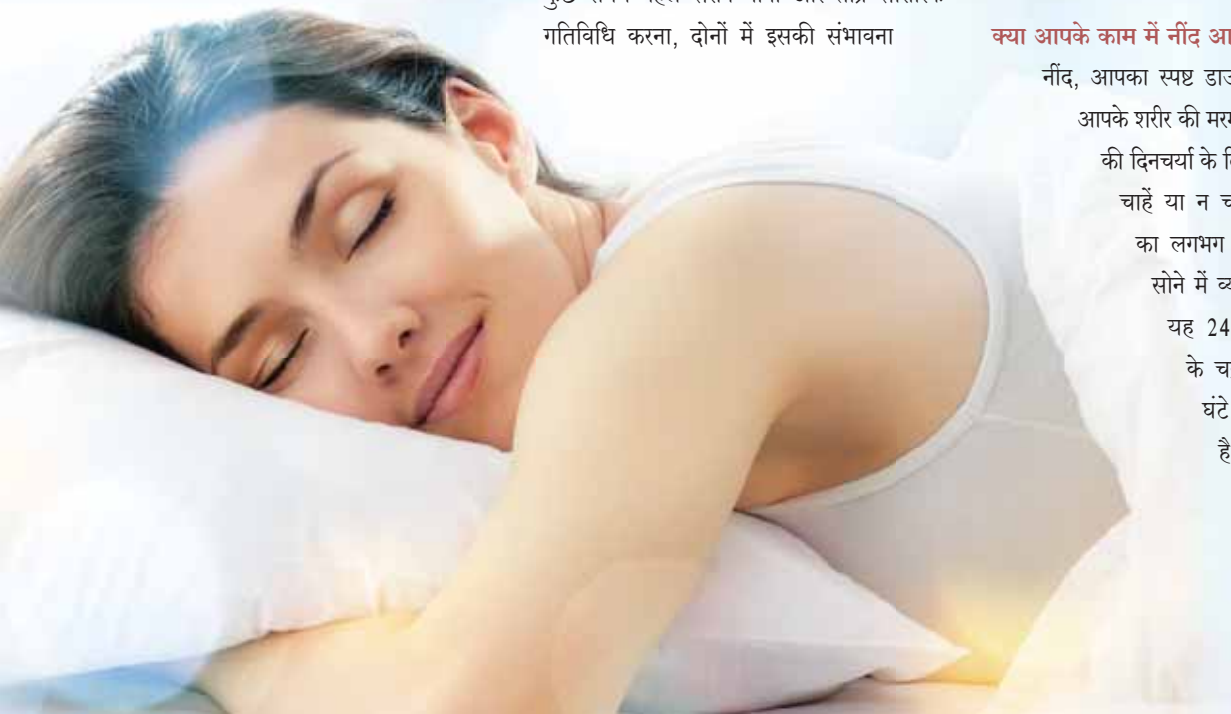

क्या आपके काम में नींद आ रही है?

नींद, आपका स्पष्ट डाउनटाइम, वास्तव में आपके शरीर की मरम्मत और स्वस्थ होने की दिनचर्या के लिए 'समय' है। आप चाहें या न चाहें, आपके जीवन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा सोने में व्यतीत होना चाहिए। यह 24 घंटे के दिन-रात के चक्र में लगभग आठ घंटे तक काम करता है। कुछ लोग कह सकते हैं कि सोना केवल समय की बर्बादी है। क्या

आप भी? यदि आपका उत्तर 'नहीं' है, तो यह आपके लिए सकारात्मक बात है। यदि आपका उत्तर नकारात्मक है, तो यह आपकी अलार्म घड़ी को वेक-अप कॉल के लिए सेट करने का समय है। सूर्योदय और सूर्यास्त सिर्फ पक्षियों के लिए नहीं हैं। वे उन सभी चीज़ों पर लागू होते हैं जो प्राकृतिक हैं। आप भी, स्वाभाविक रूप से।

सौभाग्य से, अब गहरी नींद के लाभों की मान्यता तेजी से बढ़ रही है। गद्दे निर्माता और दवाएँ हमें नींद के मचमत्कार जैसेफ संदेशों से प्रेरित करते हैं और उन जादुई रात के आठ घंटों को सातवें आश्चर्य के रूप में प्रचारित करते हैं। इतना कि अब इसकी जद में नींद विशेषज्ञ डॉक्टर और पूरा फार्मा उद्योग आ गया है। सप्लीमेंट्स, डायग्नोस्टिक्स, उपभोक्ता उपकरण और ऐप्स सहित नींद की अर्थव्यवस्था इस साल 585 बिलियन डॉलर दर्ज करेगी।

पुस्तक प्रकाशकों ने भी इसमें योगदान दिया है। केनेथ मिलर द्वारा लिखित 'मैपिंग द डार्कनेस: द विज़नरी साइंटिस्ट हू अनलॉक्ड द मिस्ट्रीज़ ऑफ़ स्लीप' ऐसा ही एक काम है। जैसा कि शीर्षक से पता चलता है, मिलर लोगों को मआराम से सोनेफ में सक्षम बनाने के लिए तकिया अग्रदूतों, उनके तरीके और तरीकों को रिकॉर्ड करता है। औद्योगिक क्रांति से पहले, मनुष्य सुबह और शाम की लय में ढल जाते थे। कृत्रिम रोशनी और रात की पाली में काम करने से नींद की गतिशीलता बदल गई। डिजिटल उपकरण और नीली रोशनी हमारे शरीर की घड़ियों को भ्रमित करती है। 1930 के दशक में, नाथनियल क्लिटमैन ने नींद विज्ञान के क्षेत्र की स्थापना की। उनके प्रयोगों ने जांच की कि नींद शरीर के अन्य चक्रों के साथ कैसे संपर्क/हस्तक्षेप करती है। नार्कोलेप्सी (दिन में अत्यधिक उनींदापन), नींद में चलने जैसी विकार चिकित्सा माइक्रोस्कोप के तहत चले गए। अंततः ये विकार कम उत्पादकता और दुर्घटनाओं को जन्म देते हैं।

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की 70 घंटे के कार्य सप्ताह की सिफारिश पर गौर किए बिना, हम केवल इतना ही कह सकते हैं कि यह प्रकृति के विपरीत है। वैसे भी, तीसरी पारी लंबे समय तक बनी रहने पर स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक निवारक मानी जाती है। लेखक चेतन भगत लिखते हैं, मसप्ताह में 70 घंटे के कार्य की अपेक्षा को भारतीय निगमों में विषाक्त कार्य संस्कृति को सामान्य बनाने के रूप में देखा गया।फ

हमारे वर्तमान संदर्भ में पढ़ें, और इसे केवल तीसरी पाली तक सीमित रखते हुए, यह प्राकृतिक मानव स्वभाव के खिलाफ जाता है और लचीले-काम के घंटों और घर से काम करने के उभरते रुझानों को नकारता है। लेकिन फिर, यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स का युग है। शायद, चीजों और विषयों की उपयुक्तता में, रोबोट उत्तर हो सकते हैं। और अगली सबसे अच्छी बात? हो सकता है कि तीसरी पाली में कम समय लग जाए! और एआई और रोबोट शुरुआती लोगों के लिए आखिरी बदलाव हैं...

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

Rotary PEOPLE OF ACTION

मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाना

टीम रोटरी न्यूज़

पिछले साल विश्व मधुमेह दिवस (14 नवंबर) पर, रोटरी क्लब एसपीआईसी नगर, रो ई मंडल 3212 ने तूतीकोरिन में डॉ अरुल के मधुमेह केंद्र के सहयोग से बंदरगाह शहर में एक मधुमेह जागरूकता शिविर का आयोजन किया था। रक्त शर्करा, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल, एचबीए1सी (टाइप 2 मधुमेह का निदान करने के लिए परीक्षण), बायोथेसियोमेट्री (न्यूरोपैथी का पता लगाने के लिए), दंत और आंखों की जांच सहित कई प्रकार की चिकित्सा जांच की गई। शिविर में 500 से अधिक लोगों ने सेवाओं का लाभ उठाया।

मधुमेह प्रबंधन पर एक संगोष्ठी को मधुमेह केंद्र के चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया गया।

मधुमेह जांच शिविर में बायोथेसियोमेट्री परीक्षण का आयोजन।

दिन भर चले कार्यक्रम का समापन एक जागरूकता रैली के साथ हुआ जिसमें शहर के विभिन्न रोटरी क्लबों के रोटेरियनों के साथ दो नर्सिंग कॉलेजों के 300 छात्रों ने भाग लिया। पीडीजी डॉ के विजयकुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

क्लब पिछले 15 वर्षों से जागरूकता कार्यक्रमों और मधुमेह जांच शिविरों के साथ विश्व मधुमेह दिवस मना रहा है।■

आपके गवर्नर्स

मुत्तैय्या पिल्लई

आईटी सलाहकार और शिक्षाविद्,

रोटरी क्लब तिरुनेलवेली वेस्ट, रो ई मंडल 3212

रोटरी का रोटेरियनों पर प्रभाव

मुत्तैया पिल्लई ''नेटवर्किंग और मेरे व्यवसाय को आगे बढ़ाने की संभावना से प्रेरित होकर'' रोटरी में शामिल हुए। उन्हें रोटरी क्लब नागरकोइल एलीट के एक नेत्रहीन रोटेरियन से हुई मुलाकात अच्छी तरह याद है। ''उन्होंने मुझे बताया कि वह एक ऑडियो लाइब्रेरी के लाभार्थी थे जिसे मेरे क्लब ने वर्षों पहले उनके स्कूल में स्थापित किया था। मैं बहुत अभिभूत महसूस कर रहा था। इससे मुझे एहसास हुआ कि रोटरी का न केवल लाभार्थियों पर बल्कि रोटेरियनों पर भी गहरा प्रभाव है।''

सदस्यता चुनौतियों पर बात करते हुए उन्होंने युवा सदस्यों को आकर्षित करने की कठिनाई पर प्रकाश डाला जो रोटरी से भौतिक लाभ चाहते हैं। हमें मात्रा से अधिक गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना होगा और अभिविन्यास कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी होगी। उनका 5 प्रतिशत की गुणात्मक शुद्ध सदस्यता वृद्धि का लक्ष्य है। अवरोधन के लिए, ''फोन कॉल और वास्तविक वार्तालाप जैसे सरल भाव महत्वपूर्ण हैं। इससे उन्हें हमारे क्लबों के भीतर अपनेपन और सम्मान की भावना को बढ़ावा मिलता हैं,'' वह कहते हैं। मंडल ने महिला सदस्यता में 13 प्रतिशत की प्रगति की है। सुधार की गुंजाइश बाकी है, ''विशेष रूप से LGBTQIA व्यक्तियों के लिए अधिक स्वागत योग्य वातावरण बनाने में।''

वह सक्रिय रूप से क्लबों को वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित कर रहे है। ''मेरा लक्ष्य अपने कार्यकाल के दौरान 10 अनुदान पूर्ण करना है; तीन को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।'' उनके मंडल का लक्ष्य टीआरएफ को 500,000 डॉलर और पोलियो फंड को 150,000 डॉलर दान करना है।

मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी

बिल्डर, रोटरी क्लब कल्याण, रो ई मंडल 3142

क्षेत्रीय भाषा रोटरी को अधिक सुलभ बनाती है

मिलिंद कुलकर्णी के लिए रोटरी का दिल सामुदायिक सेवा में है। हम नेटवर्किंग और फेलोशिप के लिए रोटरी में शामिल होते हैं लेकिन रोटरी इससे बहुत आगे है। यह आपको आप में मौजूद बेहतर व्यक्ति को देखने में मदद करती है, वह कहते हैं और उस दिन को याद करते हैं जब एक बुजुर्ग व्यक्ति ने रोटरी शिविर में मोतियाबिंद की सर्जरी होने के बाद अपना आभार व्यक्त करने के लिए उनके पैरों को छुआ था। ''उस बुजुर्ग व्यक्ति की नि:शुल्क सर्जरी हुई लेकिन उस दिन मुझे रोटरी का चश्मा लग गया।''

उनका मानना है कि ''रोटरी युवा लोगों और महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और उन्हें मूल्यवान नेतृत्व कौशल हासिल करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करती है।'' कुलकर्णी का मंडल आठ वैश्विक अनुदानों पर काम कर रहा है जिसमें 120,000 लाख डॉलर की लागत वाली एक जल संरक्षण परियोजना और 32,000 डॉलर की एक बाल चिकित्सा सर्जरी पहल शामिल है।

''हमें प्रत्येक सदस्य के उद्देश्य और रोटरी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को समझना होगा और उन्हें यह समझाना होगा कि रोटरी में सफलता के लिए समर्पण और सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है,'' वह कहते हैं। वह दृढ़ता से सिफारिश करते है कि निर्देश और संचार के एक साधन के रूप में क्षेत्रीय भाषा का उपयोग रोटरी को इसके सदस्यों के लिए अधिक सुलभ और भरोसेमंद बना देगा।

से मिलिए

किरण ज़ेहरा

अशोक कुमार गुप्ता

कागज़ उद्योग, रोटरी क्लब साकेत मेरठ, रो ई मंडल 3100

रोटरी को सीमाओं से आगे बढ़ना चाहिए

1996 से अशोक कुमार गुप्ता रोटरी का हिस्सा रहे हैं लेकिन साल 2000 से पहले तक उन्हें ऐसा नहीं लगता था मगर उस वर्ष बाढ़ राहत प्रयास के दौरान बाढ़ पीड़ितों को भोजन के पैकेट वितरित करते समय उन्होंने वास्तव में इसके गहरे प्रभाव को समझा। वह रोटरी को न केवल एक संगठन के रूप में बल्कि एक मानसिकता के रूप में देखते है - ''जो सरहदों को पार करने, खुद को चुनौती देने और परोपकारिता के लिए हमारी क्षमता को परखने का एक मंच प्रदान करता है।''

वह उन सदस्यों के चयन के महत्व पर जोर देते हैं जो रोटरी को एक परिवार के रूप में देखते हैं। एक अकेला समस्याग्रस्त सदस्य पूरे संगठन की साख को मिट्टी में मिला सकता है। इसलिए वह सदस्यता की एक कठोर चयन प्रक्रिया की वकालत करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक सदस्य क्लब और रोटरी में सकारात्मक योगदान दें। नवीन सदस्यों को उनके शामिल होने के दिन पॉल हैरिस फैलो के रूप में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए कहा जाता है। गुप्ता ने खुद व्यक्तिगत रूप से 37,000 डॉलर का योगदान दिया।

अब तक उनके मंडल ने इस वर्ष टीआरएफ में 150,000 डॉलर का योगदान दिया है। मंडल दो वैश्विक अनुदान पर कार्य कर रहा है - एक नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर और अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति।

रितु ग्रोवर

प्रबंधन और प्रशासन, रोटरी क्लब इंदौर रॉयल्स, रो ई मंडल 3040

यूनाइटेड रोटरी समुदाय

2006 में रोटरी से जुड़ने के बाद समाज सेवा ने उनकी यात्रा को उत्तेजित किया है। डीजी रितु ग्रोवर का दृष्टिकोण ''एक मजबूत, एकजुट रोटरी समुदाय तैयार करना है।'' वह छोटे क्लबों को बड़े क्लबों में समेकित करने, अधिक सामंजस्यता को बढ़ावा देने और संगठन के सामूहिक प्रभाव को बढ़ाने की वकालत करती है। सदस्यता भर्ती को प्रोत्साहित करने, नेतृत्व के अवसर प्रदान करने और परिवार की भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्हें अपने सदस्यता लक्ष्यों तक पहुंचने की उम्मीद है।

रितु डीईआई का दृढ़ता से समर्थन करती है, ''एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास जहाँ हर सदस्य मूल्यवान और सम्मानित महसूस करता हो।'' LGBTQIA और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अलग-अलग क्लब बनाने के बजाय वह मौजूदा क्लबों के भीतर ही उनके समावेश को बढ़ावा देती है।

संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन के बारे में बात करते हुए, वह कहती हैं, ''टीआरएफ निधि का विवेकपूर्ण उपयोग यह सुनिश्चित करेगा कि रोटरी के संसाधनों का उपयोग अधिकतम लाभ के लिए किया जाए।'' इस वर्ष के लिए उनके मंडल का टीआरएफ लक्ष्य 300,000 डॉलर का है। वर्तमान में, मंडल में पांच वैश्विक अनुदान और तीन सीएसआर परियोजनाएं कार्यरत हैं।

उन्होंने सदस्यों का रोटरी ज्ञान बढ़ाने के लिए हिंदी और अंग्रेजी में एक पुस्तिका ज्ञानकुश वितरित की।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

घर बदलते समय पर्यावरण चेतना

प्रीति मेहरा

अपना नया घर पर्यावरण - अनुकूल बनाए।

घर बदलना एक नई शुरुआत करने जैसा है। यह आपको आपके द्वारा अर्जित घरेलू सामानों की सूची का गंभीर स्टॉक लेने का अवसर प्रदान करता है। लेकिन ऐसा करते समय हरे रंग का बाइफोकल पहनने से बहुत फर्क पड़ेगा। आप न केवल उन चीज़ों को दे पाएंगे जिनकी आपको ज़रूरत नहीं है, बल्कि वर्षों से अप्रयुक्त पड़े फ़र्नीचर और कपड़ों के टुकड़ों को भी पुनर्चक्रित और पुन:उपयोग कर सकते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आप यह सुनिश्चित करने के लिए नए घरेलू सामानों में समझदारी से निवेश कर सकते हैं कि आपका नया घर यथासंभव न्यूनतम और पर्यावरण-अनुकूल हो।

मैं इसे दूर दिल्ली से अपने दिल के करीब चेन्नई में घर ले जाने के प्रत्यक्ष अनुभव से जानता हूं। नया घर स्थापित करने की पूरी प्रक्रिया आंखें खोलने वाली रही। जब मैंने अपना बरतन खोला, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपनी आवश्यकता से अधिक सामान प्राप्त कर लिया है। इनमें दोस्तों और रिश्तेदारों के उपहार शामिल थे जो वर्षों से ढेर लगे हुए थे। मैं जानता हूं कि मुझे इसमें से काफी कुछ दिल्ली में ही दे देना चाहिए था, लेकिन कभी-कभी भावना और भावुकता हम पर हावी हो जाती है और हम एक उपहार अपने पास रख लेते हैं, भले ही वह किसी दुर्गम शीर्ष शेल्फ में अप्रयुक्त पड़ा रहता हो।

सौभाग्य से, चेन्नई में, मैं अधिक व्यावहारिक था। जिन बर्तनों का मेरे पास कोई उपयोग नहीं था, उनमें से कई को तुरंत एक ऐसे संगठन को दान कर दिया गया, जो दिसंबर की शुरुआत में चेन्नई में आए चक्रवात से विस्थापित लोगों को आवश्यक चीजें वितरित कर रहा था। बहुत सारे कपड़े और विभिन्न प्रकार के घरेलू सामान और उपकरण बाहर चले गए, जिन्होंने बेहतर दिन देखे थे।

लेकिन मैं यहीं नहीं रुका. मैंने निर्णय लिया कि मेरा नया घर उस समय की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित और शामिल करना चाहिए जिसमें हम रह रहे हैं।

एयर कंडीशनर और पंखे जैसे बिजली के उपकरण खरीदते समय उन ब्रांडों पर बुद्धिमानी से निवेश करें जो ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की स्टार रेटिंग के साथ ऊर्जा कुशल के रूप में प्रमाणित हैं। ऐसी सस्ती मशीनों का चयन न करें जो पुरानी हो चुकी हैं और ऊर्जा की भारी लागत लेती हैं। यदि आप वॉशिंग मशीन खरीद रहे हैं, तो ऐसी मशीन चुनें जो कम बिजली और पानी की खपत करती हो। ठीक इसी प्रकार जल शोधक। जल संरक्षण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना ऊर्जा बचाना। सौभाग्य से, अधिकांश निर्माता पहले की तुलना में कहीं अधिक पर्यावरण-अनुकूल मशीनों का उत्पादन कर रहे हैं।

ऊर्जा बचाने का एक तरीका जो मैंने सीखा वह था अपने फ्लैट/घर को अच्छी तरह हवादार रखना। पुराने महाबलीपुरम रोड पर जिस अपार्टमेंट परिसर में हम स्थानांतरित हुए, वह समुद्री हवा से समृद्ध है - जैसा कि अधिकांश चेन्नई में है। लेकिन जिस क्षेत्र में हमने देखा, वहां के अधिकांश घरों में मच्छरों के डर से शाम के समय और रात के समय ज्यादातर खिड़कियां बंद रहती हैं। खुली खिड़कियाँ मच्छरों को दूर रख सकती हैं, लेकिन ताज़ी समुद्री हवा को भी दूर रखती हैं।

जिस युवा डिज़ाइनर से हमने सलाह ली, वह ऐसा व्यक्ति था जिसने अपने काम में व्यावहारिकता के साथ सौंदर्यशास्त्र का मेल किया। उन्होंने सुझाव दिया कि हम मच्छरदानी में निवेश करें जो फ्लैट की सभी बड़ी और छोटी खिड़कियों के लिए फिसलने वाले धातु के फ्रेम पर लगाई जाती हैं। हमने उनकी सलाह मानी और हमें खुशी है कि हमने ऐसा किया। घर इतना

अधिकांश घरों में मच्छरों के डर से शाम के समय और रात के समय ज्यादातर खिड़कियां बंद रहती हैं। खुली खिड़कियाँ मच्छरों को दूर रख सकती हैं, लेकिन ताज़ी समुद्री हवा को भी दूर रखती हैं।

हवादार है कि हमें अभी तक अपना एसी चालू करने की जरूरत महसूस नहीं हुई है। हम अपने पंखों का भी संयम से उपयोग करते हैं। चरम गर्मियों में यह अधिक गर्म और चिपचिपा हो सकता है, लेकिन मेरा मानना है कि एक अच्छी तरह हवादार घर उस घर की तुलना में कहीं अधिक आरामदायक होगा जिसमें मच्छरों और कीड़ों को दूर रखने के लिए शाम को खिड़कियां बंद कर दी जाती हैं।

हमने एक ऐसी जगह भी चुनी जहां जल्द ही मेट्रो लिंक उपलब्ध होगा। इससे हमें भविष्य में जीवाश्म ईंधन वाले वाहनों का उपयोग करने से बचने में मदद मिलेगी और वह भी केवल आपात स्थिति के दौरान।

हमने अधिकांश अंदरूनी सजावट पर्यावरण-अनुकूल बांस से करने का निर्णय लिया क्योंकि यह उपलब्ध सबसे टिकाऊ सामग्री है और चेतना पर हल्के ढंग से बैठती है।

हमारा बेशक एक ऊंचा अपार्टमेंट ब्लॉक है, लेकिन अगर आप भाग्यशाली हैं कि आपके पास अपनी जमीन है, तो स्थिरता की राह पर यात्रा करने के लिए आप कई विकल्प चुन सकते हैं। पहला नियम यह है कि अपनी भूमि का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें और उस पर मौजूद किसी भी हरियाली को नष्ट न करने का निर्णय लें। एक ऐसे डिज़ाइन पर विचार करें जिसमें हरियाली को काटने और बंजर नई स्लेट पर शुरुआत करने के बजाय पहले से ही परिदृश्य को सजाने वाले पेड़ों और झाड़ियों को शामिल किया जा सके।

उस जल स्रोत को समझें जो आपके भूखंड की सेवा कर रहा है। उसके आसपास योजना बनाना सबसे अच्छा होगा। उदाहरण के लिए, सुनिश्चित करें कि आप एक जल संचयन प्रणाली स्थापित करें जो आपके भूजल को फिर से भरने में मदद करेगी और इसका उपयोग बगीचे और सब्जियों के खेतों में पानी देने के लिए किया जाएगा। यह बहुत अच्छा होगा यदि आप अपनी रसोई और सिंक के गंदे पानी का भी उपयोग कर सकें। एक जल सलाहकार आपको बता सकता है कि अपने फ्लशिंग सिस्टम के लिए उसी पानी का पुनर्चक्रण कैसे करें।

अंत में, सौर ऊर्जा के बारे में एक शब्द। यदि आपके पास अपना घर है तो पैनल स्थापित करना एक फ्लैट की तुलना में बहुत आसान होगा। अपनी बिल्डिंग सोसायटी को सौर पैनल स्थापित करने के लिए राजी करना एक विकल्प हो सकता है। कुछ कंपनियां बालकनी पर एक मिनी पवन टरबाइन भी पेश कर रही हैं जो ग्रिड से ऊर्जा के व्यापक उपयोग को कम कर सकती है। मैंने कुछ को नोएडा में स्थापित होते देखा है, और हवादार क्षेत्र में, यह और भी अधिक कुशल होगा। विचार यह है कि आप अपने कार्बन प्रभाव को कम करें और धरती माता के लिए अपना योगदान दें।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं,
जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

पुणे में डायलिसिस केंद्र के लिए उपकरण

डायलिसिस सेंटर में मरीजों का इलाज।

सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, लावले, पुणे में रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटी, रो ई मंडल 3131 द्वारा समर्थित रोटरी डायलिसिस सेंटर वंचित रोगियों को नि:शुल्क डायलिसिस प्रदान करता है। हाल ही में 85,000 डॉलर के एक वैश्विक अनुदान ने 10 नई डायलिसिस मशीनों को वित्त पोषित किया जिससे सालाना करीब 21,000 उपचार सक्षम हुए। ■

कोलकाता के स्कूलों में WASH सुविधाएं

उद्घाटन समारोह में रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी रोटेरियनों और प्रबासी के सदस्यों के साथ।

एक NRI बंगाली समुदाय, प्रबासी और रो ई मंडल 3291 के रोटरी क्लबों ने हाल ही में बोधोदया प्राथमिक विद्यालय और कोलकाता में दिव्यांग लड़कियों के लिए स्थित एक स्कूल, आशा भवन केंद्र में एक WASH परियोजना का उद्घाटन किया। ■

दिल्ली में कौशल केंद्र

कौशल केंद्र में रोटेरियन।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ वेस्ट, रो ई मंडल 3011 ने अपने रोटरी दिल्ली साउथ वेस्ट फाउंडेशन और आर्य समाज के माध्यम से नई दिल्ली में 4,500 वर्ग फुट का कौशल केंद्र शुरू किया। यह वंचित छात्रों को कंप्यूटर, अंग्रेजी और नौकरी से संबंधित अन्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है। महिलाओं के लिए सिलाई और ब्यूटी केयर कोर्स आयोजित किए जाते हैं। ■

दिव्यांग बच्चों के लिए व्हीलचेयर

व्हीलचेयर प्राप्त करने के बाद रोटेरियन के साथ विकलांग बच्चे

रोटरी क्लब हुबली, धारवाड़ वन, गोकक, मुंडगोड, हंगल, कुंडगोल और दांदेली ने ठखडच् के सहयोग से धारवाड़ में दिव्यांग बच्चों को ₹13.5 लाख की 150 व्हीलचेयर दान की ताकि वे आसानी से स्कूल जा सकें। ■

New members from different groups in our communities bring fresh perspectives and ideas to our clubs and expand Rotary's presence. Invite prospective members from all backgrounds to experience Rotary.

REFER A NEW MEMBER
my.rotary.org/member-center

Rotary

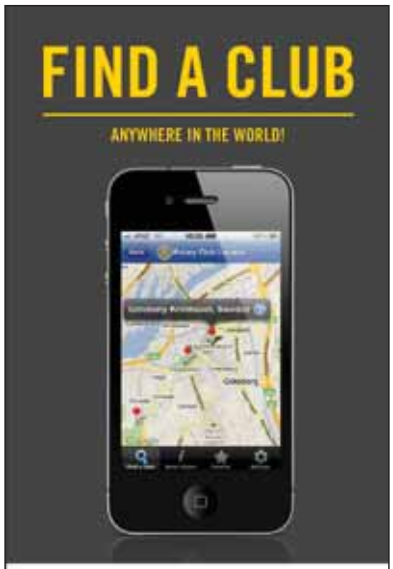

Use Rotary's free Club Locator and find a meeting wherever you go!

www.rotary.org/clublocator

जनवरी 2024 तक मंडल टीआरएफ योगदान

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या		एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
			India			
2981		22,051	875	1,000	200	24,126
2982		22,888	694	24,085	8,857	56,524
3000		72,078	290	0	27,797	100,165
3011		134,732	23,916	26,089	249,872	434,609
3012		11,124	50	0	129,370	140,545
3020		111,355	22,227	33,235	49,025	215,842
3030		82,400	27,308	4,275	210,698	324,681
3040		3,772	108	0	25	3,906
3053		22,399	1,000	0	26,053	49,452
3055		82,292	2,516	30	6,228	91,067
3056		27,008	125	0	0	27,133
3060		74,999	9,590	7,700	178,913	271,202
3070		6,449	20	0	0	6,469
3080		83,889	21,006	1,500	11,384	117,779
3090		43,105	1,113	12,000	26,809	83,027
3100		81,611	2,787	25,301	31,118	140,817
3110		11,176	30	0	79,348	90,554
3120		34,079	129	0	101	34,308
3131		389,028	9,817	90,098	552,365	1,041,308
3132		87,806	4,658	10,000	48,391	150,854
3141		299,787	11,405	60,012	613,398	984,602
3142		241,539	33,293	14,500	47,798	337,129
3150		39,252	30,596	160,423	91,975	322,247
3160		10,568	1,051	0	0	11,619
3170		79,718	26,818	12,700	71,334	190,570
3181		82,971	2,073	1,000	75	86,119
3182		35,381	4,606	0	0	39,987
3191		50,405	8,991	60,976	287,466	407,837
3192		71,086	9,767	0	46,198	127,051
3201		121,533	43,971	45,684	1,040,428	1,251,615
3203		16,470	16,317	1,220	15,550	49,557
3204		15,346	2,574	0	18,466	36,386
3211		42,143	4,236	27,325	98,347	172,052
3212		58,621	18,987	2,000	65,152	144,760
3231		4,442	2,649	0	0	7,090
3232		42,329	18,109	15,511	859,326	935,275
3240		87,889	8,705	13,000	92,007	201,602
3250		31,185	3,051	26	11,298	45,560
3261		12,063	1,968	0	28,978	43,009
3262		36,129	4,936	1,000	2,575	44,640
3291		119,232	2,567	41,646	1,050	164,495
3220	Sri Lanka	45,763	3,232	0	973	49,967
3271	Pakistan	44,532	101,435	0	20,402	166,369
*3272	Pakistan	4,342	385	0	25	4,752
*3281	Bangladesh	80,569	2,105	3,000	264,728	350,403
*3282	Bangladesh	91,236	4,982	1,000	9,116	106,334
3292	Nepal	150,403	20,776	13,000	94,094	278,272
63	(former 3272)	1,025	0	0	0	1,025
64	(former 3281)	23,045	200	1,000	0	24,245
65	(former 3282)	3,797	100	0	9,000	12,897

* Undistricted

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र और विश्व कोष शामिल हैं। पोलियोप्लस में बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन शामिल नहीं है। **स्रोत:** रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

शब्दों की दुनिया

भीतर से बाहर झांकना

संध्या राव

लघुकथाओं का नवीन संग्रह और एक ताज़ा पुस्तक काल्पनिक माध्यम से ऐतिहासिक और सामाजिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

जब आपके किसी प्रिय व्यक्ति की संतान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करती है - और यहां हम पुरस्कारों की चर्चा नहीं कर रहे - तो आपको एक अप्रतिम खुशी और गर्व महसूस होता है। यह किसी के लिए भी हो सकता है: कपड़े डिज़ाइन करना, रेसिपी बनाना, दुनिया की यात्रा करने के लिए ब्रेक लेना, किसी दोस्त को मशवरा देना, कठिन निर्णय लेना, किताब लिखना... हाल ही में, मुझे ब्लैक लॉरेंस प्रेस द्वारा प्रकाशित *बूमटाउन गर्ल* नामक एक पतली सी किताब मिली। यह शुभा सुंदर का पहला लघु कथा संग्रह है और आप मुझे उसके बारे में कुछ बताने के लिए क्षमा करें क्योंकि वह मेरे बचपन की एक प्रिय मित्र की बेटी है जो मेरी पढ़ाई के लिए एक आदर्श मॉडल थी। जब हम लगभग 6 और 8 वर्ष की उम्र में पहली बार मिले थे तब से लेकर अब तक कई वर्ष और बहुत कुछ बीत चुका है। वह मॉस्को में रहती है और मैं चेन्नई में, लेकिन आज भी हम करीबी दोस्त हैं।

शुभा की पुस्तक ने 2021 में सेंट लॉरेंस बुक अवार्ड जीता था और वो हडसन पुरस्कार, फ़्लैनरी ओफ्कॉनर अवार्ड और न्यू अमेरिकन फिक्शन पुरस्कार की फाइनलिस्ट थी। कहने को तो और भी बहुत कुछ है, लेकिन मैं इतना कह कर विराम लूंगी कि वह बेंगलुरु में तब पली-बढ़ी जब यह बंगलौर हुआ करता था और अब बोस्टन, मैसाचुसेट्स में रहती है। *बूमटाउन गर्ल* में नौ कहानियों का संग्रह है, जो बैंगलोर की पृष्ठभूमि में लिखी गई हैं , और शहर के विभिन्न चौराहों और कोनों से उभरने वाले पात्रों का एक सूक्ष्म और विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। इसमें एक उपेक्षित युवा लड़की का अपहरण हो जाता है, दूसरी अपने पिता के साथ घूमने जाती है, एक युवक है जो विदेश में पढ़ाई करने के लिए बेताब है, एक लड़का जो खुद को एक विदेशी आंटी की 'रक्षा' करता हुआ पाता है, 'कावेरी नगर का सेवानिवृत्त एक संभ्रांत' जिसे एक तरह से प्रेम में रुचि जाग जाती है, स्कूली लड़कियाँ जो घटनाओं के एक भयानक मोड़ में फंस जाती हैं (शीर्षक कहानी), और भी काफी कुछ।

लेखनी स्पष्ट, सटीक और विवरण विस्तृत, सारगर्भित है, भले ही कथानक की पंक्तियाँ स्वयं काफी हद तक खुले-अंत वाले हैं जिसकी सीमा नहीं है, जो आम ज़िंदगी की बात करती हैं। हाँ, कुल मिलाकर, संग्रह की कहानियाँ कभी-कभी अँधेरे में, अनिश्चितताओं, यहाँ तक कि अभिशाप की दुनिया में ले जाती है। कभी-कभी, इसका लेखन आत्मचिंतन के लिए बाध्य कर सकता है लेकिन यह आपको और अधिक पढ़ने के लिए भी उचकता बनाये रखता क्योंकि यह वास्तविक जीवन और 1980 और 1990 के दशक की घटनाओं और विषयों से स्पंदित होता रहता है। उदाहरण के तौर पे :'इंडिपेंडेन्स डे' शीर्षक से कहानी में, पिता और बेटी एक फिल्म, 'इंडिपेंडेन्स डे' देखने जा रहे हैं। जब वे सिनेमा की ओर ड्राइव करते हैं तो यह उनकी बातचीत से शुरू होती है कि कार पर बाह्य, भौतिक बल किस प्रकार काम करता है।

भौतिकी विषय पर कुछ देर इधर-उधर की बात करने के बाद, पिता कहते हैं, 'तुम्हारे नब्बे नंबर आये हैं? ... न्यूटन के नियमों को समझे बिना ही नंबर आ गए?' यात्रा के दौरान मां-बाप और बच्चों के बीच हुए ऐसे कई वार्तालापों पर मेरा मन चला जाता है। 'आप याद तो कर सकते हैं और बार बार याद कर सकते हैं... लेकिन जब तक आप अवधारणाओं को समझ नहीं लेते, तब तक आपने कुछ नहीं सीखा ...फ वह आगे कहते हैं, जबकि उनकी बेटी बताती है कि वह 16 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन मअपना करियर बनाने के लिए भारत लौट आए,' प्रतिभा पलायन के इस युग में आज देश को उन जैसे लोगों की और जरूरत थी।'

इसके अलावा, इस बार पिता के साथ सामान्य में रहे एक पूर्व कर्मचारी के साथ एक और चर्चा है, सामान्य अभिवादन के बाद वो पूछता है, '...क्या आप अभी भी इंफोसिस में हैं?' नहीं, उत्तर मिलता है: 'उसने व्यवसायी को बोला कि उसने वह कंपनी छोड़ दी थी क्योंकि काम का दबाव बहुत ज्यादा था।' काम में डूबे

रहने वाले पिता ने उस आदमी से कहा, 'तुम्हारी उम्र में, मेरे दोस्त,...तुम्हें दिन में 16, 18 घंटे काम करना चाहिए,' जो 'सप्ताह में 70 घंटे' काम करने के एक और व्यक्ति की बात को दोहराते हैं, जिसे हम सब जानते हैं!

शुभा का बेंगलुरु छोड़ हम बृंदा चारी के 'मद्रास के आस पास किसी स्थान' पर पहुँचते हैं, क्योंकि उसका नायक भारत से लंदन तक की यात्रा कर रहा है जो वर्जीनिया, अमेरिका में जा के समाप्त होती है। *द ईस्ट इंडियन* का केंद्रीय पात्र टोनी, उसकी अद्भुत गाथा का सूत्रधार भी है। उपन्यास का दृष्टिकोण समझाते हुए, लेखिका अपनी टिप्पणी में लिखती है: महालाँकि यह एक काल्पनिक कृति है, यह औपनिवेशिक उत्तरी अमेरिका में पूर्वी भारतीय की उपस्थिति से प्रेरित है। अमेरिका में सबसे पहले पूर्वी भारतीयों (यानी, भारतीय उपमहाद्वीप के मूल निवासी) में से कई संभवतः अनुबंधित श्रमिक के रूप में आए थे।

वे लंदन के रास्ते आए, जहां वे संभवतः या तो ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों के कर्मचारी थे या ईस्ट इंडिया कंपनी के जहाजों के नाविक थे। उनमें से अधिकांश को सस्ते श्रम की तलाश में एजेंटों द्वारा अमेरिका लाया गया था। ''टोनी'' ऐसे पूर्व भारतीय कार्यकर्ता का सबसे पहला ज्ञात व्यक्ति है।

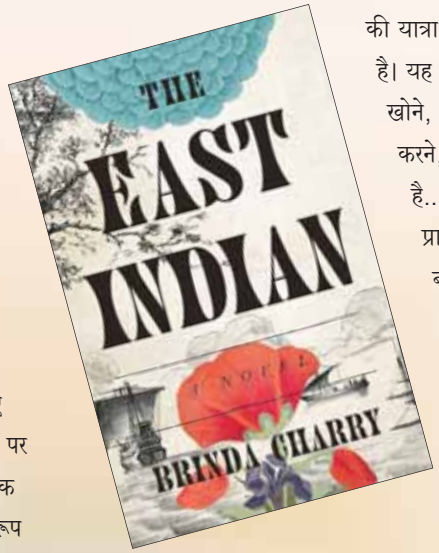

अपने शोध के अंतर्गत, ब्रिंडा चारी ने ऐसे रिकॉर्ड खोज निकाले हैं जो ये संकेत देते हैं कि ऐसे ही एक व्यक्ति ने अमेरिका के लिए *गॉड्स गिफ्ट* नामक जहाज पर चढ़ने से पहले लंदन के एक औषधालय में प्रशिक्षु के रूप में काम किया था। प्रेरित होकर, उसने इस ''टोनी'' के संभावित जीवन और समय के बारे में एक विस्तृत कथा की कल्पना की, जो पूरी तरह से काल्पनिक थी लेकिन उसका ऐतिहासिक संदर्भ काफी सशक्त है। उदाहरण के लिए, यदि आप मद्रास शहर की पैदाइश में रुचि रखते हैं या उससे परिचित हैं, तो आप पुस्तक के प्रारंभिक भाग में उल्लिखित कुछ नामों को पहचाने जाएंगे, जैसे फ्रांसिस डे और एंड्रयू कोगन। ऐसा माना जाता है कि कोरोमंडल तट पर बसे इस शहर के जन्म में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। वर्जीनिया बिट में, जॉर्ज मेनेफ़ी का ज़िक्र है जिसके लिए टोनी काम करता है; यहां दर्ज है कि जॉर्ज मेनेफ़ी वर्जीनिया में एक रईस ज़मींदार थे।

वास्तव में, यहां इसका अकाल्पनिक तत्व गोचर होता है, फिर भी व्यवधान उत्पन्न नहीं करता। कहने को मूर्खतापूर्ण बनाने की बजाय, यह पढ़ने के अनुभव को एक अजीब तरीके से और दिलचस्प बना देता है, हालांकि ध्यान रहे: पाठ का आकार अक्षम्य रूप से छोटा है। लेकिन इस पर विचार ना करें और रुकें नहीं, पढ़ते रहें। वर्जीनिया और मैरीलैंड में कई पाठकों के मित्र और रिश्तेदार होने की संभावना है, जो इस पुस्तक को पढ़ने का अधिक कारण हैं। वर्णन विचारोत्तेजक हैं, कथानक मनोरंजक है... बृंदा चारी वह करती है जो केवल दुर्लभ पुस्तक ही कर सकती है, वह आपको टोनी की यात्रा पर साथ ले चलती है। यह अलगाव, पहचान खोने, प्रयास करने, संघर्ष करने, गुलामी की कहानी है... लेकिन यह खोजने, प्राप्त करने, नर्माण और बनाने की भी कहानी है। वहाँ इम्तहान है और सज़ा है, लेकिन अंतर्दृष्टि और पुरस्कार भी हैं। यदि यह सब कुछ अस्पष्ट या पेचीदा लगता है, यह इस पर निर्भर करता है कि आपका नजरिया कैसा है, तो निश्चिन्त रहें कि पुस्तक बेकार नहीं है, बल्कि दिलचस्प है।

लेखनी समृद्ध, स्पष्ट, सुरुचिपूर्ण, समकालीन है, फिर भी हमारे समय का है। टोनी को उसकी मां बहुत चाहती है, वह नहीं जानता कि उसके पिता कौन हैं, और जब भी उनके यहां कोई पुरुष मेहमान आता तो उसे भगा दिया जाता। जब सर फ्रांसिस डे का दौरा होता था: 'यहाँ श्वेत व्यक्ति आये हैं, मेरे चाचा घोषणा करते थे, हालाँकि वह हमारे आगंतुक का नाम अच्छी तरह से जानते थे लेकिन बोलते नहीं थे और हालाँकि गर्मी में मास्टर डे लाल अधिक और सफ़ेद काम दिखते,गर्मी ने उन्हें बहुत परेशान किया। मुझे नहीं पता कि मेरी माँ अपने अंग्रेज़ के बारे में क्या महसूस करती थी, लेकिन जब भी वह चूमने के लिए मान का हाथ अपने हाथ में लेता तो वह हमेशा उसका स्वागत बड़ी शालीनता से मुस्कुराते हुए करती थी, मेरी दादी की सोच थी कि ऐसा नहीं होना चाहिए था क्योंकि यह सार्वजनिक रूप से होता था।'

कभी-कभी टोनी असामयिक सा लगता है, 'अपने वेतन ग्रेड से ऊपर' टिप्पणियाँ करता है। फिर भी, हम उस पर भरोसा करते हैं और उसकी स्थिति के प्रति सहानुभूति रखते हैं। यह एक चुनौती है: एक भूरा आदमी (न सफेद, न काला) एक उपनिवेशित उपमहाद्वीप, एक औद्योगिक शहर के ज़रिये अपना रास्ता बना रहा है और महामारी से ग्रस्त एक दलदली वातावरण में जड़ें जमाने की कोशिश कर रहा है जिसमें मूल निवासी धीरे-धीरे ख़त्म होते जा रहे हैं। और तम्बाकू के खेतों में काम करने के लिए लगभग रोज़ाना दासों से भर कर जहाज लाये जा रहे हैं। स्वामित्व के अहंकार और स्वतंत्रता की चाहत से भरे माहौल में, टोनी को किस्मत से एक डॉक्टर का सहायक बनने का मौका मिलता है। आप उसका उत्साहवर्धन करते हैं, क्योंकि दुखद नुकसान और निराशाजनक विकल्पों के बीच वह जीना और प्यार करना सीखता है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

Star Performers (Membership &

Membership Awards	Zone 4	Zone 5
Highest membership growth	Ashok Kantoor (RID 3011)	P Saravanan (RID 2982)
Highest membership growth in %age	Dushyant Chaudhary (RID 3070)	P Saravanan (RID 2982)
Highest expansion	Ashok Kantoor (RID 3011)	S Rajmohan Nair (RID 3201)
Highest women membership growth	Ashok Kantoor (RID 3011)	I Jerald (RID 3000)
Highest existing membership retention	V P Kalta (RID 3080)	V V Pramod Nayanar (RID 3204)
Highest new member retention	Rajesh Kumar Chura (RID 3053)	S Rajmohan Nair (RID 3201)

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली, आरआईडी राजू सुब्रमण्यन की उपस्थिति में आईपीडीजी वी वी प्रमोद नयनार और उनकी पत्नी श्रीविद्या को पुरस्कार प्रदान करते हुए। चित्र में पीडीजी राजेश सुभाष, उनकी पत्नी देश्मा, और रोटरी समन्वयक सी शिवनियनासेल्वम भी शामिल हैं।

Public Image Champion Awards — Zones 4, 5, 6 and 7

Zone 4	Zone 5	Zone 6	Zone 7
Kailash Jethani (RID 3142)	P Saravanan (RD 2982)	Anand Jhunjhunuwala (RID 3030)	Bhaskar Ram Viswanatham (RID 3020)
Shrikant Indani (RID 3060)	S Rajmohan Nair (RID 3201)	Shashank Rastogi (RID 3261)	Anil Parmar (RID 3131)
Sandeep Agrawalla (RID 3141)	V V Pramod Nayanar (3204)	D K Sharma (RID 3100)	Rukmesh Jakotia (RID 3132)
Dushyant Chaudhary (RID 3070)	K Babumon (RID 3211)	Pawan Agarwal (RID 3110)	Talla Rajasekar Reddy (RID 3150)
Balwantsinh Chirana (RID 3054)	V R Muthu (RID 3212)	Jitendra Bahadur Rajbhandary (RID 3292)	Vominna Satish Babu (RID 3160)
V P Kalta (RID 3080)	Pubudu de Zoysa (RID 3220)	Anil Agarwal (RID 3120)	Venkatesh Deshpande (RID 3170)
			Jeetendra Aneja (RID 3190)

PI Awards) — Zones 4, 5, 6 and 7

Membership Awards	Zone 6	Zone 7
Highest membership growth	Anand Jhunjhunuwala (RID 3030)	N Prakash Karanth (RID 3181)
Highest membership growth in %age	Anand Jhunjhunuwala (RID 3030)	N Prakash Karanth (RID 3181)
Highest expansion	Shashank Rastogi (RID 3261)	Bhaskar Ram Viswanatham (RID 3020)
Highest women membership growth	Shashank Rastogi (RID 3261)	N Prakash Karanth (RID 3181)
Highest existing membership retention	Shashank Rastogi (RID 3261) Sanjeev Kumar Thakur (RID 3250)	Dr Jayagowri Hadigal (RID 3182)
Highest new member retention	Jitendra Bahadur Rajbhandary (RID 3292)	Vommina Satish Babu (RID 3160)

आईपीडीजी शशांक रस्तोगी और उनकी पत्नी विशाखा ने अध्यक्ष मेकिनली से पुरस्कार प्राप्त किया। चित्र में डीजी मंजीत सिंह अरोड़ा (बाएं), पीडीजी प्रदीप मुखर्जी और आरआईडी सुब्रमण्यन भी शामिल हैं।

अध्यक्ष मेकिनली ने आईपीडीजी अशोक और अलका कंतूर को पुरस्कार प्रदान किया। बाईं ओर आरसी गुरजीत सिंह सेखों नजर आ रहे हैं।

अध्यक्ष मेकिनली ने आईपीडीजी बलवंत सिंह चिराना को सार्वजनिक छवि पुरस्कार प्रदान किया। दाएं से: आरपीआईसी पिंकी पटेल, आरआईडी सुब्रमण्यन और पीडीजी अशोक गुप्ता भी चित्र में शामिल हैं।

आईपीडीजी वेंकटेश देशपांडे, अध्यक्ष मेकिनली से पुरस्कार प्रप्थ करते हुए। चित्र में (दाएं से): पीआरआईडी ए एस वेंकटेश, आरआईडी सुब्रमण्यन, डीजीई शरद पई और पीडीजी संग्राम पाटिल शामिल हैं।

रोटरी मैत्री की शक्ति

कल्पना खौंड

1921 में एडिनबर्ग में आयोजित रोटरी कन्वेंशन में पॉल हैरिस ने कहा, ''रोटरी की प्रेरक शक्ति दोस्ती है।'' रोटेरियन के बीच बनी दोस्ती हमारे समुदाय के लिए महान चीजों की शुरुआत हो सकती है।

भारत और मुख्य भूमि एशिया में रोटरी का शताब्दी समारोह फरवरी 2020 में कोलकाता में भव्य तरीके से आयोजित किया गया था। सिटी ऑफ जॉय में 30 से अधिक देशों के 4,000 से अधिक रोटेरियन का जमावड़ा हुआ था, और मैं स्वागत समिति की सदस्य थी। मुझे दी गई एक जिम्मेदारी उत्तरी कैरोलिना की पीडीजी नैन्सी बार्बी, रो ई मंडल 7730 (यूएसए और कनाडा) को हावड़ा स्टेशन पर प्राप्त करने की थी।

जब मैं उससे स्टेशन पर मिला तो मुझे नहीं पता था कि यह एक ऐसी दोस्ती की शुरुआत होगी जिसे संजोया जाएगा और जो कई जिंदगियों को प्रभावित करेगी। उन तीन दिनों के दौरान मैं पीडीजी नैन्सी से कई बार मिला और हम दोस्त बन गये। वह 2008 में जीएसई टीम लीडर के रूप में रो ई मंडल 3250 में आई थीं और उन्होंने भारत के साथ एक भावनात्मक रिश्ता विकसित किया था। पोलियो उन्मूलन का कारण उनके दिल के बहुत करीब है और वह एनआईडी के दौरान भारत में अपने मंडल के रोटेरियनों की एक टीम का नेतृत्व करते हुए आई थीं।

कोलकाता में सफल शताब्दी समारोह का उत्साह महामारी के आगमन के साथ जल्द ही गायब हो गया। राष्ट्रों को सतर्क कर दिया गया और भारी मानवीय पीड़ा हुई। कोविड की दूसरी लहर के दौरान नैन्सी ने मुझे बताया कि वह बहुत जरूरी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भेजेगी, और रो ई मंडल 7730 जोन 28, 32, 33 (यूएसए और कनाडा) के रोटेरियन से उपहार के रूप में 40 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मेरे घर पहुंचाए गए। उन्होंने पूरे प्रयास का नेतृत्व किया था और ऊपरी असम के शहर डिब्रूगढ़, जहां मैं रहती हूं, तक जीवन रक्षक उपकरण पहुंचाने के लिए सेवा इंडिया की सेवा का उपयोग किया था। बहुमूल्य उपहार प्राप्त करने पर, मेरे क्लब के रोटेरियन असम और पड़ोसी राज्यों में सही संगठनों तक कंसन्ट्रेटर पहुँचे। पहला सांद्रक डिब्रूगढ़ पुलिस अस्पताल को दिया गया और अन्य मारवाड़ी युवा मंच मोरन, दीपशिका कैंसर फाउंडेशन, प्रतिश्रुति कैंसर और प्रशामक ट्रस्ट, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय अस्पताल आदि को दिया गया।

कनेक्ट रो ई मंडल 3012 के ई-क्लब के एक रोटेरियन, डॉ निश्चल पांडे, जिनके साथ मैंने गिफ्ट ऑफ लाइफ प्रोग्राम के लिए काम किया था, जो जन्मजात हृदय दोष वाले आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के बच्चों की मदद करता है, कुछ चिकित्सा उपकरण और दो ऑक्सीजन सांद्रक भेजना चाहते थे। म्यांमार में जहां उनकी सख्त जरूरत थी। लेकिन यह मुश्किल था क्योंकि म्यांमार सैन्य शासन वाला देश था। यह विचार मुझे सताता रहा कि मुझे इसके बारे में कुछ करना चाहिए और हमने न्यू

रोटरी क्लब मांडले, म्यांमार के अन्य सदस्यों के साथ ने मिन ऊ (बाएं से चौथे)।

डिब्रूगढ़ रेलवे स्टेशन से दीमापुर, नागालैंड जाने वाली ट्रेन के माध्यम से 14 सांद्रकों को भेजने का निर्णय लिया। रेलवे कर्मचारी बहुत खुश थे कि उनकी सेवाओं का उपयोग दूसरे देश में नागरिकों को सहायता देने के लिए किया जा रहा था।

इस कठिन काम के लिए कई रोटेरियन एक साथ आए। म्यांमार कोविड से जूझ रहा था और महामारी का सामना करने के लिए फरवरी 2021 के सैन्य तख्तापलट के लिए दबाव डाला गया था। कुछ रोटेरियनों द्वारा सड़कों पर अस्थायी चिकित्सा केंद्र स्थापित किए गए, जिन्होंने गुप्त रहना चुना। बाहरी दुनिया से शायद ही कोई संबंध होने के कारण अन्य हिस्सों से कोई सहायता नहीं मिली। म्यांमार के सात रोटरी क्लब रो ई मंडल 3350 का हिस्सा थे, लेकिन देश बाहरी दुनिया के लिए बंद था और सैन्य शासन के अधीन था, रोटरी डिस्ट्रिक्ट के किसी भी अन्य देश से कोई मदद नहीं मिली।

अंत में, हमारी खेप तमू के छोटे से शहर तक पहुंच गई, जो भारत की ओर से म्यांमार का प्रवेश बिंदु है। हालाँकि, इसमें अपेक्षा से अधिक समय लगा क्योंकि इसे घने जंगल वाले पहाड़ी इलाके से ले जाना था। रोटरी क्लब मांडले के सचिव आरटीएन ने मिन ऊ और क्लब के अन्य सदस्यों ने सांद्रक वितरित करने की जिम्मेदारी ली। भाईचारे के एक मार्मिक संकेत में रोटरी क्लब मांडले के अध्यक्ष डॉ नाइंग विन द्वारा म्यांमार मेइतेई डेवलपमेंट एसोसिएशन को एक सांद्रक उपहार में दिया गया, जिसमें म्यांमार में रहने वाले मणिपुरी मूल के लोग शामिल थे, उनके लॉजिस्टिक समर्थन की सराहना करते हुए। कॉन्सेंट्रेटर्स ने उस कठिन समय के दौरान न केवल मांडले बल्कि यांगून में भी कोविड प्रभावितों को बड़ी राहत पहुंचाई।

हावड़ा रेलवे स्टेशन पर उत्तरी कैरोलिना से पीडीजी नैन्सी बार्बी के साथ पीडीजी कल्पना खौंड।

कई लोगों की जान बचाई गई। जब मैं अपनी मित्र पीडीजी नैन्सी के निस्वार्थ कार्य और उसे संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के रोटेरियनों से मिले समर्थन पर विचार करता हूं, तो मैं रोटरी में दोस्ती की शक्ति और उसके बाद होने वाली अच्छाइयों पर आश्चर्यचकित हो जाता हूं।

ने मिन ऊ याद करते हैं कि ''2021 में, जब महामारी के चरम पर, कोविड ने म्यांमार को तबाह कर दिया था, ऑक्सीजन उपकरण और चिकित्सा सुविधाओं की कमी के कारण हर दिन हजारों रोगियों की मौत हो गई थी।'' इसलिए, अगस्त 2021 में, रोटरी क्लब डिब्रूगढ़, कोहिमा और इम्फाल, रो ई मंडल 3240 और कनेक्ट रो ई मंडल 3012 के रोटरी ई-क्लब के लॉजिस्टिक समर्थन के साथ अमेरिका और कनाडा से 10 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का एक अप्रत्याशित उपहार लगभग एक ईश्वरीय उपहार था।

इस सहयोग के लिए, म्यांमार को दस ऑक्सीजन सांद्रक पहुंचाने के लिए रसद के समन्वय के लिए कई ज़ूम बैठकें आयोजित की गईं। परिवहन ट्रेनों, बसों और स्थानीय टीमों द्वारा किया गया था। म्यांमार में रोटरी क्लबों की ओर से, रोटरी क्लब मांडले ने रोटरी क्लब मेट्रो यांगून के समन्वय से ये सांद्रक प्राप्त किए।

भारत-म्यांमार सीमा से गुजरने के दौरान, हमने पांच ऑक्सीजन सांद्रक खो दिए, जिन्हें रोटेरियन के अंतहीन प्रयासों से सफलतापूर्वक पुनः प्राप्त कर लिया गया।

लेखक रो ई मंडल 3240 की पूर्व गवर्नर हैं।

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर देने के बाद रोटरी क्लब दुलियाजान के सदस्यों के साथ पीडीजी कल्पना।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पट्टुकोट्टई किंग्स - रो ई मंडल 2981

पोंगल के दौरान वंचित परिवारों को गिफ्ट हैंपर और ड्रेस मटेरियल वितरित किए गए।

रोटरी क्लब गाजियाबाद आइडियल - रो ई मंडल 3012

डीजी प्रियतोष गुप्ता ने शंभु दयाल कॉलेज में स्मार्ट क्लास (रु1.25 लाख) का उद्घाटन किया. एक वर्षा जल संचयन प्रणाली (रु1.5 लाख) भी स्थापित की गई थी।

रोटरी क्लब मां-नगर कृष्णागिरी - रो ई मंडल 2982

गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकंडरी स्कूल, कावेरीपट्टिनम में एनसीसी कैडेटों और 11 टीएन सिग्नल कंपनी एनसीसी, सलेम के कर्मचारियों के साथ वृक्षारोपण किया गया।

रोटरी क्लब नागपुर मेट्रो - रो ई मंडल 3030

एक वृद्धाश्रम में रहने वाले 64 बुजुर्गों को गुलमोहर सोसायटी और डंभरे ज्वेलर्स द्वारा सह-प्रायोजित साठ डिनर सेट प्रदान किए गए।

रोटरी क्लब जयनकोंडम - रो ई मंडल 3000

पशुपालन विभाग के साथ संयुक्त रूप से पशु कृमि मुक्ति चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब पालि - रो ई मंडल 3056

हेमावास गांव के सरकारी स्कूल को कंप्यूटर दान किए गए, जिससे 100 से अधिक बच्चे लाभान्वित होंगे।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब रुड़की मिडटाउन - रो ई मंडल 3080

इस क्लब ने जनवरी की कड़ाके की ठंड में मजदूरों को थोड़ी राहत पहुँचाने के लिए पूरे महीने उन्हें शाम को चाय, समोसे और बिस्कुट परोसे।

रोटरी क्लब कुशीनगर - रो ई मंडल 3120

झारखंड के एक साइकिल चालक सुतत्व रिजू (12) को तीन अन्य साइकिल सवारों के साथ विश्व शांति संदेश यात्रा पर सम्मानित किया गया।

रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर मिडटाउन - रो ई मंडल 3100

टीआरएफ के उपाध्यक्ष भरत पांड्या और डीजी अशोक गुप्ता ने जिला जेल में एक शौचालय खंड का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब पुणे कोथरूड - रो ई मंडल 3131

पैंतीस महिलाओं को ग्लैट सिस्टम्स के साथ एक संयुक्त परियोजना में सिलाई में प्रशिक्षित किया गया।

रोटरी क्लब नैनीताल - रो ई मंडल 3110

बीडी पांडे अस्पताल और सरकारी महिला चिकित्सालय हल्द्वानी में नवजात शिशुओं को गर्म कपड़ों से युक्त बेबी किटें दान की गई।

रोटरी क्लब मुंबई भांडुप - रो ई मंडल 3141

तीन दिवसीय रोटरी फन फिएस्टा में परियोजनाओं के लिए धन एकत्रीकरण हेतु सामाजिक हस्तियों द्वारा अनेक कार्यक्रमों में भाग लिया गया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब जम्मलमडुगु - रो ई मंडल 3160

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज को बीस कुर्सियां दान की गईं।

रोटरी क्लब कलियाँपुरा - रो ई मंडल 3182

पीडीजी नागेंद्र प्रसाद ने गोरात्ती अस्पताल में रोटरी डायलिसिस केंद्र को दो अतिरिक्त इकाइयाँ (₹17 लाख) सौंपी।

रोटरी क्लब गजेन्द्रगड़ - रो ई मंडल 3170

मोतियाबिंद के लिए जांच किए गए 400 रोगियों में से 103 को सर्जरी के लिए हुबली भेजा गया।

रोटरी क्लब बेंगलुरु हेरिटेज नॉर्थ - रो ई मंडल 3192

सरकारी प्राथमिक विद्यालय, कामाक्षीपुरा को टेबल और कुर्सियां दान की गईं।

रोटरी क्लब कोल्लेगल - रो ई मंडल 3181

क्लब के अध्यक्ष नंजुंदास्वामी ने दो दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब कलामासेरी - रो ई मंडल 3201

रोटरी क्लब कोचीन सेंट्रल के सदस्य, परोपकारी कोचहाउसफ चित्तिलापल्ली की मदद से क्लब ने एक बेघर व्यक्ति के लिए एक घर प्रदान किया।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब निलांबुर - रो ई मंडल 3204

डीजी सेतु शिव शंकर ने पांच भूमिहीन परिवारों में से एक को दस्तावेज सौंपे, जिन्हें अपना घर बनाने के लिए 20 सेंट जमीन (₹20 लाख) मिली।

रोटरी क्लब रायपुर - रो ई मंडल 3261

क्लब द्वारा आयोजित एक रोजगार मेले के पहले चरण में 18 कंपनियों ने 157 लोगों को नौकरी दी।

रोटरी क्लब विरुधुनगर - रो ई मंडल 3212

पीडीजी वीआर मुत्तु और के विजयकुमार ने एक मधुमेह जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई। एक मधुमेह जांच शिविर भी आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब भुवनेश्वर मीडोज़ - रो ई मंडल 3262

सीआईएमई कॉलेज में आयोजित एक साइबर सुरक्षा सेमिनार में लगभग 300 छात्रों ने भाग लिया जिसमें डीजी जयश्री मोहंती मुख्य अतिथि थीं।

रोटरी क्लब वेल्लोर - मंडल 3231

वेलम्मल बोधि कैंपस में कक्षा 4 की एक छात्रा, नौ वर्षीय समयुक्ता श्री ने क्लब बैठक में पोंगल पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

रोटरी क्लब जोधपुर गार्डन कलकत्ता - रो ई मंडल 3291

जॉयपुर हावड़ा में आरसीसी शिशिर बागान के सहयोग से परिवारों को कंबल वितरित किए गए।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

तेज, तीव्र, बुलन्द

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

अक्सर कहा जाता है कि भारत विविधता से परिपूर्ण देश है; विविधता में एकता भारतीय समाज की महत्त्वपूर्ण विशेषता है। हम कई विषयों पर एकमत नहीं होते लेकिन कुछ चीज़ों पर हम सभी की सहमति होती हैं, उनमें से एक है शोर, एक सशक्त प्राथमिकता, जितना तेज़ हो उतना बढ़िया। हमारी विविधता अत्यधिक शोर के इर्द गिर्द मंडराती है। कुछ हफ्ते पहले एक बार फिर इससे सामना हुआ, मेरे घर पर। अचानक, हमारे घर के पीछे से इलेक्ट्रॉनिक संगीत की तेज़ आवाज़ आनी शुरू हो गई। यह एक काफी बड़ा पार्किंग स्थल है जिसका मालिक एक बड़ा बिल्डर है। बाकी दिन तो यह भरा रहता है लेकिन शनिवार को खाली रहता है, इसलिए बिल्डर इसे मइवेंटफकंपनियों को किराए पर दे देता है।

इनमें से एक कम्पनी संगीत कार्यक्रम आयोजित करती है और यदि संगीत कार्यक्रम हुआ होता तो ठीक था। पर इसके बजाय, केवल ड्रम्स की भारी और तेज़ धमक और बास गिटार। इसे टेक्नो संगीत कहा जाता है। आपको अपनी प्रेमिका के साथ ऊपर-नीचे कूदना है ये सोचते हुए कि आप नृत्य कर रहे हैं। तो उस सप्ताहांत यह हमला दोपहर 3 बजे हुआ और सात घंटे चला, रात 10 बजे तक। दो सप्ताह पहले ये हंगामा फिर से हुआ था।

पड़ोसियों में से एक ने शोर का डेसीबल स्तर मापा जोकि 90 था जबकि कानूनी रूप से स्वीकार्य स्तर, 45 डेसीबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसलिए अगले दिन, हमारी हाउसिंग सोसायटी के प्रमुख ने स्थानीय पुलिस स्टेशन से जानकारी चाही कि इसकी अनुमति कैसे दी गई। पुलिस ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट ने आधिकारिक अनुमति दी थी। लेकिन ऐसा लगता है कि अनुमति में इस बात का जिक्र नहीं था कि संगीत कितना तेज़ बजाया जा सकता है। इसमें भी संशय है कि आवेदन में आयोजन स्थल का उल्लेख रहा होगा, यानी कि यह आवासीय भवनों के समूह के निकट होगा। इस तरह के विवरण पर ध्यान नहीं दिया गया था। हम ऐसे ही हैं।

तो हमें पूरा का पूरा 90 डेसिबल झेलना पड़ा। बिल्डिंग में हर घर की खिड़कियाँ बजने लगीं। साथ ही हमारी हड्डियाँ। खिड़कियों के शीशे टूटने से बचाने के लिए मुझे कुशन और तकिए लगाने पड़े थे। फूलों के गुलदस्ते और बोतलें तथा अन्य कांच की सजावटी चीजों को गिरने से बचाना पड़ा था। निस्संदेह, घरों के कुत्ते बेचैन हो गए थे। छोटे बच्चों और अत्यंत वृद्ध लोगों को भी खासी परेशानी हुई। केवल बहरे... भाग्यशाली लोग... सुरक्षित रह पाए। जैसा कि मैंने बताया, यह मसंगीतफ दस घंटे तक चला था। हाँ। दस घंटे। सिवाय गुस्से में दांत पीसने के हम कुछ नहीं कर सकते थे।

ये नहीं सोचें कि कि यह एक असामान्य घटना थी, शायद थी। लेकिन मेरा सोचना हैं कि एक आम आदमी के रूप में हम रोजमर्रा की जिंदगी में भी ऊंचे स्वर में बोलते हैं। बसों में, ट्रेनों में, हवाई जहाजों में, सिनेमाघरों में, शॉपिंग मॉल में, रेस्तरां में, कार्यालयों में और यहां तक कि घरों और अस्पतालों, मस्जिदों, मंदिरों में - हम हर जगह शोर मचाते हैं। हम ऊंची आवाज़ में बात करते हैं, हम फोन पर जोर-जोर से संगीत बजाते हैं, वास्तव में, हम सार्वजनिक स्थलों पर भी अपनी पत्नियों से ऊंचे स्वर में बात करते हैं। एक बार विमान में सफर करते हुए, मैंने खुद सुना - ध्यान रखें, किसी और से नहीं सुना, क्योंकि वे गलियारे के उस तरफ बैठे थे - एक युगल बीमारी संबंधी विषयों पर बात कर रहा था। पुरुष को प्रोस्टेट की समस्या थी और महिला के दांत या मसूड़े खराब थे या दोनों थे। दिल्ली से भोपाल की उड़ान के दौरान,पूरे सफर में वो बहुत तेज आवाज़ में बात करते रहे, जिसमें सिर्फ 75 मिनट लगते हैं। भला हो मेरी किस्मत का कि यह दिल्ली-त्रिवेंद्रम की उड़ान नहीं थी जिसमें लगभग साढ़े तीन घंटे लगते हैं, वर्ना पता नहीं मेरा क्या हाल होता।

हम हर जगह शोर मचाते हैं। हम ऊंची आवाज़ में बात करते हैं, हम फोन पर जोर-जोर से संगीत बजाते हैं, वास्तव में, हम सार्वजनिक स्थलों पर भी अपनी पत्नियों से ऊंचे स्वर में बात करते हैं।

लेकिन शोर के किस्से भी मज़ेदार होते हैं। अब तक, सबसे मजेदार किस्सा जो मैंने सुना है वो विदेश सेवा के एक सेवानिवृत्त अधिकारी का था। मुझे नहीं पता कि यह सच है या नहीं। बहुत पहले, एक दिन, स्विट्ज़रलैंड के बर्न शहर में हमारे राजदूत ने किसी को चिल्लाते हुए सुना था। उन्होंने अपने पीए को फोन किया और पूछा कि ये किस बात का शोर हो रहा है. पीए ने कहा, सर, फलां श्रीमान जिनेवा में वाणिज्य दूतावास से बात कर रहे हैं। राजदूत पूरी तरह से अचंभित रह गया। कृपया उसे कहो कि बात करने के लिए वो फोन का इस्तेमाल करे, उन्होंने पीए को आदेश दिया!■

ADVT.

Rotary | CREATE HOPE in the WORLD

Yadhumanaval

A Project by
Rotary Club of Virudhunagar
Dist-3212

EMPOWERING GIRLS | 66-79

ROTARY CLUB OF VIRUDHUNAGAR
in association with

- CONSULATE GENERAL OF INDIA, JAFFNA
- HILL COUNTRY WOMEN ASSOCIATION, SRILANKA
- ARROW CHARITY ORGANIZATION, KANDY, SRILANKA

66	19 FEB, 2024	Hindu Culture Hall, **KANDY**
67	20 FEB, 2024	Central Provincial Council Auditorium, **PALLEKALE**
68	21 FEB, 2024	Grand Pavilion, **NAWALAPITIA**
69	22 FEB, 2024	Prince Hall, **HATTON**, Srilanka
70	23 FEB, 2024	Swamy Vipulanandha Institute of Aesthetics Studies, **BATTICALOA**
71	24 FEB, 2024	University @ **VAVUNIYA**
72	25 FEB, 2024	Event at Jaffna Cultural Center by Consulate
73 74	26 FEB, 2024	8 AM - 10 AM Jaffna Central College, **JAFFNA** 11 AM - 1 PM Union College, **JAFFNA**
75 76 77	27 FEB, 2024	8 AM - 10 AM Hartley College, **JAFFNA** 11 AM - 1 PM Chavakachcheri Hindu College, **JAFFNA** 2 PM - 4 PM Jaffna University, **JAFFNA**
78 79	28 FEB, 2024	8 AM - 10 AM Palai Central College, **KILLINOCHCHI** 11 AM - 1 PM Killinochchi Central College, **KILLINOCHCHI**

Jayanthasri Balakrishnan

" SHE PAVES A PATH FOR GIRL CHILDREN TO BECOME STRONGER VERSIONS OF THEMSELVES THROUGH HER MESMERIZING TALK. "

Inspiring and empowering workshops for girls in schools and universities, known as "Yadhumanaval," has been led by Mrs. Jayanthasri Balakrishnan. We are proud to declare that the main speaker of the program Yadhumanaval Dr Jayanthasri Balakrishnan has touched the lives of 100,000 girls in India and Srilanka.
A journey of 25 months..
79 Sessions.

Yadhumanaval Project Chairman
Rtn D. Vijayakumari
+91 94887 66388

Get in Touch

IDHAYAM

PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

Registered No. TN/CCN/359/2024-2026 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/24-26 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.

UG / PG / Ph.D. & Professional Programmes

CAREER ORIENTED & SKILL DEVELOPMENT PROGRAMMES

3-Level certificate/Diploma/ Advanced Diploma alongwith Degree Programmes

Career Counselling & Guidance

PSYCHOMETRIC TESTING ALSO AVAILABLE

https://icfia.org/iisu/psychometrictest

IISU CENTRE FOR PREPARATORY CLASSES

▪ Civil Services ▪ NET ▪ US CMA

DISTINGUISHING FEATURES

- **CONVEYANCE FACILITY** Covering all parts of Jaipur including remote areas
- **HOSTEL FACILITY** Safe Environment, A/C Rooms, Healthy Vegetarian Food
- **EXTRA & CO-CURRICULAR ACTIVITIES**
- **PLACEMENT SUPPORT**
- **WI-FI ENABLED CAMPUS**
- **EXTENSION ACTIVITIES**
- **NCC, NSS**
- **SPORTS**

OUR PLACEMENTS

IBM, wipro, Infosys, Deloitte, TATA CAPITAL, tcs, amazon, airtel, hp, Deutsche Bank, Mindtree, zomato, Flipkart, paytm, genpact, EY, HDFC BANK, CarDekho, IndiGo, Amway, Network18, accenture

FOR COUNSELING AND QUERIES

Arts & Social Sciences	Science	Commerce & Management
+91 9358819994	+91 9358819995	+91 9358819996

IIS (deemed to be University)

Gurukul Marg, SFS, Mansarovar, Jaipur-302020 Rajasthan (INDIA)

+91 141 2400160, 2397906/07

Toll Free No.: 1800 180 7750

admissions@iisuniv.ac.in

www.iisuniv.ac.in

IIS (deemed to be UNIVERSITY) JAIPUR

Accredited by NAAC

FORMERLY

INTERNATIONAL COLLEGE FOR GIRLS

Nurturing Excellence